राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 भाजपा धांधली और बेईमानी से दिल्ली का चुनाव लड़ना ...

फडणवीस को पता होना चाहिए कि उद्धव को ... 12



वर्ष : 15 | अंक : 269 | नई दिल्ली, मंगलवार, 14 जनवरी, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com


**मौसम**

अधिकतम तापमान 21°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

| | |
|---|---|
| हां | 30% |
| नहीं | 50% |
| कह नहीं सकते | 10% |

**बाजार**

| | |
|---|---|
| सोना | 79,005 |
| चांदी | 92,500 |
| सेंसेक्स | 81,786 |
| निफ्टी | 24,668 |

## चीन सीमा पर स्थिति स्थिर लेकिन संवेदनशील, सैनिकों की तैनाती में कमी नहीं: जनरल द्विवेदी

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख में चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति स्थिर लेकिन संवेदनशील बनी हुई है और वहां तैनात सैनिकों की संख्या में अभी कमी नहीं की जायेगी। सेना प्रमुख ने सेना दिवस से पहले यहां सोमवार को वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वास्तविक स्थिति के संबंध में पूछे गये सवालों तथा इस संबंध में अपने आरंभिक वक्तव्य में कहा कि वहां स्थिति स्थिर लेकिन संवेदनशील बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष के अंत में दोनों देशों के बीच बनी सहमति के बाद कई मुद्दों का समाधान हुआ है। दोनों सेनाओं के सैनिकों की गश्त तथा चरवाहों की गतिविधि से संबंधित मुद्दों का समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि वहां पर सेना की तैनाती के मामले में भी संतुलन बनाकर रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए पूरी सक्षम है।

जनरल द्विवेदी ने सवालों के जवाब में कहा कि अप्रैल 2020 के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगते क्षेत्रों में जो गतिरोध बना था। उस समय दोनों तरफ से निर्माण संबंधी गतिविधियां तथा कुछ और बदलाव किये गये हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए स्थिति पहले जैसी नहीं है। इस नये माहौल और बदलाव की स्थिति में नये सिरे से समझ विकसित करने की जरूरत है जिससे कि दोनों पक्षों के बीच भरोसा मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच शीर्ष नेतृत्व से लेकर सेना के स्तर पर बातचीत निरंतर जारी है और कोर कमांडरों को छिटपुट विवादों को स्थानीय स्तर पर

दूर करने की जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सर्दी और गर्मी के मौसम के हिसाब से सैनिकों की तैनाती की जाती है। अभी सर्दी के मौसम और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए वहां तैनात सैनिकों की संख्या में कमी नहीं की जायेगी और गर्मी के मौसम में स्थिति की समीक्षा के आधार पर निर्णय लिया जायेगा। जम्मू-कश्मीर की स्थिति के बारे में पूछे गये प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि घुसपैठ जारी है लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि भीतरी इलाकों में कुछ हद तक आंतकवादियों की गतिविधियां बढ़ी हैं। आतंकी गतिविधियां आतंकवाद के केंद्र पाकिस्तान द्वारा संचालित की जा रही है और यदि आतंकवादियों को इस तरह का समर्थन मिलता रहेगा तो घुसपैठ जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि हिंसा की घटनाओं पर काबू पाने के लिए वहां पिछले वर्ष 15 हजार अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी तक 73 आतंकवादियों मारे गये हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के हैं। उन्होंने कहा कि सुचारू संसदीय और राज्य विधानसभा चुनाव तथा इनमें लगभग 60 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि स्थानीय आबादी शांति चाहती है।

सेना प्रमुख ने कहा कि पूर्वोत्तर में स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन छिटपुट घटनाएं जारी हैं। उन्होंने कहा कि वहां बाहरी हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता लेकिन सरकारी तंत्र की ओर से शांति स्थापित किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि म्यांमार सीमा पर निगरानी कड़ी कर दी गयी है और वहां बाड़ लगाये जाने के कार्य को प्रथमिकता के साथ किया जा रहा है।

बंगलादेश के घटनाक्रम पर पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बंगलादेश हमारे लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। दोनों देश पड़ोसी हैं, हमें साथ रहना है और एक दूसरे को समझना है तथा किसी भी तरह की दुश्मनी एक दूसरे के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि जब बंगलादेश में बदलाव हुआ था, तब से वह वहां के सेना प्रमुख के संपर्क में हैं। गत नवंबर मे हमने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस भी की थी। जहां तक सैन्य सहयोग का सवाल है, यह उसी तरह बढ़ रहा है। अभी की स्थिति में, सैन्य संबंध अच्छे और सही हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों को जरूरत पड़ने पर डीएफसी ट्रैक से निकालने की योजना

नई दिल्ली,। भारतीय रेलवे ने प्रयागराज में महाकुंभ मेले के लिए विशेष गाड़ियों के सुचारु संचालन के लिए समर्पित मालवहन गलियारे (डीएफसी) का भी अधिकतम इस्तेमाल करने की योजना बनायी है। सूत्रों के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे में दादरी से मुगलसराय के बीच मुख्य ट्रंक लाइन पर एक भी मालगाड़ी नहीं चलेगी। डीएफसी पर शत प्रतिशत मालगाड़ियां चलायीं जाएंगी। सूत्रों ने यह भी कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो महाकुंभ के लिए चलायी जाने वाली विशेष गाड़ियों को डीएफसी की लाइन से निकाला जाएगा। ताकि भीड़ के कारण गाड़ियों का परिचालन बाधित ना हों। गाड़ियां समय से निकल सकें। भारतीय रेलवे ने सोमवार से विशेष गाड़ियों के करीब 13 हजार फेरे लगाने की व्यवस्था की है। प्रयागराज से सभी दिशाओं के लिए अलग अलग स्टेशनों को तय किया गया है।

## महत्वपूर्ण खबर

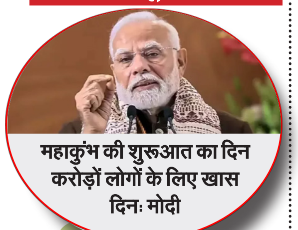

### महाकुंभ की शुरूआत का दिन करोड़ों लोगों के लिए खास दिनः मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को महाकुंभ की शुरूआत के दिन को भारतीय मूल्यों और संस्कृति को महत्व देने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक बहुत ही खास दिन बताया है। श्री मोदी ने एक्सपर एक पोस्ट में कहा, भारतीय मूल्यों और संस्कृति को महत्व देने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक बहुत ही खास दिन! आस्था, भक्ति और संस्कृति के पवित्र संगम में अनगिनत लोगों को एक साथ लाते हुए महाकुंभ 2025 प्रयागराज में शुरु हुआ। महाकुंभ भारत की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है और आस्था और सद्भाव का उत्सव मनाता है। गौरतलब है कि महाकुंभ विश्व का सबसे बड़ा सार्वजनिक समागम और आस्था का सामूहिक आयोजन है, जो 12 वर्ष के अंतराल पर आयोजित होता है।

### कश्मीर में भीषण ठंड, श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरा

श्रीनगर। जम्मू एवं कश्मीर में सोमवार को न्यूनतम तापमान शून्यि से नीचे पहुंच गया। बढ़ती ठंड के चलते वहां सामान्या जनजीवन प्रभावित हुआ है। श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 5.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि गुलमर्ग और पहलगाम में यह माइनस 6.5 और माइनस 8.4 डिग्री सेल्सियस रहा। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस, कटरा शहर में 6, बटोटे में 2.6, बनिहाल में माइनस 0.6 और भद्रवाह में माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने एक बयान में कहा, ₹13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर में मौसम मुख्य रूप से साफ और शुष्क रहेगा। 14 जनवरी को बादल छाए रहेंगे और मौसम शुष्क रहेगा। 15 और 16 जनवरी को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और 16 जनवरी की सुबह के समय ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होगी। 17 से 19 जनवरी को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और 19 तारीख तक बारिश की संभावना नहीं दिख रही है।''

## मोदी ने जम्मू-कश्मीर को भारत का बताया ताज, लोगों को वायदे पूरा करने का दिया भरोसा

**मोदी ने कहा, आप पक्का मानिये, ये मोदी है, वादा करता है, तो निभाता है। हर काम का समय होता है, सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं।**

**इस मौके पर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग विकास मंत्री नितिन गडकरी, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह, केन्द्र शासित प्रदेश के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कहा, कश्मीर तो देश का मुकुट है। भारत का ताज है। इसलिये, मैं चाहता हूं कि ये ताज और सुंदर हो, और समृद्ध हो। मुझे ये देखकर खुशी होती है कि इस काम में मुझे यहां के नौजवानों, बुजुर्गों, बेटे-बेटियों का लगातार साथ मिल रहा है।**

प्रात : किरण/ एजेंसी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर को भारत का ताज बताते हुये, क्षेत्र के लोगों को भरोसा दिया कि उन्होंने जो वायदे किये हैं, उन्हें निभाया जायेगा और राज्य के विकास के लिये हर काम समय से पूरा किया जायेगा। श्री मोदी सोनमर्ग सुरंग (जेड-मोड़-सुरंग) का उद्घाटन करने के बाद यहां आयोजित एक बड़ी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। श्री मोदी ने कहा, आप पक्का मानिये, ये मोदी है, वादा करता है, तो निभाता है। हर काम का समय होता है, सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं। इस मौके पर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग विकास मंत्री नितिन गडकरी, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह, केन्द्र शासित प्रदेश के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, कश्मीर तो देश का मुकुट है। भारत का ताज है। इसलिये, मैं चाहता हूं कि ये ताज और सुंदर हो, और समृद्ध हो। मुझे ये देखकर खुशी होती है कि इस काम में मुझे यहां के नौजवानों, बुजुर्गों, बेटे-बेटियों का लगातार साथ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने सोनमर्ग सुरंग को जम्मू-कश्मीर के लिये एक बड़ी सौगात बताते हुये कहा, आज मैं एक बड़ी सौगात लेकर आपके एक सेवक के रूप में आपके बीच आया हूं। कुछ दिन पहले मुझे जम्मू में आपके अपने रेल डिवीजन का शिलान्यास करने का अवसर मिला था। यह आपकी बहुत पुरानी मांग थी। आज मुझे सोनमर्ग सुरंग देश को और आपको सौंपने का मौका मिला है, यानी जम्मू-कश्मीर की, लद्दाख की एक और बहुत पुरानी मांग आज पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि सोनमर्ग सुरंग का वास्तविक निर्माण कार्य, उनकी सरकार ने 2015 में शुरू किया था और मुझे खुशी है कि इस सुरंग का काम हमारी ही सरकार में पूरा भी हुआ है। प्रधानमंत्री का सभा में स्वागत करते हुये, मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिये उनका और चुनाव आयोग का आभार जताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा भी जल्द पूरा करेंगे। श्री मोदी ने कहा कि इस टनल से सर्दियों के मौसम में सोनमर्ग की कनेक्टिविटी भी बनी रहेगी और इससे सोनमर्ग सहित पूरे इलाके में पर्यटन उद्योग को नये पंख लगेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जम्मू-कश्मीर में रेल और सड़क सुविधाओं का और विस्तार होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, अब तो कश्मीर वादी रेल से भी जुड़ने वाली है। मैं देख रहा हूं कि इसको लेकर भी यहां जबरदस्त खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा, आज भारत, तरक्की की नई बुलंदी की तरफ बढ़ चला है। हर देशवासी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में जुटा है। यह तभी हो सकता है, जब हमारे देश का कोई भी हिस्सा, कोई भी परिवार तरक्की से पीछे न छूटे। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के सफर में, बहुत बड़ा योगदान, हमारे पर्यटन क्षेत्र का है। बेहतर संपर्क सुविधाओं के कारण, जम्मू-कश्मीर के उन इलाकों तक भी पर्यटक पहुंचेंगे, जो अभी तक अनछुये हैं। उन्होंने कहा कि बीते 10 सालों में जम्मू-कश्मीर में अमन और तरक्की का जो माहौल बना है, उसका फायदा हम पहले ही पर्यटन क्षेत्र में देख रहे हैं। साल 2024 में दो करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू-कश्मीर आये हैं। यहां सोनमर्ग में भी 10 साल में छह गुना ज्यादा पर्यटक बढ़े हैं। इसका लाभ यहां की जनता को हुआ है। श्री मोदी ने अपने भाषण के प्रारंभ में कहा, आज का दिन बहुत ही खास है। आज देश के हर कोने में उत्सव का माहौल है। आज से ही प्रयागराज में महाकुंभ आरंभ हो रहा है। करोड़ों लोग वहां पवित्र स्नान के लिये उमड़ रहे हैं। आज पंजाब सहित पूरा उत्तर भारत लोहड़ी की उमंग से भरा है।

उन्होंने कहा, इसके लिये ही हमारी सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ पूरे समर्पण से दिन-रात काम कर रही है। बीते 10 साल में जम्मू-कश्मीर सहित पूरे देश के चार करोड़ से ज्यादा गरीबों को पक्के घर मिले। आने वाले समय में तीन करोड़ और नये घर गरीबों को मिलने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भी बीते 10 साल में एक से बढ़कर एक शिक्षण संस्थान बने हैं। इसका बहुत बड़ा लाभ यहां के हमारे नौजवानों को हुआ है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर तो अब सुरंग का, ऊंचे-ऊंचे पुलों का, रोप-वे का हब बनता जा रहा है। दुनिया की सबसे ऊंची सुरंगें यहां बन रही हैं, दुनिया के सबसे ऊंचे रेल-रोड ब्रिज, दुनिया की सबसे ऊंची रेल लाइन यहां बन रही हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जाहिर की है कि श्री मोदी जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के वादे को जल्द ही पूरा करेंगे। उन्होने यहां सोनमर्ग सुरंग के उद्घाटन समारोह के बाद आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुये कहा, जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराये गये और उसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि चुनाव में अनियमितता की कोई शिकायत नहीं थी, सत्ता के दुरूपयोग की कोई शिकायत नहीं थी। इसका श्रेय आपको (प्रधानमंत्री मोदी), आपके सहयोगियों और भारत के चुनाव आयोग को जाता है। मेरा दिल कहता है कि बहुत जल्द ही आप (मोदी) राज्य का दर्जा बहाल करने के अपने वादे को भी पूरा करेंगे। प्रधानमंत्री ने इससे पहले मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं के साथ सुरंग का गंदेरबल जिले में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 6.4 किलोमीटर लंबी जेड-मोड़ (सोनमर्ग सुरंग) का उद्घाटन किया। श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर जेड-मोड़ सुरंग परियोजना का निर्माण 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है। इसमें सोनमर्ग मुख्य सुरंग, एक निकास सुरंग और पहुंच मार्ग शामिल हैं। इस सुरंग के निर्माण से पर्यटक वर्ष भर सोनमर्ग आ सकेंगे। साथ ही शीतकालीन पर्यटन, साहसिक खेल और स्थानीय आजीविका को भी बढ़ावा मिलेगा।

## पीएम मोदी 15 जनवरी को करेंगे महाराष्ट्र का दौरा, तीन युद्धपोतों को देश को करेंगे समर्पित

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 जनवरी (बुधवार) को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। इस दौरान वह सुबह करीब 10:30 बजे मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में नौसेना के तीन फ्रंटलाइन युद्धपोतों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर को देश को समर्पित करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 3:30 बजे वह नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन करेंगे। भारत की तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों की कमीशनिंग रक्षा निर्माण और समुद्री सुरक्षा में ग्लोबल लीडर बनने के भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। पी15बी गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का चौथा और अंतिम युद्धपोत आईएनएस सूरत, दुनिया के सबसे बड़े और सबसे उन्नत विध्वंसकों में से एक है। इसमें 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री है और यह अत्याधुनिक हथियार-सेंसर पैकेज और उन्नत नेटवर्क-केंद्रित क्षमताओं से लैस है।

पी17ए स्टील्थ फ्रिगेट परियोजना का पहला युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि, भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया है और इसे बढ़ी हुई क्षमता, समुद्र में लंबे समय तक रहने तथा स्टील्थ युक्त उन्नत सुविधाओं के साथ नौसेना में शामिल किया गया है। यह स्वदेशी फ्रिगेट की अगली पीढ़ी को दशार्ता है। पी75 स्कॉर्पीन परियोजना की छठी और अंतिम पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर, पनडुब्बी निर्माण में भारत की बढ़ती विशेषज्ञता का प्रतिनिधित्व करती है। इसका निर्माण फ्रांस के नौसेना समूह के सहयोग से किया गया है। भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप पीएम मोदी नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन की परियोजना के अंतर्गत श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का भी उद्घाटन करेंगे। नौ एकड़ में फैली इस परियोजना में कई देवताओं के विग्रह के साथ एक मंदिर, एक वैदिक शिक्षा केंद्र, प्रस्तावित संग्रहालय और सभागार, साथ ही उपचार केंद्र आदि शामिल हैं। इसका उद्देश्य वैदिक शिक्षाओं के माध्यम से सार्वभौमिक बंधुत्वस, शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना है।

## खरगे-प्रियंका ने की महाकुंभ के सफल आयोजन की कामना

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पौष पूर्णिमा पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सोमवार से प्रयागराज में शुरू हो रहे महाकुंभ की सफलता की कामना की और कहा कि यह हजारों साल पुरानी आस्था, धार्मिक संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ा मानवता का महाउत्सव है जो भाईचारे, सामाजिक सौहार्द, सद्भाव और समानता का संदेश देता है। खरगे ने अपने संदेश में कहा, मेरे प्यारे देशवासियों, आज विश्व की प्राचीनतम संस्कृति संगम, तीर्थ राज प्रयागराज में महाकुंभ का शुभारंभ हो गया है। ये भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत का महापर्व है। इस पावन आयोजन के अवसर पर कांग्रेस की ओर से मैं सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। लाखों करोड़ों की संख्या में अगले डेढ़ महीने तक चलने वाले त्रिवेणी संगम के पारंपरिक महोत्सव में पधारे सभी साधु, संत, पंथ, समुदाय और जनता जनार्दन, एकजुट होकर जाति, वर्ण, और वर्ग के भेदभाव मिटाकर भारत की महान संस्कृति का परिचय पूरे विश्व को देंगे। उन्होंने कहा, छुआछूत, ऊँच-नीच, भेदभाव, अंधविश्वास को छोड़कर हम सभी देश की विविधता में एकता के शाश्वत मूल्यों को अपनाकर सौहार्द, सद्भाव, भाईचारे व आपसी प्रेम का संदेश देंगे।

**आस्था** | अधिकृत जानकारी के अनुसार भोर करीब सुबह तीन बजे से पतित पाविनी गंगा, श्यामल वर्ण यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर स्नान ध्यान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सुबह साढ़े नौ बजे तक 60 लाख के आंकड़े को पार कर चुकी थी।

## महाकुंभ का भव्य शुभारंभ, पौष पूर्णिमा पर संगम की रेती पर आस्था का सैलाब

प्रात : किरण/ एजेंसी

महाकुंभनगर। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम महाकुंभ का भव्य शुभारंभ सोमवार को पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के साथ हो गया। संगम की रेती पर बसे भव्य एवं सुरम्य अस्थायी जिले में लाखों श्रद्धालु अमृत स्नान के लिये बढ़े चले जा रहे थे।

अधिकृत जानकारी के अनुसार भोर करीब सुबह तीन बजे से पतित पाविनी गंगा, श्यामल वर्ण यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर स्नान ध्यान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सुबह साढ़े नौ बजे तक 60 लाख के आंकड़े को पार कर चुकी थी।

आस्था के महासंगम में चहुंओर हर-हर गंगे के जयकारे गूंज रहे हैं। साधु संतों की उपस्थिति से वातावरण भक्ति रस से ओतप्रोत है। गरीब अमीर, जाति धर्म से परे आस्था का यह समागम देश की एकता और अखंडता का प्रतीक बन कर दुनिया भर में अपनी आभा फैला रहा है। महाकुंभ सनातन धर्म का सबसे बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक पर्व है। इसका आयोजन हर 12 सालों के बाद किया जाता है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर श्रद्धालुओं का अद्भुत नजारा देखने को मिला। आधी रात से ही श्रद्धालु और कल्पवासी संगम तट पर जुटने लगे थे। हर-हर गंगे और जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से पूरा मेला क्षेत्र गूंज उठा। विदेशी श्रद्धालुओं ने भी पावन स्नान किया। वैदिक पंचांग के अनुसार प्रथम स्नान स्नान के लिए सुबह 5.27 से लेकर सुबह 6.21 तक का सबसे शुभ माना गया है। लेकिन श्रद्धालु आधी रात के बाद से आस्था की डुबकी लगानी शुरू कर दी। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं तड़के से ही संगम स्नान के लिए पहुंचने लगे।

आस्था का ऐसा आलम था कि सिर पर गठरी का वजन भी उनके उत्साह को कम नहीं कर सका। संगम नोज, एरावत घाट और वीआईपी घाट समेत समस्त घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालु स्नान करते नजर आए। युवाओं में सनातन संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। संगम स्नान और दान-पुण्य में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम तट पर पूजा-अर्चना और दान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेला क्षेत्र में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से चप्पे-चप्पे की निगरानी की जा रही है।

डीआईजी और एसएसपी खुद चक्रमण कर रहे हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। आधी रात और सुबह तड़के से ही पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पहले स्नान पर्व के दौरान इंद्रदेव ने भी अपनी कृपा बरसाई। एक दिन पहले रविवार को हुई हल्की बारिश के बाद ठंडी हवा और हल्की हवा के बीच श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान का आनंद लिया। संगम क्षेत्र में आस्था का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने सनातन संस्कृति और आस्था के प्रति गौरव की अनुभूति कराई।

## कल मकर संक्रांति के अवसर पर खुलेंगे आदिबदरी मंदिर के कपाट, सजाया जा रहा परिसर और बाजार

**चमोली, एजेंसी।** आदिबदरी मंदिर के कपाट 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस अवसर पर आदिबदरी मंदिर परिसर के साथ ही नगर के सभी मंदिरों और बाजार को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया है। बता दें कि कपाट उदघाटन की शुभ बेला पर और भगवान आदिबदरी के माघ मास के पहले श्रृंगार के दर्शन करने के लिए भारी

संख्या में लोग आदिबदरी मंदिर पहुचंते है। मंदिर के मुख्य पुजारी चक्रधर थपलियाल ने बताया कि कपाट ब्रह्ममुहूर्त में सुबह चार बजे खुलेंगे। जबकि श्रद्धालु सुबह छह बजे से दर्शन कर सकेंगे। भगवान आदिबदरी नाथ मंदिर के कपाट वर्ष में एक माह (पौष)के लिए बंद होते हैं। कपाटोद्घाटन के लिए मंदिर समूह सहित पूरे बाजार को भव्य रूप से सजाया गया है।

## एडीबी और बीसीजी की टीम ने किया कॉलेज के कार्यों का मूल्यांकन

**नरेंद्रनगर (टिहरी), एजेंसी।** धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर के तीसरे चरण की विकास योजनाओं की एशियन डेवलमेंट बैंक (एडीबी) और बीसीजी की टीम ने दो दिनों तक महाविद्यालय के कार्यों का मूल्यांकन और निरीक्षण किया। टीम महाविद्यालय के मूल्यांकन की रिपोर्ट शीघ्र उच्च शिक्षा निदेशालय को सौंपेगी। टीम के सदस्यों ने छात्र-छात्राओं के साथ रोजगार की संभावनाओं पर भी चर्चा की। धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर में एडीबी और बीसीजी की टीम ने मुखिया ध्रुव गुप्ता के नेतृत्व में दो दिनों तक महाविद्यालयों के कार्यों के मूल्यांकन करने के साथ निरीक्षण किया। पहले दिन शुक्रवार को टीम ने अकादमी एवं रोजगार की संभावनाओं और भविष्य की योजनाओं पर छात्र-छात्राओं के साथ चर्चा करते हुए उनके विचारों को जाना। टीम के सदस्यों ने स्नातक प्रथम और द्वितीय वर्ष के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं से बंद कमरे में बातचीत कर पठन-पाठन, कक्षाओं में उपस्थित, रोजगार, ऑनलाइन क्लास के बारे में जानकारी जुटाई। साथ ही टीम के सदस्यों ने स्नातकोत्तर और महाविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं के सम्मुख आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की।

टीम के सदस्यों ने संकायों प्रभारियों से शिक्षा संवर्धन, स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधनों, संकायों की चुनौतियों के बारे में भी जानकारी जुटाई। अंतिम दिन शनिवार को टीम विशेषज्ञ अभिजीत नारायण के नेतृत्व में महाविद्यालय प्रयोगशालाओं की अवस्थापना और सुविधाओं का जायजा लिया। टीम ने महाविद्यालयों के शिक्षकों और कर्मचारियों की समस्याओं को भी जाना। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य डॉ यूसी मैठाणी, डॉ संजय मेहर, सुधारानी, देवेंद्र कुमार, डॉ सोनी तिलारा, डॉ विक्रम बर्त्वाल, गणेश चंद्र पांडे, विशाल त्यागी, रमा बिष्ट, जितेंद्र नौटियाल आदि मौजूद थे।

### संक्षिप्त समाचार

## नगर पंचायत सतपुली-मतदाताओं की चुप्पी ने बढ़ाई प्रत्याशियों की धड़कनें

**सतपुली, एजेंसी।** सतपुली नगर पंचायत चुनाव में मतदाताओं की चुप्पी से प्रत्याशियों की धड़कनें बढ़ गई हैं। जैसे-जैसे मतदान की तिथि नजदीक आती जा रही है, मतदाताओं की चुप्पी से प्रत्याशी और उनके समर्थकों के बीच बेचैनी बढ़ती जा रही है। हालांकि दोनों दलों के जीत को लेकर अपने-अपने दावे हैं, लेकिन दावों के उलट मतदाताओं की चुप्पी से दोनों दल आशंकित हैं।सतपुली नगर पंचायत में अध्यक्ष पद पर कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। जबकि चार वार्डों में सभासद के लिए 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। नगर पंचायत के चार में से दो वार्डों विकास मोहल्ले और बस अड्डे में भी भाजपा कांग्रेसियों के बीच सीधी टक्कर है। वहीं, संत पॉल अस्पताल वार्ड में चार और मल्ली सतपुली में तीन प्रत्याशी मैदान में हैं। अध्यक्ष पद पर निवर्तमान अध्यक्ष व भाजपा प्रत्याशी अंजना वर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी जितेंद्र चौहान के बीच सीधा मुकाबला है। वहीं, वार्ड एक (विकास मोहल्ला) से सभासद के लिए कांग्रेस प्रत्याशी अमित रावत और भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह के बीच मुकाबला है। वार्ड 2 (सेंट पॉल हॉस्पिटल) से दो सगे भाई बहनों समेत चार प्रत्याशी मुकाबले में हैं। यहां कांग्रेस के चंद्रमोहन रावत, भाजपा की रेणू घिल्डियाल, भाजपा के बागी महेंद्र ध्यानी और सत्यनारायण वेदी के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला है। यहां रोचक बात यह है कि रेणू घिल्डियाल व महेंद्र ध्यानी सगे भाई बहन हैं। वार्ड 3 (बस अड्डा) से कांग्रेस की दीपिका मिंया और भाजपा की सुनीता देवी के बीच सीधा मुकाबला है। वहीं वार्ड चार (मल्ली सतपुली) से कांग्रेस की रिंकी रावत, भाजपा प्रत्याशी कांति देवी और निर्दलीय प्रत्याशी अनीता देवी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा।

## विज्ञान शिक्षक महेंद्र राणा नेशनल बेस्ट साइंस टीचर अवार्ड से सम्मानित

**कोटद्वार, एजेंसी।** द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत जीआईसी किनसुर के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता महेंद्र सिंह राणा को बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करने व विज्ञान के प्रचार प्रसार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए नेशनल बेस्ट साइंस टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। रमन साइंस एंड टेक्नोलॉजी एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय काउंसलिंग ऑफ यंग साइंटिस्ट की ओर से पांचवां भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी महोत्सव मध्य प्रदेश के मैकरो विजन अकादमी बुरहानपुर में शनिवार को आयोजित किया गया। इस विज्ञान महोत्सव में देश भर के बच्चों व शिक्षकों ने विज्ञान से संबंधित मॉडल, क्रिया विधि, क्विज आदि प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। महोत्सव में देशभर से चयनित पांच शिक्षकों को नेशनल बेस्ट साइंस टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि इसरो के पूर्व साइंटिस्ट और विभिन्न विज्ञान संबंधी संस्थाओं के वैज्ञानिकों ने जीआईसी किनसुर में कार्यरत भौतिक विज्ञान प्रवक्ता महेंद्र सिंह राणा को उक्त अवार्ड से सम्मानित किया। महेंद्र राणा अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर चुके हैं। इससे पूर्व वह उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार, उत्तराखंड गौरव रत्न, विज्ञान प्रसार सम्मान आदि प्राप्त कर चुके है। महेंद्र राणा ब्लॉक विज्ञान, राष्ट्रीय बाल विज्ञान, यूसर्क विज्ञान, विद्यार्थी विज्ञान मंथन समन्वयक राष्ट्रीय बाल गणित अकादमी उत्तराखंड निदेशक की जिम्मेदारी भी देख रहे हैं। खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह नेगी, प्रधानाचार्य गोपाल सिंह समेत समस्त स्टाफ ने उनकी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई है।

## कोटद्वार पौड़ी हाइवे पर सतपुली गुमखाल के बीच चौड़ीकरण कार्य शुरू

**सतपुली।** मेरठ पौड़ी हाईवे संख्या 534 पर सतपुली गुमखाल के बीच चौड़ीकरण का कार्य शुरू हो गया है। हाईवे के गुमखाल से सतपुली 175 किमी से 196 किमी तक के 21 किमी भाग के विस्तारीकरण व डबल लेन सड़क के निर्माण के लिए 452.81 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई है। सड़क चौड़ी होने के बाद हाईवे पर आवाजाही सुगम हो जाएगी।
सड़क चौड़ीकरण के लिए सतपुली से गुमखाल के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग डिवीजन, धुमाकोट द्वारा खड्ड साइड से 24 मीटर भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। मोटर मार्ग को डबल लेन (12 मीटर) ही बनाया जाएगा। एनएच खंड धुमाकोट के ईई अरुण कुमार ने बताया कि सड़क विस्तारीकरण का काम शुरू हो गया है।

## भालू... जंगल की तरफ न जाएं

**ऋषिकेश, एजेंसी।** रानीपोखरी न्याय पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत रैनापुर गांव में भालू दिखने पर वन विभाग ने गांव में अनाउंसमेंट कराते हुए चेतावनी जारी की है। वन विभाग ने कहा है कि कोई भी ग्रामीण जंगल की तरफ न जाएं। वहीं शाम ढलने से पहले ही अपने घरों को लौट आएं। रैनापुर में तीन दिन पहले कुछ ग्रामीणों को भालू दिखाई दिया। जिसकी सूचना बड़कोट वन रेंज के अधिकारियों को दी गई। रेंज अधिकारियों ने सूचना का संज्ञान लेते हुए गांव में चेतावनी संबंधी घोषणा करवाई। बड़कोट रेंजर धीरज रावत ने कहा कि रानीपोखरी के पहाड़ी क्षेत्रों में भालू आदि रहते हैं। जो कई बार भारी सर्दी के मौसम में निचले इलाकों की तरफ आ जाते हैं। इसलिए लोगों को चेतावनी जारी करते हुए अनाउंसमेंट करवाया गया।

## राष्ट्रीय खेलों की मशाल रैली मुनि की रेती पहुंची

**ऋषिकेश, एजेंसी।** राष्ट्रीय खेलों की मशाल प्रचार रैली मुनि की रेती पहुंची। यहां लोगों ने रैली के साथ फोटो खिचवाएं। जिला प्रशासन व खेल विभाग की ओर से रैली का आयोजन किया जा रहा है। रविवार शाम करीब चार बजे राष्ट्रीय खेलों की मशाल प्रचार व जागरूकता रैली मुनि की रेती पहुंची। टिहरी जनपद के जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक रावत ने बताया कि रैली में लोगों को राष्ट्रीय खेलों के बारे में जानकारी दी जा रही है। जो बच्चे राष्ट्रीय खेलों को देखना चाहते हैं उनका पंजीकरण भी किया जा रहा है। सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं। जिनमें लोग सेल्फी ले रहे हैं।

## भाजपा के जीतते ही भीमताल में होगा विकास : कमला

**भीमताल (नैनीताल), एजेंसी।** नगर पालिका भीमताल से अध्यक्ष पद पर भाजपा की प्रत्याशी कमला आर्या ने नगर क्षेत्र में लोगों के बीच जाकर अपना प्रचार प्रसार किया। शनिवार को वार्ड नंबर 3 बिलासपुर में कमला आर्या के लिए विधायक राम सिंह कैड़ा और जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने जनसभा की। विधायक और जिलाध्यक्ष ने कहा कि भीमताल से भाजपा की जीत होते ही विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी। लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। कमला ने कहा कि जीत हासिल करने के बाद पार्किंग, सीवर लाइन, जलभराव और रोडवेज स्टेशन की समस्या को हल किया जाएगा। इस दौरान बच्ची मेहता, कमल जोशी, मनोज भट्ट, नितिन राणा, नितेश बिष्ट, मदन गिरि, गौतम मटियाली, जया बोहरा, अनिल चनौतिया, पुष्कर मेहरा, मनोज दुर्गापाल, दिनेश सांगुड़ी, धन सिंह राणा, रवि कुमार आदि मौजूद रहे।

## पहाड़ो ठंडो पाणी और रंगीलो मेरो मुनस्यार, गाने पर थिरके युवा

**हल्द्वानी, एजेंसी।** पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच हीरानगर में उत्तरायणी महोत्सव की धूम मची है। शनिवार को धूप खिली तो मेला परिसर में लोगों की भारी भीड़ दिखी और खूब खरीदारी हुई। दिन में चित्रकला, आण-काथ प्रतियोगिता के अलावा कविता पाठ का आयोजन किया गया। देर शाम तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कुमाऊंनी लोकगायक कैलाश कुमार ने पहाड ठंडो पाणी, रंगीलो मेरो मुनस्यार, करमे की खानी आदि गीतों की प्रस्तुति दी। वहीं गायक राकेश पनेरू ने पतलोट की सुनीता, मेरी हिमुली, भौजी रंगीली आदि गीतों से समां बांध दिया। संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर, अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल, उपाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, सचिव देवेंद्र तोलिया, कोषाध्यक्ष त्रिलोक बनौली, आय-व्यय निरीक्षक कैलाश जोशी, बीडी पाठक, हेमंत सिंह बगडवाल, रत्ना श्रीवास्तव, बीडी पाठक, जगत सिंह बिष्ट, पवन चुफाल, जेएस बिष्ट, विजय सिजवाली, पीसी जोशी, केएम जोशी, भुवन पनेरू, पीसी जोशी, चंदन अधिकारी, मधु संगुड़ी, हयात सिंह रावत आदि मौजूद रहे। संचालन हितेश सुयाल ने किया।

आण-काथ प्रतियोगिता में हरिप्रिया बिष्ट पहले, पुष्पा जोशी दूसरे, वासुदेव ढोलगाई तीसरे स्थान पर रहे। कुमाऊंनी कविता पाठ में प्रेरणा अधिकारी प्रथम, दीक्षा परिहार दूसरे और प्राची तिवारी तीसरे स्थान पर रहीं। चित्रकला प्रतियोगिता शिशु वर्ग में हिमाद्री सोनाल, मानवी शर्मा, लतिका पांडे, बालिका वर्ग में हृदयांश जोशी, मैत्री पांडे, वान्या पांडे, किशोर वर्ग में विराट बिष्ट, अनन्या अग्रवाल, पाखी ढोकती क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। युवा वर्ग में चंदन सिंह प्रथम, समीक्षा कोहली दूसरे और कृतिका पडियार तीसरे स्थान पर रहीं।

## कार से आठ लाख रुपये उड़ाने वाले तक नहीं पहुंच सकी पुलिस

**रुद्रपुर, एजेंसी।** सवा महीने पहले एक कारोबारी की कार का शीशा तोड़कर आठ लाख रुपये की रकम को पश्चिम बंगाल के गवाला गैंग ने अंजाम दिया था। पुलिस इस गैंग को चिह्नित कर चुकी है, लेकिन अब तक तक बदमाश पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सके हैं।

बता दें कि बीते तीन दिसंबर को शिमला बहादुर रोड स्थित श्री राम बाजार में कार्यालय संचालित करने वाले विपिन त्यागी अपनी कार से विशाल मेगामार्ट स्थित एयरटेल ऑफिस में गए थे।

उन्होंने नैनीताल हाईवे किनारे अपनी कार खड़ी की थी। इसी बीच उनके परिचित सुनील शर्मा व उनकी पत्नी ललिता आईसीआईसीआई बैंक

से आठ लाख रुपये निकालकर एयरटेल ऑफिस में उनको देने आए थे। इसके बाद वे कार के पास गए थे और शर्मा दंपती ने विपिन को कार में रुपये दिए थे। विपिन ने अपनी कार में रुपये रख दिए थे और फिर से एयरटेल ऑफिस चले गए थे। थोड़ी देर बाद वे कार के पास आए तो सीधे हाथ का शीशा टूटा हुआ था और रुपये चोरी हो गए थे। पुलिस ने घटना के बाद 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले थे।

## किराना स्टोर में कूमल लगाकर सामान चुराया

**काशीपुर, एजेंसी।** आईटीआई थाना क्षेत्र के महुआखेड़ा गंज स्थित एक किराना स्टोर में कूमल लगाकर चोर लाखों रुपये का सामान और 50 हजार रुपये से अधिक की नकदी चोरी कर ले गए। पुलिस ने 10 दिन बाद घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

महुआखेड़ा गंज के अहरपुरा निवासी मोनिश अली पुत्र गालिब अली की थोक किराना की दुकान है। 31 दिसंबर 2024 को उसने दुकान बंद की थी। अगले दिन उसने दुकान खोली तो सामान बिखरा पड़ा मिला। छत की ममटी से दुकान में कूमल लगाकर घुसे चोर किराना स्टोर से सिगरेट के पैकेट, राशन आदि सामान चोरी कर ले गए।

## प्रधानमंत्री लखपति दीदी योजना से बढ़ाएं आय: सीडीओ

**नई टिहरी, एजेंसी।** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चयनित बैंक सखियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ, जिसमें समूह और प्रति व्यक्ति की आय बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री लखपति दीदी कार्यक्रम की जानकारी दी गई। कहा कि केंद्र और राज्य सरकार समूह से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए कार्यक्रम चला रही है, जिसका उन्हें लाभ लेना चाहिए। विकास भवन में आयोजित प्रशिक्षण का मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने समापन करते हुए सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बैंक सखियों को सीसीएल का उपयोग कर आजीविका संवर्धन पर जोर दिया। कहा कि समूह और प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री लखपति दीदी कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसका महिलाओं को लाभ लेना चाहिए। चंबा, [illegible] की चयनित बैंक सखियों को नेशनल रिसोर्स पर्सन जितेंद्र यादव ने राष्ट्रीय आजीविका ग्रामीण मिशन के उद्देश्यों की जानकारी दी। सामाजिक सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, आयुष्मान भारत नकद साख सीमा टर्म लोन आदि योजनाओं की जानकारी दी।

## प्राइवेट बस मालिकों को परमिट देने के विरोध में दिया ज्ञापन

**हल्द्वानी, एजेंसी।** उत्तराखंड रोडवेज संयुक्त मोर्चा ने दिल्ली रूट पर मनमाने ढंग से परमिट समाप्त करने के विरोध में हल्द्वानी डिपो के एआरएम को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा कि हल्द्वानी निगम प्रबंधन ने मनमाने ढंग से प्राइवेट बस मालिकों को लाभ पहुंचाने के लिए लाभकारी रूटों का परमिट सीएनजी बसों को दिया है। कहा कि निगम की कई बस को परमिट मुक्त कर कार्यशाला में खड़ा किया है। मामले में सदस्यों ने सात जनवरी को अवगत भी कराया था। बताया कि निगम प्रबंधन ने सहमति दी थी, लेकिन अब भी सीएनजी बसें दिल्ली रूट पर संचालित हो रही हैं।

साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि दो दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन दिया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में मीना जोशी, गौरव जोशी, सुरेंद्र रावत, अमित कुमार, जीवन चंद, गोविंद बल्लभ जोशी आदि मौजूद रहे।

## गढ़वाली टंकी और कोटद्वार टाइग्रेस की टीमें पहुंची सेमीफाइनल में

**कण्वघाटी, एजेंसी।** मकर सक्रांति गेंद मेला समिति किशनपुर की ओर से जीआईसी कण्वघाटी के खेल मैदान में चल रही प्रथम महिला टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन दो लीग मुकाबले खेले गए। पहले मैच में गढ़वाल टंकी और दूसरे मैच में कोटद्वार टाइग्रेस ने अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल ने प्रवेश कर लिया। उद्घाटन समिति के अध्यक्ष सौरभ ध्यानी और अनुसूया पांडे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। पहला मुकाबला कण्व भाबर और गढ़वाली टंकी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गढ़वाल टंकी की टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में चार विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए। सुनीता ने 25 गेंदों में धुआंधार 64 रन और सरिता ने 24 गेंदों में 28 रन बनाए। कण्वघाटी भाबर की ओर से खुशी और हंसिका ने 2-2 विकेट झटके। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी कण्व भाबर की टीम निर्धारित ओवर में 8 विकेट खोकर 68 रन ही बना सकी। गढ़वाल टंकी की ओर से अर्चना ने सर्वाधिक 3 विकेट झटके। दूसरा मुकाबला सिद्धबली रॉयल्स और कोटद्वार टाइग्रेस के मध्य खेला गया। सिद्धबली क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 79 रन बनाए। रीना जखमोला ने 24 गेंदों पर 37 रन बनाए। कोटद्वार टाइग्रेस की ओर से तनु ने 2 विकेट लिए। निर्धारित लक्ष्य पीछा करने उतरी कोटद्वार टाइग्रेस की टीम ने बिना विकेट खोए एक गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अंकों के आधार पर कण्व भाबर और सिद्धबली रॉयल पहले ही सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी हैं। रविवार को सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

## कराटे कोच दीपक की मेहनत ला रही रंग

**लोहाघाट, एजेंसी।** क्षेत्र के युवा कराटे कोच दीपक अधिकारी युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें खेलों से जोड़ने में जुटे हुए हैं। दीपक के सिखाए हुए 71 कराटे खिलाडी राज्य, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगियों में पदक झटक कर जिले व उत्तराखंड का नाम रोशन कर चुके हैं।

दीपक ने बताया कि वह वर्ष 2009 से क्षेत्र के बालक बालिकाओं को कराटे का प्रशिक्षण देकर दक्ष कर रहे हैं। कोच दीपक ने बताया कि 50 बच्चों ने राज्य स्तरीय, 13 बच्चों ने राष्ट्रीय और आठ बच्चों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं। मुख्यमंत्री उदीयमान उन्नयन खिलाड़ी योजना में भी 16 कराटे खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिन्हें सरकार की ओर से छात्रवृत्ति मिल रही है। दीपक ने बताया कि सेना में खेल कोटे से चार कराटे खिलाड़ियों का चयन हुआ है, इसमें एक लेफ्टिनेंट बालिका भी शामिल है। दीपक ने बताया कि वह सुबह दो घंटे और शाम को तीन घंटे बच्चों को गहन प्रशिक्षण देते हैं, इसकी बदौलत बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ने के साथ वह शारीरिक व मानसिक रूप से भी मजबूत बन रहे हैं।

## तीन महीने बीते लेकिन पूरी नहीं हुई जांच

**काशीपुर, एजेंसी।** तीन महीने बाद भी काशीपुर समेत चार ब्लॉकों के कई विद्यालयों में मिड-डे-मील समेत कई अनियमितताओं की जांच पूर्ण नहीं हो सकी है। विभागीय अधिकारी शीघ्र ही जांच पूर्ण कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजने की बात कर रहे हैं।

दो अक्तूबर 2024 को सुनील, अब्दुल गफ्फार, खेमपाल, रमेश सिंह, रुक्साना आदि ने डीईओ को शिकायती पत्र भेजा था। उन्होंने कहा था कि जसपुर के राप्रावि-राउप्रावि बाबरखेड़ा, सरबरखेड़ा, काशीपुर

में औझान, अल्ली खां, रेलवे टांडा, ढकिया गुलाबो, अजीतपुर, सुदामालाल, बाजपुर में गणेशपुर, शिवपुरी, बाजपुर प्रथम व द्वितीय, बाजपुर गांव, रमपुरा साकर, गदरपुर में कूल्हा, गूलरभोज में अनियमितताएं हैं। इन स्कूलों में मध्याह्न भोजन में निम्न श्रेणी की खाद्य पदार्थ का प्रयोग होने, अतिरिक्त पोषण मैन्यू के अनुसार नहीं बांटने, पर्याप्त फर्नीचर की व्यवस्था नहीं होने, शिक्षक शिक्षण कार्य के बजाय मोबाइल देखने आदि का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की थी। पत्र में खास बात यह है कि शिकायतकर्ताओं ने अपना पता, मोबाइल नंबर तक नहीं दर्शाया है। डीईओ ने संबंधित उप शिक्षाधिकारी को स्कूलों का औचक निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे लेकिन तीन माह बाद भी जांच पूर्ण नहीं हो सकी है।

विद्यालयों की जांच के लिए दो टीमें गठित की थीं। ब्लॉक के लगभग सभी स्कूलों की जांच हो चुकी है। एक स्कूल की जांच शेष है।

## भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने पर निवर्तमान पालिकाध्यक्ष समेत पांच पार्टी से निष्कासित

**चंपावत, एजेंसी।** नगर निकाय चुनाव में पार्टी से इतर जाकर काम करने वाले नेताओं को भाजपा ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इन सभी को प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की संस्तुति पर पार्टी ने छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। अब इनका पार्टी से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मल माहरा ने बताया कि जिन लोगों को पार्टी से निकाला गया है, उनमें चंपावत के निवर्तमान पालिकाध्यक्ष विजय वर्मा, उनकी पत्नी ममता वर्मा, लोहाघाट के पूर्व नपं अध्यक्ष भूपाल सिंह मेहता, बनबसा में अध्यक्ष के लिए चुनाव लड़ रहे दो बूथ अध्यक्षों सनी देवल, विजेंद्र कुमार शामिल हैं। बनबसा बूथ अध्यक्ष विजेंद्र कुमार भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस के चिह्न पर चुनाव लड़ रहे हैं तो सनी देवल निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

# विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर परिषद का दिल्ली विश्वविद्यालय में भव्य आयोजन

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व हिंदी परिषद तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान से विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के विषय ह्लहिंदी का वैश्विक परिदृश्य : विविध आयामह्ल पर विभिन्न विशेषज्ञ और विद्वानों ने अपने अनुभव साझा किए ' संगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता एवं पूर्व लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद श्री के.सी. त्यागी द्वारा की गई। संगोष्ठी मे विशिष्ट अतिथि के रूप मे राज्यसभा सांसद श्रीमती संगीता बलवंत, मुख्य वक्ता विश्व हिंदी परिषद के शैक्षणिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक प्रो॰ पुरनचंद टंडन की उपस्तिथि रही। संगोष्ठी का आरंभ मुख्य अतिथि के रूप में महामहिम राज्यपाल, हरियाणा श्री बंडारू दत्तात्रेय के लिखित संदेश से किया गया। वरिष्ठ नेता श्री के.सी त्यागी ने कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में हिंदी के आंदोलन में उनकी काफी भूमिका रही है। स्वाभिमानी भारत की भाषा हिंदी है और यह हमारे गौरव, पहचान, पूर्वजों, भावों और विचारों की भाषा है। श्रीमती संगीता बलवंत जी ने कहा कि हिंदी विश्व भर में बस रहे भारतवासियों की संस्कृतिक भाषा है, जिसकी लंबी ऐतिहासिक परंपरा है और यही हिंदी भाषा की शक्ति है जो विश्व के धरातल पर अपना स्थान दिन प्रतिदिन उच्च शिखर पर ले जा रही है और भाषा व्यक्ति के हृदय पर अभिव्यक्ति के लिए उगी हुई फसल है जिससे

प्रतिभा की भूख मिट सके, संस्कृति को पोषण मिल सके। विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ विपिन कुमार ने कहा कि परिषद के समर्पित प्रयास से हिंदी अब जल्द ही विश्व भाषा बनेगी। विश्व हिंदी परिषद के शैक्षणिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक प्रो॰ पुरनचंद टंडन ने कहा कि जब कोई भाषा नष्ट होती है तो उसकी संस्कृति विरासत भी नष्ट होती है। हिंदी ने विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है और प्रभावी भारतीयों का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। सोशल मीडिया ने भी हिंदी के प्रचार कार्य को शक्ति प्रदान की है और उन्होंने केबीसी का उदाहरण देते हुए कहा कि 12 बार कौन बनेगा करोड़पति सफल होना भी हिंदी के प्रचार प्रसार का एक प्रमाण है। इस संगोष्ठी में इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो॰ पूनम कुमरिया ने हिंदी भाषा के वैश्विक प्रासंगिकता तथा इसे सशक्त बनाने के तरीके पर अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने हिंदी को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर बल दिया उन्होंने जानकारी दी कि किस प्रकार उनके प्रयासों द्वारा उनकी महाविद्यालय की छात्राएं विदेशी विद्यार्थियों को हिंदी पढ़ाने का कार्य कर रही है और इस दिशा मे इनकी यह अनूठी पहल है। विश्व हिंदी परिषद के शैक्षणिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो॰ संध्या वात्स्यायन ने सभी हिंदी प्रेमियों का स्वागत किया उन्होंने बताया कि विश्व हिंदी परिषद पूरे देश में कार्यकारिणी विस्तार का कार्य करेगा और साथ ही विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में एक सशक्त कार्यकारिणी बनाई जाएगी। इस सुअवसर पर विश्व हिंदी परिषद के शेक्षणिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में प्रो॰ प्रदीप कुमार एवं प्रो॰ ममता और राष्ट्रीय महामंत्री प्रो॰ रामनारायण पटेल अंगवस्त्रम दे कर सम्मानित किया गया। दिल्ली प्रांत के संयोजक के रूप में प्रो॰ श्रीनिवास त्यागी, अध्यक्ष प्रो॰ हर्षबाला शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ प्रतिभा राणा एवं डॉ दीनदयाल और महामंत्री डॉ प्रीति तोमर को अंगवस्त्रम दे कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समन्वय विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ श्रवण कुमार ने किया। संगोष्ठी के अंत मे विभिन्न सम्मानों अतिथियों से नवाजा गया, विश्व हिंदी सेवा सम्मान श्री अवधेश कुमार सिंह, प्रख्यात लेखक एवं कवि को दिया गया, नोएडा इकाई से विश्व हिंदी परिषद के अध्यक्ष श्री कुसुमपाल सिंह को सम्मानित किया गया। नोएडा इकाई से विश्व हिंदी परिषद के महामंत्री श्री ब्रह्मदत्त शर्मा को हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए सम्मानित किया गया। हिरत के द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी के अंत मे विश्व हिंदी परिषद के शैक्षणिक प्रकोष्ठ के दिल्ली प्रान्त अध्यक्ष प्रो. हर्षवाला शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से समाप्त किया गया।

## संक्षिप्त खबरें

### खुद को संविधान से ऊपर समझते हैं केजरीवाल: सुधांशु

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किये जाने को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) तथा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है और कहा कि क्या वह (श्री केजरीवाल) संविधान से ऊपर हैं कि कैग की रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर नहीं रख रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को कैग की रिपोर्ट के मुद्दे पर पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुये आप पर निशाना साधा और कहा कि दिल्ली में मुख्यमंत्री हैं भी और नहीं भी हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में यहां अस्थायी मुख्यमंत्री और वास्तविक मुख्यमंत्री के बीच द्वंद्व है, जिसे लेकर जनता के मन में कई प्रश्न तो उठ ही रहे थे। अब प्रश्न संवैधानिक व्यवस्थाओं और कानूनी दृष्टिकोण से भी उठने लगे हैं। उन्होंने कहा कि आप नेता रोज एक सवाल खड़ा करते हैं, लेकिन दिल्ली सरकार कैग की रिपोर्ट को सदन के पटल नहीं रखती है। यह समझ से परे है कि आप सरकार कैग की रिपोर्ट को पर क्यों नहीं रख रही है? उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी के बाद भी आप सरकार कैग की रिपोर्ट को सदन में नहीं रख रही है। भाजपा नेता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने 11 जनवरी 2025 को कहा था कि कैग की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ह्यह्यइससे यह साफ है कि ये आर्थिक और राजनीति के साथ-साथ संवैधानिक आपदा भी है। आप सरकार अपने आय व्यय की समीक्षा को सार्वजनिक भी नहीं करना चाहती है।

### दिल्ली सरकार ने कैग रिपोर्ट विधानसभा में पेश करने से कदम पीछे खींचे: अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट विधानसभा के समक्ष पेश करने के मुद्दे पर अपने कदम पीछे खींच लिये, जिससे उसकी बातों पर संदेह उत्पन्न होता है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सरकार को कैग रिपोर्ट को चर्चा के लिए सदन के समक्ष तुरंत रखना चाहिए था। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, जिस तरह से आपने अपने कदम पीछे खींचे, उससे आपकी बातों पर संदेह उत्पन्न होता है। आपको तुरंत रिपोर्ट विधानसभाध्यक्ष को भेजनी चाहिए थी और सदन में इस पर चर्चा करानी चाहिए थी। देखिए, जिस तरह से आप अपने कदम पीछे खींच रहे हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता और भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अजय कुमार महावर, अभय वर्मा, अनिल कुमार बाजपेयी और जितेंद्र महाजन ने पिछले साल याचिका दायर करके विधानभाध्यक्ष को कैग रिपोर्ट पेश करने के लिए विधानसभा का सत्र बुलाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि विधानसभा सत्र बुलाना विधानसभाध्यक्ष का विशेषाधिकार है और सवाल किया कि क्या अदालत विधानसभाध्यक्ष को ऐसा करने का निर्देश दे सकती है, खासकर तब जब चुनाव नजदीक हों।

### दिल्ली हवाई अड्डे पर 1.41 करोड़ रुपये का सोना जब्त, आरोपी दंपति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर तस्करी कर लाया गया 1.41 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त कर इस सिलसिले में आरोपी दंपति को गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग के मुताबिक रविवार को बहरीन से आने के बाद दंपति को हवाई अड्डे पर रोक लिया गया। सीमा शुल्क विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने 1.5 किलोग्राम सोना (जिसकी कीमत 1.11 करोड़ रुपये है) बरामद किया।

# भाजपा धांधली और बेईमानी से दिल्ली का चुनाव लड़ना चाहती है, तीन बजे मुख्य चुनाव आयुक्त से करेंगे मुलाकात : केजरीवाल

**भाजपा के कई सांसदों के सरकारी बंगले के पते से 30-40 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है, जबकि पहले यहां पर 2 से 4 वोट ही थे। अचानक इतने वोट कैसे बढ़ गए? भाजपा के इस वोट घोटाले में स्थानीय डीएम भी शामिल हैं। वह आए आवेदनों को सही बता रहे हैं। इसका मतलब है कि वह भी इन लोगों का वोट बनाने का मन बना चुके हैं। अरविंद केजरीवाल के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा भी चुनाव आयोग से मिलने जाएंगे।**

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा द्वारा किए जा रहे वोट घोटाले पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा धांधली करके और बेईमानी से दिल्ली का चुनाव लड़ना चाहती है। इस मुद्दे पर हम दोपहर तीन बजे मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात करेंगे। भाजपा के कई सांसदों के सरकारी बंगले के पते से 30-40 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है, जबकि पहले यहां पर 2 से 4 वोट ही थे। अचानक इतने वोट कैसे बढ़ गए? भाजपा के इस वोट घोटाले में स्थानीय डीएम भी शामिल हैं। वह आए आवेदनों को सही बता रहे हैं। इसका मतलब है कि वह भी इन लोगों का वोट बनाने का मन बना चुके हैं। अरविंद केजरीवाल के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा भी चुनाव आयोग से मिलने जाएंगे। पार्टी मुख्यालय में सोमवार को प्रेसवार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज मैं, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा दोपहर तीन बजे चुनाव आयोग से जाकर मिलेंगे। हमारे दो मुद्दे हैं। पहला, पटपड़गंज से हमारे उम्मीदवार अवध कुमार ओझा का वोट ग्रेटर नोएडा में बना हुआ था। उन्होंने दिल्ली में वोट बनवाने के लिए 26 दिसंबर को फॉर्म 6 भरकर आवेदन दिया था। लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं आया। किसी ने उनसे कहा कि क्योंकि उनका ग्रेटर नोएडा में वोट बना हुआ है तो उन्हें वोट ट्रांसफर के लिए फॉर्म 6 नहीं, फॉर्म 8 भरना पड़ेगा। इसलिए उन्होंने 7 जनवरी को फॉर्म 8 भर दिया। कानून के मुताबिक, फॉर्म 8 भरने की 7 जनवरी आखिरी तारीख थी। इलेक्शन कमीशन के मैनुअल यह

कहते हैं कि नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले तक फॉर्म 6, फॉर्म 7, फॉर्म 8 भरे जा सकते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की निर्वाचन अधिकारी ने एक आदेश निकालकर कहा है कि फॉर्म 8 भरने की 7 जनवरी आखिरी तारीख है। लेकिन रहस्यमय ढंग से एक दिन बाद उन्होंने दोबारा आदेश निकालकर कहा कि 6 जनवरी आखिरी तारीख है। यह दूसरा आदेश क्यों निकाला गया? यह कानून के खिलाफ है। यह चुनाव आयोग की गाइडलाइंस और मैनुअल के खिलाफ है। गाइडलाइंस और मैनुअल यह कहता है कि नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले तक फॉर्म 8 स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन की अंतिम तारीख 17 जनवरी के हिसाब से 10 दिन पहले की तारीख 7 जनवरी है। 7 जनवरी आखिरी तारीख होनी चाहिए। निर्वाचन अधिकारी ने भी आदेश निकाला था कि 7 जनवरी आखिरी तारीख होगी। लेकिन फिर अचानक से ऐसा प्रतीत होता है कि पीठ पीछे कुछ हुआ है। अचानक से यह आदेश आता है कि 7 जनवरी नहीं 6 जनवरी आखिरी तारीख मानी जाएगा। 24 घंटे के अंदर ही आदेश पलट दिया जाता है। क्या यह आदेश जानबूझकर अवध ओझा को चुनाव से बाहर करने के लिए निकाला गया?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव आयोग का मैनुअल कहता है कि अगर कोई फॉर्म 8 यानि वोट ट्रांसफर कराने की एप्लिकेशन आखिरी तारीख के बाद भी आती है तो चुनाव आयोग उस पर गौर कर सकता है। लेकिन हमारे लिए यह उम्मीदवार के उम्मीदवारी का सवाल है और इसमें किसी भी तरह की कोई गड़बड़ नहीं है। अवध ओझा का वोट ग्रेटर नोएडा से दिल्ली ट्रांसफर होना है। इसलिए आज हम मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलेंगे और उनसे निवेदन करेंगे कि अवध ओझा के वोट को ट्रांसफर कराया जाए ताकि वह अपना नॉमिनेशन फाइल कर सकें। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि हमारा दूसरा मुद्दा है कि नई दिल्ली विधानसभा के अंदर भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा, सीपी जोशी, कमलेश पासवान, पंकज चौधरी, जय प्रकाश, रेबती, ज्योतिर्मय महतो समेत कई सांसदों के घर से 30-40 नए वोट बनने के लिए एप्लिकेशन गई हुई है। यह बहुत रहस्यमयी है। मुझे एक पत्रकार ने बताया कि उन्होंने स्थानीय डीएम से पूछा कि वह इस मामले पर क्या कर रहे हैं? इस पर डीएम ने जवाब दिया कि सांसद के घर में माली, नौकर भी होते हैं। इसका मतलब है कि स्थानीय डीएम मन बना चुका है कि इस खेल में वह भी शामिल है। प्रवेश वर्मा अपने मौजूदा पते पर 11 साल से रह रहे हैं तो क्या वह 11 साल से वह बिना नौकर, माली और रसोइएं के काम चला रहे थे? उस पते पर तब 3 वोट बने हुए थे। वह 3 वोट से काम चला रहे थे। अब अचानक 15 दिन में उन्हें सारे रसोइएं और माली याद आ गए। यह क्या है? इसमें चुनाव आयोग भी मिला हुआ है। भाजपा भी मिली हुई है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर सांसदों के घरों से 30-40 वोट 10-15 दिन पहले बनने शुरू हो जाएंगे और स्थानीय डीएम उसका जस्टिफिकेशन देगा तो चुनाव की प्रक्रिया में पवित्रता कहां बच गई? फिर चुनाव करवा क्यों रहे हो? घोषित कर दो भाजपा जीत गई और अब देश के अंदर तानाशाही होगी। हम यह किसी भी हालत में नहीं होने देंगे। ये हरियाणा, महाराष्ट्र जैसे मर्जी जीते होंगे लेकिन दिल्ली की जनता भाजपा का यह फजीर्वाड़ा स्वीकार नहीं करेगी। यह भाजपा की धांधली चल रही है। यह दिल्ली के लोग किसी भी हालत में नहीं होने देंगे। अभी हमें समय नहीं मिल पाया है क्योंकि हमने कल रात को ही निवेदन भेजा है। हम चुनाव आयोग के शुक्रगुजार हैं कि जब भी हमने उनसे वक्त मांगा उन्होंने हमें वक्त दिया। यह मामला अति आवश्यक है। अगर तुरंत अवध ओझा के वोट का ट्रांसफर नहीं हुआ तो वह नॉमिनेशन पेपर नहीं भर पाएंगे। अगर इनके साथ स्थानीय डीएम मिला हुआ है और उसने सारे वोट जोड़ दिए तो उन्हें रिजेक्ट कराना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि अब आखिरी तारीख खत्म हो चुकी है।

# लोहड़ी पर 'आप' ने दिल्ली दा पुत्त केजरीवाल नाम से जारी किया गाना

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने लोहड़ी त्यौहार के मद्देनजर नया गाना जारी किया है। पंजाबी भाषा में बनाया गया यह स्पेशल गाना आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को केंदित है। गाने की बोल ह्यदिल्ली दा पुत्त केजरीवालह्ल है। इस गाने के जरिए दिल्ली की जनता से अपील की गई है कि इस बार भी दिल्ली के बेटे अरविंद केजरीवाल को चुनिए, ताकि पहले से चल रही जनहितकारी योजनाएं जारी रहें और अरविंद केजरीवाल की दी गई गारंटी को लागू किया जा सके।

लोहड़ी त्यौहार के मौके पर आम आदमी पार्टी ने अपना नया स्पेशल सॉन्ग लॉन्च किया है, जिसका टाइटल ह्यदिल्ली दा पुत्त केजरीवालह्ल है। आम आदमी पार्टी ने इस स्पेशल गाने में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए कामों का जिक्र किया है और अरविंद केजरीवाल की नीतियों को जनता के बीच में और भी मजबूती से पेश करने की कोशिश की गई है। यह गाना अरविंद केजरीवाल के सपनों को दशार्ता है, जो दिल्ली के विकास के लिए काम कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने इस पंजाबी गाने को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया है, जो खूब वायरल हो रहा है। इस गाने में अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली की जनता को दी जा रही मुफ्त बिजली, पानी, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा समेत अन्य कामों का जिक्र किया गया है।

साथ ही यह भी बताया गया है कि चुनाव बाद अरविंद केजरीवाल की सरकार बनती है तो महिला सम्मान योजना के तहत सभी महिलाओं को 2100 रुपए हर महीने उनके खाते में डाला जाएगा। साथ ही संजीवनी योजना को भी लागू किया जाएगा। इस योजना के तहत 60 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों के इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। पार्टी ने गाने को साझा करते हुए दिल्ली की जनता को इस बार भी अरविंद केजरीवाल की सरकार बनाने की अपील की है।

# पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी : समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी

**इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के फरीदाबाद अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी नें कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।**

प्रात: किरण/ एजेंसी

फरीदाबाद। शहर के पत्रकारों व समाजसेवियों ने बीके चौक पर रविवार के रात्रि में विशाल कैंडल मार्च निकालकर बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के विरोध में हत्यारों को फांसी देने की मांग की। इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के फरीदाबाद अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी नें कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और इस घटना ने राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए। स्वतंत्र पत्रकार मुकेश की हत्या से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। शहर के समाजसेवियों ने बैनर के साथ और कैंडल जला कर विरोध मार्च किया और नारे लगाए और मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि दी गई। मुकेश चंद्राकर के हत्यारे को फांसी दो, पत्रकार एकता जिंदाबाद जैसे नारे लगाए। श्री तिवारी ने कहा की यह विरोध प्रदर्शन पत्रकारों के खिलाफ बढ़ते हमलों के प्रति गहरी चिंता का प्रतीक है। फरीदाबाद के बीके चौक पर पर पहुंचने के बाद पत्रकारों और समजसेवियो ने मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कैंडल जलाए। फरीदाबाद के समाजसेवियों ने एक शुरू में सभी ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए कठोर से कठोर सजा दोषियों को देने की मांग की है। इस मौके मौके पर शालू तंवर, निश्चिंत शर्मा, अभय गिरी, हरकुलीश पांडेय, बबलू सैनी, चंदन, मधुबाला, रविंद्र कुमार, अमित चौहान, अमरेंद्र व समाजसेवी महेंद्र गहलवात, शुस्मिता भौमिक, सुधा देवी, नवीन ग्रोवर, हेमेंद्र कुमार शर्मा, आशीष आदि दर्जनों भर से ज्यादा लोग मौजुद रहे।

# नई दिल्ली विधानसभा में भाजपा की धांधली जारी, चुनाव आयोग से मिल गड़बड़ी में शामिल डीएम को तुरंत हटाने की मांग : केजरीवाल

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र मे भाजपा द्वारा की जा रही धांधली को रोकने और पटपड़गंज से प्रत्याशी अवध ओझा का वोट दिल्ली में शिफ्ट करने का आदेश देने की मांग को लेकर चुनाव आयोग से मुलाकात की। उन्होंने चुनाव आयोग को दोनों ही मुद्दों को विस्तार से बताया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में भाजपा की धांधली जारी है। हमने चुनाव आयोग से इस गड़बड़ी में शामिल स्थानीय डीएम को तुरंत हटाने की मांग की है। भाजपा फर्जी वोट बनवाने के साथ ही पैसे, चादरें और चश्मे बांटने का खेल भी डीएम की मिलीभगत से कर रही है। चुनाव आयोग ने हमें एक-एक वोट की गहन छानबीन करने और किसी भी हाल में फर्जी वोट नहीं बनने देने का आश्वासन दिया है। चुनाव आयोग से मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से सुबह ही टाइम मांगा था। उन्होंने इतनी शॉर्ट नोटिस पर हमें मिलने के लिए बुलाया, इसके लिए हम चुनाव आयोग का शुक्रिया अदा करते हैं। एक अच्छी खबर यह है कि चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी से पटपड़गंज विधानसभा के उम्मीदवार अवध ओझा के वोटर आईडी को दिल्ली में शिफ्ट करने के आदेश दे दिए हैं।

अब उनका वोट दिल्ली में बन जाएगा और वह अपना नामांकन दाखिल कर पाएंगे। इसके लिए भी मैं चुनाव आयोग का शुक्रिया अदा करता हूं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने चुनाव आयोग को बताया कि किस तरह नई दिल्ली विधानसभा में पिछले 15 दिनों के अंदर बीजेपी के एक-एक सांसद के यहां 30 से 40 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है। चुनाव आयुक्त ने हमें आश्वासन दिया है कि किसी भी हाल में एक भी गलत वोट नहीं बनने दिया जाएगा और एक-एक वोट की गहरी छानबीन करके ही कोई एक्शन लिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि नई दिल्ली विधानसभा के अंदर भाजपा का उम्मीदवार खुलेआम चादरें बांट रहा है।

रविवार को किदवई नगर में चादरें बंटी हैं। एक दूसरी कॉलोनी के अंदर जूते बांटे गए हैं। एक कॉलोनी में जैकेट बांटी गई हैं। पैसे और चश्मे बांटे जा रहे हैं। जिस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास स्थानीय डीएम की रिपोर्ट आई है। उस रिपोर्ट के अनुसार ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। इस पर हमने चुनाव आयोग से कहा कि इससे साफ जाहिर है कि स्थानीय डीएम भी मिला हुआ है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चादरों के ट्रक आ रहे हैं। खुलेआम दोपहर में चादरें बंट रही हैं और पूरी दुनिया को दिखाई दे रहा है लेकिन डीएम को दिखाई नहीं दे रहा है। इससे साफ जाहिर है कि डीएम भी मिला हुआ है।

# भाजपा के केंद्रीय मंत्री स्वीकार चुके हैं दिल्ली में रोहिंग्या बसाने की बात, आप को मिल चुकी है दिल्ली पुलिस की क्लीन चिट : संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को बदनाम करने की साजिश कर रही भाजपा पर वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने सोमवार को तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी खुद स्वीकार चुके हैं कि उनकी केंद्र सरकार ने रोहिंग्याओं को दिल्ली के बक्करवाला में बसाया है। फिर भी भाजपा आप के नेताओं पर झूठे आरोप लगा रही है। जबकि दिल्ली पुलिस भी क्लीन चिट दे चुकी है कि बांग्लादेशियों से आप का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशियों का आधार कार्ड बनाने के मामले में पुलिस ने आप विधायक महेंद्र गोयल को आरोपी नहीं, गवाह के तौर पर नोटिस दिया है। इस मामले में भाजपा के नेता स्मृति ईरानी और सुधांशु त्रिवेदी ने महेंद्र गोयल और जय भगवान पर झूठा आरोप लगाया है। दोनों के खिलाफ मानहानि का केस किया जाएगा। पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय

सिंह ने कहा कि देश में 10 साल 8 महीने से प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विदेश मंत्री भाजपा का है और पूरे देश में भाजपा के लोगों ने बांग्लादेशियों को बसाने का काम किया है। पूरे देश के अंदर 10 साल, 8 महीने से लगातार भाजपा ने सिर्फ अपने चुनावी फायदे के लिए सीमा की सुरक्षा को तार-तार करके बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं का बसाने का काम किया है। भाजपा ने भारत माता को धोखा दिया है। राष्ट्र के साथ गद्दारी की है। मैं प्रधानमंत्री मोदी से पूछना चाहता हूं कि आज जो राज्य बांग्लादेश की सीमा पर लगते हैं, उन राज्यों की सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? अमित शाह की है।

**घोषणा** — आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा से ठगे जाने से नाराज है जाट समाज, सोमवार को जाट समाज का प्रतिनिधि अरविंद केजरीवाल से मिला

# दिल्ली के जाट समाज को केंद्र की आरक्षण सूची में शामिल ना करना अन्याय, आम आदमी पार्टी जाट समाज की इस जायज मांग के साथ है : केजरीवाल

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 10 सालों से आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा द्वारा ठगे जाने से नाराज जाट समाज का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली के जाट समाज को केंद्र की ओबीसी लिस्ट में शामिल करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखने के लिए अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद किया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के जाट समाज को केंद्र की आरक्षण सूची में शामिल ना करना अन्याय है। आम आदमी पार्टी जाट समाज की इस जायज मांग के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री और भाजपा नेताओं को बताना चाहिए कि दिल्ली के जाट समाज को ओबीसी लिस्ट में कब शामिल किया जाएगा? वहीं, अंतर्राष्ट्रीय दूहन खाप के प्रधान सतपाल सिंह दूहन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की बात को लोग पत्थर की लकीर मानते हैं। वह जो कहते हैं, उसे करते हैं। इस अवसर पर आप के वरिष्ठ नेता सुशील गुप्ता व अनुराग ढांडा समेत दर्जनों जाट समाज के लोग मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि जाट समाज के कई प्रतिनिधि मुझे धन्यवाद देने के लिए मेरे घर पर आए थे। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर याद दिलाया था कि 2015 में प्रधानमंत्री ने जाट समाज को केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में शामिल करने का आश्वासन दिया था। अभी दिल्ली का जाट समाज दिल्ली सरकार में ओबीसी की कैटेगिरी में आता है लेकिन केंद्र की ओबीसी की लिस्ट में नहीं आता है। हमने प्रधानमंत्री से दिल्ली के जाट समाज केंद्र की ओबीसी लिस्ट में भी डालने का अनुरोध किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के किसी भी कॉलेज में राजस्थान

के जाट समाज को आरक्षण मिलता है लेकिन दिल्ली के जाट समाज को नहीं मिलता है। क्योंकि राजस्थान का जाट समाज केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में शामिल है, लेकिन दिल्ली का जाट नहीं शामिल है। इससे बड़ी विसंगति व अन्याय और क्या हो सकता है। दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के सभी संस्थानों एम्स, सफदरजंग, एनडीएमसी और डीडीए में राजस्थान के जाट समाज को आरक्षण मिलता है लेकिन दिल्ली के जाट समाज को नहीं मिलता है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के जाट समाज को आरक्षण देने के लिए 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाट समाज को आश्वासन दिया था। उसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी 2017, 2019 और 2022 में आश्वासन दिया था। यह बहुत दुखद बात है कि देश के सबसे बड़े नेताओं ने अपना आश्वासन पूरा नहीं किया। भाजपा वाले मुझे खूब गालियां देते रहते हैं। मुझे उनकी गालियों से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन वह मुझे इसका जवाब दे दें कि दिल्ली के जाट समाज को केंद्र की ओबीसी लिस्ट में कब डाला जाएगा। इस चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री समय-समय पर दिल्ली आएँगे और भाषण देंगे। वह इस बात का जवाब दे दें कि जो उन्होंने 2015 और उनके गृह मंत्री ने 2017, 2019 और 2022 में जाट समाज को केंद्र की ओबीसी लिस्ट में डालने का आश्वासन दिया था, उसे कब पूरा करेंगे? अंतर्राष्ट्रीय दूहन खाप के प्रधान सतपाल सिंह दूहन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल से बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में बात हुई। 2004 से हम केंद्र की ओबीसी सूची में जाट समाज को शामिल करने की मांग उठा रहे हैं। इस बीच कई सरकारें आईं और गईं। जाट समाज को ओबीसी में आरक्षण देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी आश्वासन दिया था लेकिन आश्वासन पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के मुंह से निकला हुआ एक-एक शब्द पत्थर की लकीर होता है। उन्होंने दिल्ली की जनता से वादे किए थे जिन्हें पूरा किया। जनता ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया। उन्होंने कभी जाति-धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया और पूरी दिल्ली की जनता के हित को ध्यान में रखते हुए काम किया। आज हमारे समाज की खाप सरदारी बड़े शॉर्ट नोटिस पर उनसे मिलने के लिए पहुंची थी। अरविंद केजरीवाल की बात को लोग पत्थर की लकीर मानते हैं। वो जो कहते हैं उसे करते हैं। कई प्रधानमंत्री बदले, सरकारें बदलीं, राज्य की सरकारें भी बदलीं, लेकिन किसी ने हमारी कौम के हित में कदम नहीं उठाया। अरविंद केजरीवाल ने जाट समाज के लोगों को और हमारी पूरी खाप सरदारी को यह आश्वस्त किया है कि मेरी सरकार बने या न बने, आप वोट देना या मत देना, लेकिन मैं जाट समाज की लड़ाई को मरते दम तक लड़ता रहूंगा और आपके संघर्ष में आपके साथ खड़ा रहूंगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 14 जनवरी, 2025



# दिल्ली चुनाव : विकासपुरी सीट पर 'आप' बरकरार रखना चाहेगी जीत की लय, भाजपा बिगाड़ सकती है खेल

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख के ऐलान के बाद से ही सभी प्रमुख दल चुनाव प्रचार में जोर-शोर से लगे हैं। आम आदमी पार्टी एक बार फिर सत्ता हासिल करने का प्रयास कर रही है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लंबे इंतजार के बाद दिल्ली विधानसभा में जीत का डंका बजाने की ताक में है। इस चुनाव में मतदाता संख्या के हिसाब से सबसे बड़ी सीट विकासपुरी महत्वपूर्ण है। पश्चिमी दिल्ली में स्थित विकासपुरी एक पॉश रिहायशी इलाके के रूप में जाना जाता है। विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र 2008 में परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया था। यह पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। साल 2020 में विकासपुरी में कुल 55.95 प्रतिशत मतदान हुआ था। आप के महेंद्र यादव ने 1,33,898 वोट हासिल कर दर्ज की

थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संजय सिंह को 91,840 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार मुकेश शर्मा को 8,319 वोट मिले थे। साल 2013 और 2015 के बाद विकासपुरी सीट से आप उम्मीदवार महेंद्र यादव की यह लगातार तीसरी जीत थी। पार्टी ने एक बार फिर उन्हें टिकट दिया है।\

वहीं, भाजपा ने उनके खिलाफ डॉ. पंकज कुमार सिंह को मैदान में उतारा है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी इस सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। एक अनुमान के अनुसार, विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में सिख मतदाता हैं। यहां मुस्लिम मतदाता लगभग 7.7 फीसदी, यादव 1.9 फीसदी और ईसाई लगभग 0.5 फीसदी हैं। ऐसे में इस सीट पर भाजपा सिख और मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने का पूरा प्रयास कर रही है ताकि आप के कब्जे से इस सीट को जीत सके। विकासपुरी विधानसभा में मतदाताओं की कुल संख्या चार लाख 62 हजार से अधिक है। यहां 2,47,575 पुरुष मतदाता, 2,14,555 महिला मतदाता और 54 थर्ड जेंडर वोटर हैं। यहां कुल वोटरों की संख्या 4,62,184 जो दिल्ली की सभी विधानसभाओं में सबसे ज्यादा है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को एक चरण में होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक 83,49,645 पुरुष, 71,73,952 महिला और 1,261 थर्ड जेंडर को मिलाकर कुल 1.55 करोड़ से अधिक मतदाता अपने बहुमूल्य अधिकार का प्रयोग करेंगे। मतगणना 8 फरवरी को होगी।

## संक्षिप्त खबरें

### जेल रोड आईटीआई में 5700 पोलिंग स्टाफ की ट्रेनिंग

नई दिल्ली। दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा तैयारी जोर शोर से चल रही है। इसी तैयारी के तहत पश्चिमी जिला निर्वाचन क्षेत्र में ट्रेनिंग की शुरूआत की गई है। पश्चिमी दिल्ली के हरीनगर स्थित आईटीआई में रविवार को दो पाली में ट्रेनिंग करवाया गया। पश्चिमी जिला अधिकारी डॉ. किन्नी सिंह की अगुवाई में नोडल ऑफिसर ट्रैनिंग के साथ मास्टर ट्रैनर विपुल जैन और सागर प्रसाद द्वारा लगभग 5700 पोलिंग स्टाफ को दो चरणों में चुनाव प्रक्रिया संबंधी विस्तार पूर्वक ट्रैनिंग दी गई। डीएम ने बताया कि अभी तक पोलिंग स्टाफ को 08 ट्रेनिंग दी जा चुकी है। जिनके अंतर्गत ईवीएम संबंधी जानकारी, माक पॉल इत्यादि की तकनीकी ट्रैनिंग दी जा चुकी है। साथ ही स्टैचुटोरी फॉर्म संबंधी जानकारी के साथ-साथ पोलिंग स्टाफ को उनकी ड्यूटी के बारे में उन्हें अवगत कराया गया। ट्रैनिंग का प्रथम सत्र दोपहर से पहले और दूसरा सत्र दोपहर दो बजे से शाम तक निर्धारित की गई थी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. किन्नी सिंह ने यह भी बताया कि पोलिंग स्टाफ की ट्रैनिंग के लिए मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। जिनमें टीवी स्क्रीन, एलईडी वाल, डॉक्टर, एम्बुलेंस और फर्स्ट ऐड की व्यवस्था की गई थी।

मुंबई से कड़ाके की सर्दी में एक्ट्रेस सारा अली खान पहुंची दिल्ली

### स्कूली बच्चों के साथ मिलकर किया डांस, उनमें भरा जोश

नई दिल्ली। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान पश्चिमी दिल्ली के डाबड़ी स्थित एक स्कूल में पहुंची। कड़ाके की ठंड के बीच शनिवार देर शाम पहुंची सारा अली खान ने ठंड में इंतजार कर रहे स्कूली बच्चों और उनके पेरेंट्स में जोश भर दिया। उन्होंने एक फिल्मी सॉन्ग ह्ल तेरे वास्ते फलक से मैं चांद तारे लाऊंगा, सोलह सत्रह सितारे बांध लाऊंगाह्न पर डांस करके वहां लोगों को, बच्चों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जिंदल पब्लिक स्कूल के प्रेसिडेंट प्रतीक जिंदल ने बताया कि फिल्मी एक्ट्रेस सारा अली खान वार्षिक महोत्सव के अवसर पर यहां पहुंची थी। उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर द्वारका के स्थानीय विधायक विनय मिश्रा भी पहुंचे और उन्होंने बच्चों की हौसला अफजाई की।इस अवसर पर बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें रॉयल सांगा कि जब प्रस्तुति बच्चों ने की तो वहां उपस्थित लोग मंत्र मुक्त हो गए। वहीं जब ऐतिहासिक राजसी कथा का संचालन किया गया तो उपस्थित लोग भाव विभोर हो गए और सबने खड़े होकर करतल ध्वनि से अभिवादन किया।

### द्वारका पुलिस निर्भीक बॉक्स से सॉल्व कर रही बच्चों की शिकायत

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों छोटे-छोटे बच्चों में सुरक्षा की भावना को बढ़ाने और उनके साथ होने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए निर्भीक बॉक्स अभियान के तहत स्कूलों में लगाए गए बॉक्स से बच्चों की समस्या दूर कर रही है। द्वारका जिला में 401 स्कूलों में यह बॉक्स लगाए जा चुके हैं। हर स्कूल में लगे इस बॉक्स में लॉक लगा होता है। जिसको खोलने की जिम्मेदारी संबंधित थाना के महिला थानेदार की ही होती है। सप्ताह में एक दिन वह इस बॉक्स को खोलती हैं, जो भी शिकायत किसी भी स्टूडेंट के द्वारा की जाती है, उसका वह अपने स्तर से निवारण करती हैं। काफी मामलों में स्कूल के प्रिंसिपल से मिलकर भी बच्चों की शिकायत का समाधान हो जाता है। जिस मामले में कानूनी कारवाई की जरूरत की जाती है, उसमें एक्शन भी लिया जाता है। इसी के तहत कुछ अरसा पहले छावला थाना में पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके आरोपी को पकड़ा गया था।

### आप प्रतिनिधिमंडल ईसी अधिकारियों से मिलकर अवध ओझा के वोट स्थानांतरण का मुद्दा उठाएगा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को अपराह्न तीन बजे निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मिलकर पटपड़गंज से पार्टी उम्मीदवार अवध ओझा का वोट ग्रेटर नोएडा से दिल्ली स्थानांतरित करने का मुद्दा उठाएगा। केजरीवाल ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक जरूरी मुद्दा है क्योंकि ओझा की उम्मीदवारी उनके वोट के दिल्ली में स्थानांतरित होने पर निर्भर है ताकि वह नामांकन पत्र दाखिल कर सकें। आप प्रमुख ने दावा किया कि ओझा ने ग्रेटर नोएडा से दिल्ली में वोट स्थानांतरित करने के लिए सात जनवरी को अपना फार्म आठ दाखिल किया था। सात जनवरी वोट स्थानांतरित करने के लिए फॉर्म आठ जमा करने की अंतिम तिथि थी, लेकिन दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक आदेश के जरिए अंतिम तिथि को बदलकर छह जनवरी कर दिया। उन्होंने कहा, यह कानून के विरुद्ध है और संदेह जताया कि इस कदम का उद्देश्य ओझा को चुनाव लड़ने से जानबूझकर रोकना है।

# सीएम आतिशी की नामांकन रैली में उमड़ा जन सैलाब, जनता ने दिया जीत का आशीवाद

**मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह सिर्फ एक चुनाव नहीं है, बल्कि दिल्ली के हर परिवार की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए हमारी साझा लड़ाई है। आतिशी ने अपने साहस और नेतृत्व से यह दिखाया है कि राजनीति सिर्फ सत्ता का खेल नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। यह यात्रा हर उस बेटी और बहन के लिए प्रेरणा है जो बदलाव लाना चाहती है।**

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कालकाजी विधानसभा से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को नामांकन रैली की। इससे पहले उन्होंने कालकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और गिरी नगर गुरुद्वारा में मत्था टेका। इसके बाद वरिष्ठ नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ करीब डेढ़ किमी का मेगा रोड शो किया, जो आनंद माई मार्ग पर खत्म हुआ। इस रैली में भारी जन सैलाब उमड़ पड़ा। रैली में कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से बड़ी तादात में लोग शामिल हुए और उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह सिर्फ एक चुनाव नहीं है, बल्कि दिल्ली के हर परिवार की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए हमारी साझा लड़ाई है। आतिशी ने अपने साहस और नेतृत्व से यह दिखाया है कि राजनीति सिर्फ सत्ता का खेल नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। यह यात्रा हर उस बेटी और बहन के लिए प्रेरणा है जो बदलाव लाना चाहती है। नामांकन रैली के दौरान मीडिया से बात करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए मुझे जो 40 लाख रुपए चाहिए थे, वो दिल्ली और देशभर से करीब 350 लोगों ने डोनेट कर दिए हैं। जंगपुरा विधानसभा से चुनाव लड़ने के लिए जो पैसे चाहिए थे, वो पूरे हो गए हैं। मैं दिल्ली और देश के लोगों से अपील करता हूं कि कालकाजी विधानसभा से चुनाव लड़ने के लिए आतिशी को भी दिल खोलकर दान दें। इसके अलावा चुनाव में आम आदमी पार्टी को और भी पैसों की जरूरत पड़ेगी तो लोग उसे भी दान दें। भाजपा के नेताओं के पते पर बनाए जा रहे फर्जी वोट को लेकर मनीष सिसोदिया ने कहा कि सोचने वाली बात है कि नई दिल्ली विधानसभा में 15 दिनों के अंदर अचानक 13 हजार वोटर एप्लीकेंट कहां से आ गए ? 100-200 वोट बनना सामान्य बात है, लेकिन 15 दिनों में 13 हजार नए वोट बनाने की एप्लीकेशन आने से साफ है कि बड़ी धांधली हो रही है। वहीं, झुग्गियों से जुड़े सवाल पर मनीष सिसोदिया ने

कहा कि अरविंद केजरीवाल झुग्गियां तोड़ने से रोकते हैं और भाजपा झुग्गियां तुड़वाती है। भाजपा झुग्गियों की जमीन अपने दोस्तों को देना चाहती है ताकि वे वहां मॉल बनवा सकें या उसे कमर्शियल उपयोग में ला सकें। भाजपा जहां जाती है, वहां झुग्गियां तोड़ती है।

वहीं, कालकाजी मंदिर में दर्शन करने के उपरांत सीएम आतिशी ने कहा कि मैंने कालका माता से प्रर्थना की कि उनका आशीर्वाद कालकाजी और दिल्ली के लोगों पर बना रहे। मेरी कालकाजी विधानसभा कालका माई के नाम से जानी जाती है। मुझे पूरा भरोसा है कि पिछले 5 सालों में मैंने कालकाजी विधानसभा में जितना काम किया है, माता का आशीर्वाद मुझ पर आम आदमी पार्टी पर बना रहेगा। उन्होंने ने कहा कि कालकाजी के लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया है। मुझे अपनी बहन और बेटी माना है। मुझे लगता है कि कालकाजी के लोगों के साथ मेरा जो संबंध है, मेरे इस परिवार का आशीर्वाद हमेशा मुझपर बना रहेगा। कालकाजी का चुनाव मैं नहीं, बल्कि कालकाजी के लोग लड़ रहे हैं। यहां के लोग मुझे चुनाव लड़वा रहे हैं। जितना प्यार और आशीर्वाद मुझे गोविंदपुरी, श्रीनिवासपुरी से लेकर कालकाजी की हर गली में मिल रहा है, मुझे लगता है कि पिछले जन्म में मैंने जरूर पुण्य का कोई काम किया होगा। झुग्गियों के सवालों पर सीएम आतिशी ने कहा कि रविवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शकूरबस्ती गए थे। वहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया था कि किस तरह उन झुग्गियों के इलाके की जमीन का लैंड यूज बदला गया और अब वहां की झुग्गियों को तोड़ने की तैयारी चल रही है।

इसके बाद रविवार शाम को एलजी साहब ने बयान जारी किया कि केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं। लेकिन दस्तावेज बिल्कुल साफ हैं कि डीडीए की मीटिंग हुई और उसमें लैंड यूज बदला गया। भाजपा का झूठ पकड़ा गया है। यह कोई पहली बार नहीं है। भाजपा के नेता रात्रि प्रवास के बहाने झुग्गियों में जाते हैं। वहां के लोगों के साथ खाते-पीते हैं। उनके बच्चों के साथ कैरम खेलते हैं और कुछ ही महीनों में जाकर उन सब झुग्गियों को तोड़ देते हैं। सुंदरनगरी की झुग्गियों के साथ भी यही हुआ। वहां भी भाजपा प्रवास करने गए। बच्चों के साथ लूडो खेला, उसकी फोटो सोशल मीडिया पर डाली और तीन महीने बाद कड़कड़ाती ठंड में सुंदर नर्सरी की झुग्गी तोड़ डाली। यह बिल्कुल साफ है कि भाजपा एक झुग्गी और गरीब विरोधी पार्टी है। भाजपा ने झुग्गी तोड़ने के अलावा दिल्ली के झुग्गीवालों के लिए और कोई काम नहीं किया है। कालकाजी विधानसभा से प्रत्याशी सीएम आतिशी ने सोमवार को नामांकन रैली करने से पहले कालकाजी मंदिर में दर्शन करने पहुंची। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आतिशी ने विधि विधान पूर्वक कालकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद सीएम आतिशी गिरी नगर गुरुद्वारा पहुंचीं। यहां उन्होंने मत्था टेका और अरदास की।

गिरी नगर गुरुद्वारे में मत्था टेकने के बाद सीएम आतिशी मेगा रोड शो पर निकलीं। इस दौरान उनके साथ आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया भी थे। गिरी नगर गुरुद्वारा से रोड शो शुरू हुआ और महाराजा अग्रसेन मार्ग, गुरु रविदास मार्ग गली नंबर एक, हनुमान मंदिर गली नंबर 13, नवजीवन कैंप मस्जिद, बाबा फतेह सिंह मार्ग, शहीद राजीव गांधी कॉलोनी, सी-लाल चौक मां आनंद माई मार्ग पर खत्म हुआ।

सीएम आतिशी वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया के साथ गाड़ी की छत पर सवार होकर गिरी नगर गुरुद्वारे से नामांकन रैली के लिए निकलीं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबे रोड शो में समर्थकों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। सड़क पूरी तरह लोगों से भरी हुई थी। लोगों ने आतिशी का पुष्प वर्षा और फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। आतिशी ने हाथ जोड़कर जनता का समर्थन मांगा। साथ ही, मनीष सिसोदिया और आतिशी ने हाथ में झाड़ू उठाकर आम आदमी पार्टी को वोट देने की अपील की। नामांकन रैली के दौरान बड़ी संख्या में समर्थक आम आदमी पार्टी के झंडे और ह्यहर महिला को हर महीने 2100 रुपएह्न के पोस्टर लेकर पहुंचे थे। इस दौरान मुहर लगेगी झाड़ू पर, कोई नहीं है टक्कर के नारे लगातार गूंजते रहे, जिससे माहौल और उत्साहपूर्ण हो गया। सीएम आतिशी की नामांकन रैली को समर्थन देने के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और आम आदमी पार्टी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इस दौरान कई महिलाएं अपने घर की छतों और बाल्कनियों से खड़ी होकर पार्टी के समर्थन में नारे लगा रही थीं। वहीं, कई कार्यकर्ता ढोल-नगाड़े की ताल पर थिरकते हुए भी नजर आए।

# मुख्यमंत्री आतिशी ने नामांकन दाखिल करने से पहले रैली निकाली

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक रैली का नेतृत्व किया। अपनी रैली शुरू करने से पहले आतिशी ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया के साथ गिरि नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु गोविंद साहिब में मत्था टेका। इससे पहले दिन में उन्होंने मां काली को समर्पित कालकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और अपने अभियान के लिए आशीर्वाद मांगा।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आज अपना नामांकन दाखिल करने से पहले मैं कालकाजी मंदिर में मां काली का आशीर्वाद लेने आई हूं। मेरा मानना है कि मां कालका का आशीर्वाद हमेशा मुझ पर, आम आदमी पार्टी पर और कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के लोगों पर बना रहेगा। क्षेत्र में अपने कार्यों के बारे में आतिशी ने कहा, मैंने पिछले पांच वर्षों से अपने विधानसभा क्षेत्र मंक अथक परिश्रम किया है। कालकाजी के लोग मेरा परिवार हैं, वे मुझे अपनी बेटी और बहन के रूप में देखते हैं। मैं सिर्फ एक प्रतिनिधि नहीं हूं, मैं उनके जीवन का हिस्सा हूं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि यह पार्टी गरीब विरोधी है। उन्होंने कहा कि भाजपा झुग्गी विरोधी और गरीब विरोधी पार्टी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। आतिशी को इस निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के रमेश सिंह बिधूड़ी से कड़ी चुनौती मिल सकती है। वह एक अनुभवी राजनीतिक नेता हैं और इस निर्वाचन क्षेत्र में आतिशी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। दक्षिण दिल्ली से पूर्व सांसद और तुगलकाबाद से तीन बार विधायक रह चुके बिधूड़ी को उनके मजबूत राजनीतिक रिकॉर्ड के लिए जाना जाता है। उन्होंने 2003, 2008 और 2013 में चुनाव जीते थे। कांग्रेस ने अलका लांबा को इस सीट से उतारा है जो राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। लांबा 1994 से 2014 तक कांग्रेस में रहीं और फिर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई और 2015 में आप के टिकट पर चांदनी चौक से विधायक बनीं। मगर वह फिर से कांग्रेस में वापस आ गईं। दिल्ली में पांच फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा जबकि मतगणना आठ फरवरी को होगी।

# पश्चिमपुरी के मकान में आग, महिला की जिंदा जलकर मौत

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कड़ाके की सर्दी के बीच दिल्ली में आग लगने की घटनाएं भी लगातार हो रही है। रविवार रात पंजाबी बाग थाना इलाके के पश्चिम पुरी में एक मकान में सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। इसके बाद आग की चपेट में आने से एक महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई। उसकी जली हुई बॉडी कमरे से मिली है साथ ही दो लोग इसमें झुलस गए हैं। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने आधे घंटे में आग पर काबू पाया। घायलों को रेस्क्यू करके मोती नगर के आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि कंट्रोल रूम को रात 10:28 पर पश्चिम पुरी के सी ब्लॉक के मकान में आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर स्टेशन ऑफीसर नवीन के साथ 15 फायरकर्मियों की टीम पहुंची। लगभग आधे घंटे बाद 11:00 बजे के आसपास आग पर काबू पाया गया। आग 40 स्क्वायर गज में बने तीन मंजिला मकान के सेकंड फ्लोर स्थित फ्लैट में लगी थी। इस हादसे में जलकर महिला की जलकर दर्दनाक मौत हो गई है, जिसकी पहचान 53 साल के निर्मला के रूप में हुई है। जबकि उसके 65 साल के पति प्रहलाद 15 फीसदी झुलस गए हैं। और 40 साल का बेटा जितेंद्र 5 फीसदी झुलस गया है। दोनों को मोती नगर के आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद घर के अंदर ब्लास्ट भी हुआ था। इसकी जांच की जा रही है।

# ताहिर हुसैन जेल से विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर सकते हैं

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। फरवरी 2020 के दंगों से जुड़े कई मामलों में आरोपी आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन जेल से ही अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय को सोमवार को यह जानकारी दी गई। दंगे से संबंधित हत्या के मामले में हुसैन की अंतरिम जमानत के अनुरोध वाली याचिका पर पुलिस की ओर से जवाब देते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जब कैदियों ने जेल से ही चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी की। विधि अधिकारी ने कहा, सबसे ताजा उदाहरण अमृतपाल सिंह का है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि हुसैन जेल में बैठकर नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। आरोपी की ओर से पेश वकील ने जवाब दिया कि उन्हें एक राष्ट्रीय पार्टी ने चुना है और नामांकन पत्र दाखिल करने के अलावा उन्हें चुनाव प्रचार भी करना है और अपनी संपत्ति की घोषणा भी करनी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए राशिद इंजीनियर को निचली अदालत ने अंतरिम जमानत दी थी। इस बात पर भी जोर दिया गया कि हुसैन मार्च 2020 से हिरासत में हैं और दो अन्य दंगा मामलों में उन्होंने संबंधित अदालतों से अंतरिम जमानत से राहत का अनुरोध किया है, जिस पर कार्यवाही जारी है। अदालत ने मामले को मंगलवार को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। हुसैन ने एआईएमआईएम (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) के टिकट पर दिल्ली के मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 14 जनवरी से नौ फरवरी तक अंतरिम जमानत का अनुरोध करते हुए पिछले हफ्ते अदालत का रुख किया था। उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल करने, बैंक खाता खोलने और चुनाव प्रचार करने के लिए राहत का अनुरोध किया है। अधिवक्ता तारा नरूला द्वारा दायर आवेदन, मामले में हुसैन की लंबित जमानत याचिका का हिस्सा था। 24 फरवरी, 2020 को उत्तर पूर्व दिल्ली में हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें 53 लोग मारे गए थे।

# लोहड़ी पर आप ने दिल्ली दा पुत्त केजरीवाल नाम से जारी किया गीत

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को लोहड़ी के मौके पर विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए नया गीत जारी किया है। पंजाबी भाषा में गाया गया यह गीत आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर केंदित है। गाने के बोल ह्यदिल्ली दा पुत्त केजरीवाल...ह्न है। इस गाने के जरिए दिल्ली की जनता से अपील की गई है कि इस बार भी दिल्ली के बेटे अरविंद केजरीवाल को चुनिए, ताकि पहले से चल रही जनहितकारी योजनाएं जारी रहें और अरविंद केजरीवाल की दी गई गारंटी को लागू किया जा सके। आप ने इस स्पेशल गाने में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए कामों का जिक्र किया है और अरविंद केजरीवाल की नीतियों को जनता के बीच में और भी मजबूती से पेश करने की कोशिश की गई है। यह गाना अरविंद केजरीवाल के सपनों को दशार्ता है, जो दिल्ली के विकास के लिए काम कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने इस पंजाबी गाने को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया है, जो खूब वायरल हो रहा है। इस गाने में अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली की जनता को दी जा रही मुफ्त बिजली, पानी, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा समेत अन्य कामों का जिक्र किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि चुनाव बाद अरविंद केजरीवाल की सरकार बनती है तो महिला सम्मान योजना के तहत सभी महिलाओं को 2100 रुपये हर महीने उनके खाते में डाला जाएगा। साथ ही संजीवनी योजना को भी लागू किया जाएगा। इस योजना के तहत 60 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों के इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी।

# पश्चिम विहार में चार मंजिला मकान में आग लगने से महिला की मौत, दो झुलसे

नई दिल्ली। पश्चिम विहार में एक चार मंजिला मकान में रविवार देररात आग लगने से एक महिला की मौत हो गई और दो लोग झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, महिला की पहचान निर्मला (55) के रूप में हुई है। पांच प्रतिशत झुलसे जितेन्द्र (41) और 15 प्रतिशत झुलसे प्रह्लाद (65) का आचार्य भिक्षु अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राइम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य इकट्ठा किए। शुरूआती जांच में गैस रिसाव की बात सामने आई है। पीड़ितों के बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू होगी। पुलिस ने बताया कि देररात सूचना मिली कि पश्चिम विहार स्थित एक मकान में आग लगने से परिवार के तीन लोग झुलस गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस व दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कुछ देर में आग पर काबू पा लिया। पुलिस टीम ने आग में झुलसे निर्मला, जितेन्द्र और प्रह्लाद को अस्पताल में भर्ती करवाया।

# दोस्त पर किया चाकू से हमला

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के सीलमपुर इलाके में साहिल नामक एक युवक ने अपने ही दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया। इधर, घायल युवक जैसे-तैसे अपने घर पहुंचा। परिवार वालों ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां हालत बिगड़ती देख डॉक्टरों ने उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल में रेफर किया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर मामला दर्ज किया। फिलहाल पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक राजू (बदला हुआ नाम) परिवार के साथ सीलमपुर में रहता हैं। वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। पुलिस को दी शिकायत में राजू ने बताया कि इलाके में रहने वाले साहिल से उसकी दोस्ती थी। साहिल ट्रांसजेंडर की हरकत करता था।

**चुनाव** दिल्ली में इन दिनों पूर्वांचल की छिड़ी बहस में भाजपा का यह कदम चुनावी चाल का हिस्सा माना जा रहा है।

# पूर्वांचल को खुश करने की कोशिश, भाजपा का किराड़ी से बजरंग शुक्ला को टिकट

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के पहले पूर्वांचल एवं पूर्वांचलियों को लेकर चल रही बहस बीच भाजपा ने आप पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के गृह जिले के निवासी दिल्ली में भाजपा कार्यकर्ता बजरंग शुक्ल को दिल्ली की किराड़ी विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है। दिल्ली में इन दिनों पूर्वांचल की छिड़ी बहस में भाजपा का यह कदम चुनावी चाल का हिस्सा माना जा रहा है। गौरतलब है कि, दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले वहां ह्यपूर्वांचलह्न का मुद्दा खूब गरमाया हुआ है। आप सांसद संजय सिंह भाजपा नेता जेपी नड्डा के बयान को लेकर हमलावर हैं। दरअसल संजय सिंह यूपी के सुल्तानपुर के रहने वाले हैं। पूर्वांचल बनाम दिल्ली की इस पॉलिटिक्स में तड़का तब लग गया जब भाजपा ने सांसद संजय सिंह के गृह जिले सुलतानपुर के ही निवासी बजरंग शुक्ल को किराड़ी विधानसभा से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। बजरंग शुक्ल सुल्तानपुर के धनपतगंज ब्लॉक अंतर्गत पड़ानजोत गांव के रहने वाले हैं। इसके पूर्व बजरंग भाजपा के बाहरी दिल्ली जिला के अध्यक्ष रह चुके हैं। शनिवार देर शाम बीजेपी ने दिल्ली चुनाव के लिए अपने विधानसभा प्रत्याशियों की 29 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। शुक्ल के प्रत्याशी बनाए जाने पर उनके पैतृक गांव पड़ानजोत सहित पूरे धनपतगंज में खुशी की लहर है। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले बजरंग जिले के केएनआई संस्थान से

स्नातक करने के बाद 35 वर्ष पूर्व नौकरी की तलाश में दिल्ली चले गए थे। बाहरी दिल्ली जिला कंझावला में सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्रिय रहकर उन्होंने भाजपा संगठन में कई दायित्यों का निर्वाह किया। गत माह वे अपने निजी खर्चे से दिल्ली से 100 कार्यकताओं को रामलला का दर्शन कराने अयोध्या लाए थे। इनके छोटे भाई राम सागर शुक्ला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं। प्रत्याशी बने श्री शुक्ल किराड़ी में अवध पब्लिक स्कूल नामक एक शैक्षिक संस्था के संस्थापक भी हैं। उनके भांजे एवं राणा प्रताप पीजी कॉलेज के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ अमित तिवारी ने बताया कि जमीन से जुड़े एक सामान्य कार्यकर्ता को टिकट मिलने से किराड़ी विधानसभा के भाजपा कार्यकताओं में एक अलग जोश और उत्साह है, तथा वे जीत के प्रति आश्वस्त हैं। लगातार दो बार यहां से हार रही भाजपा ने इस बार पूर्वांचली पर दांव लगाया है। किराड़ी विधानसभा सीट दिल्लीके नॉर्थ वेस्ट दिल्ली जिले में आती है। यहां दो बार से लगातार आप भाजपा से जीत रही। इस बार भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदल दिया है। बीते 2020 विधानसभा चुनाव परिणाम की बात करें तो आप के ऋतुराज गोविंद को 86, 312 वोट मिले (जीते) बीजेपी के अनिल झा को 80, 658 वोट मिले थे। इसके पूर्व 2015 के विधानसभा चुनाव में भी आप के ऋतुराज गोविंद विजयी हुए थे। उनको 97, 727 वोट मिले थे, वहीं बीजेपी के अनिल झा को 52, 555 वोट पर संतोष करना पड़ा। जबकि कांग्रेस के प्रत्यूष कंठ को 2, 086 वोट ही मिले थे। प्रत्याशी बजरंग शुक्ल ने बातचीत दौरान कहा कि, मैं अपनी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने पिछले 34 साल से पार्टी की सेवा कर रहे कार्यकर्ता को टिकट दिया। मैं पार्टी का एक सेवक हूं, जिसने किराड़ी विधानसभा के लोगों की सेवा की है और आगे भी यह काम जारी रखूंगा।

## संक्षिप्त खबरें

### कड़ी सुरक्षा में रखे जाएंगे यूपी बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र

अमरोहा। यूपी बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र कड़ी सुरक्षा में परीक्षा संकलन केंद्र के स्ट्रांग रूम में रखे जाएंगे। 19 फरवरी से प्रश्नपत्रों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच केंद्रों पर पहुंचाया जाएगा, इसके लिए 6 टीम गठित की गई हैं। 24 फरवरी से शुरू होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बोर्ड स्तर से बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र कड़ी सुरक्षा में रखने के लिए जिले पर पहुंचेंगे। सीसीटीवी युक्त स्ट्रांग रूम में प्रश्नपत्र डबल लॉक अलमारी में सुरक्षित रख पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उत्तर पुस्तिकाओं की आपूर्ति जिले पर हो चुकी है, जिन्हें फरवरी के पहले सप्ताह में केंद्रों पर भेजा जाएगा। प्रत्येक केंद्र पर प्रश्नपत्र व उत्तर पुस्तिका के लिए अलग-अलग स्ट्रांग रूम बनाए जाएंगे। स्ट्रांग रूम के डबल लॉक की तीन चाबी होंगी। एक चाबी केंद्र व्यवस्थापक, दूसरी वाह्य केंद्र व्यवस्थापक व तीसरी स्टेटिक मजिस्ट्रेट के पास रहेगी। डीआईओएस विष्णु प्रताप सिंह सिंह के मुताबिक सादी उत्तर पुस्तिकाएं मिल गई हैं, जल्द परीक्षा केंद्रों पर भिजवाया जाएगा।

### शिक्षक पिटाई प्रकरण में छात्र पर कार्रवाई की मांग

हसनपुर। शिक्षक पिटाई प्रकरण में आरोपी छात्र पर कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर शिक्षकों ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया। गौरतलब है कि नगर के श्रीमती सुखदेवी इंटर कालेज में बीती 10 जनवरी को शिक्षण कार्य के दौरान इंटर के एक छात्र ने शिक्षक आलोक कुमार सिंह का सिर फोड़ दिया था। शिक्षक लहूलुहान हो गए थे। मेरठ के अस्पताल में उपचार चल रहा था। सोमवार को शिक्षक व छात्र-छात्राएं जमा होकर कोतवाली पहुंचे। आरोपी छात्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रभारी निरीक्षक अपराध बालेंद्र कुमार यादव ने कहा कि मामले में जांच-पड़ताल कर कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान सचिन कुमार, श्रीनारायण यादव, ललित सारस्वत, मनोज कुमार, मूलचंद, प्रेमराज सिंह, भगवानदास, महिपाल, रामवीर सिंह, जयवीर सिंह, विनोद कुमार, सोम सिंह आदि रहे।

### भाकियू टिकैत गुट ने उठाई एमएसपी पर कानूनी गारंटी की मांग

अमरोहा। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट पदाधिकारियों ने किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर तहसील परिसर में धरना दिया। कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति एवं संसदीय स्थायी समिति स्तर से प्रस्तावित एमएसपी गारंटी कानून को खारिज करने की वकालत की। वक्ताओं ने स्वामीनाथन फार्मूले पर एमएसपी की कानूनी गारंटी और किसानों-श्रमिकों के लिए कर्ज माफी की मांग उठाई। सोमवार सुबह भाकियू के तहसील अध्यक्ष शीशपाल सिंह व युवा जिलाध्यक्ष मोहन बैनीवाल के नेतृत्व में संगठन कार्यकर्ता अमरोहा तहसील परिसर में जमा हुए। यहां किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर धरना दिया। कहा कि किसानों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। इस दौरान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष रामपाल सिंह, धर्मेंद्र चौधरी, मनोज चौधरी, राहुल सिंह पुनिया, शुभम देवल, नरेंद्र सिंह, थान सिंह, यतेंदर आदि रहे।

# हरियाणा में भाजपा परिवारों को मिलेगा घर, कोरोना काल के बाद पहली बार खुला पोर्टल

प्रात: किरण संवाददाता

मुकेश शर्मा, झज्जर। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के आशियाने का सपना साकार होने की उम्मीद जगी है।

सरकार ने कोरोना काल के बाद एक बार फिर से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत छत मुहैया करवाने के लिए पोर्टल को खोल दिया है। वित्त वर्ष 2024-25 में लिए विभाग को 3171 मकान बनाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

कोरोना काल से पहले मिला था करीब 3300 मकानों का लक्ष्य

कोरोना काल से पहले भी सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत झज्जर जिले में करीब 3300 मकान बनाने के लिए लक्ष्य प्राप्त हुआ था। उसके बाद केवल 148 मकान बनाने के लिए सरकार की तरफ से बजट मुहैया कराया गया।

शेष मकानों के निर्माण के लिए किन्हीं कारणों से बजट मुहैया नहीं हो पाया था। इसके कारण 3100 से अधिक मकानों का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया और वे परिवार आज तक मकान निर्माण के लिए इंतजार कर रहे हैं।

पंचायत विभाग ने शुरू किया सर्वे

खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के माध्यम से 3171 मकान के लिए सर्वे का कार्य शुरू कर दिया गया है। जल्द ही इसे पूरा करने के बाद खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों के माध्यम से सर्वे की रिपोर्ट केंद्र सरकार के पोर्टल पर अपलोड कर दी जाएगी।

उसके बाद सरकार की तरफ से इन मकानों के निर्माण के लिए करीब ढाई लाख रुपये की राशि चार किस्तों में लाभ पात्रों को उपलब्ध करवाई जाएगी।

मकान निर्माण के लिए बनाई दो श्रेणी

बीपीएल परिवारों के मकान के निर्माण के लिए दो श्रेणी बनाई गई हैं। इसमें अनुसूचित जाति व अन्य गरीब परिवार शामिल किए गए हैं। दोनों श्रेणियों के लिए अलग-अलग आवेदन आए हैं।

ग्राम पंचायतों की तरफ से खंड एवं विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालयों के माध्यम से सरकार को यह डिमांड भेजी गई थी।

सरकार ने निर्धारित किए हैं यह मानदंड

आवेदक भारत का निवासी होना चाहिए और पहले से कोई पक्का घर नहीं होना चाहिए।

आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए और वार्षिक आय 3 लाख से 6 लाख रुपये के बीच होनी चाहिए।

आवेदन करता का नाम बीपीएल सूची में नाम होना चाहिए है।

आवेदक के लिए ये चाहिए दस्तावेज

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन करने के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, बैंक खाता विवरण, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, मोबाइल नंबर, पासपोर्ट साइज फोटो होने चाहिए।

सर्वे की यह रहेगी प्रक्रिया

केंद्र सरकार ने पीएम आवास योजना के तहत सर्वेक्षण शुरू किया है। यह सर्वेक्षण उन परिवारों की पहचान करने के लिए किया जा रहा है जो इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के योग्य हैं।

सर्वेक्षण के दौरान बिंदुओं पर ध्यान दिया जा रहा है, जैसे परिवार की वर्तमान आवास स्थिति, आय का स्तर, सामाजिक स्थिति, अन्य आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के बाद योग्य परिवारों को लाभार्थियों की सूची में शामिल किया जाएगा।

# हरियाणा में 28 फरवरी तक लागू हो जाएंगे तीन नए कानून, अब न्याय के लिए नहीं करना पड़ेगा इंतजार

प्रात: किरण संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एलान किया है कि 28 फरवरी तक प्रदेश में तीनों नए कानून लागू कर दिए जाएंगे। आखिर क्या है ये तीन नए कानून और इनके लागू होने से प्रदेश में क्या कुछ बदल जाएगा आइए जानते हैं।

28 फरवरी को लागू हो जाएंगे तीन नए कानून

बीते 10 जनवरी को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पंचकूला स्थित पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षकों समेत कई बड़े अधिकारियों के साथ बैठक में हिस्सा लिया था। इस दौरान प्रदेश के कानून व्यवस्था समेत कई मुद्दों पर सीएम ने बातचीत की थी।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि भारत पीनल कोड के तीनों नए कानून प्रदेश में तय सीमा से पहले ही लागू कर दिए जाएंगे। सीएम सैनी ने कहा था कि हरियाणा पहला राज्य बनेगा, जो तीनों नए कानूनों को 31 मार्च के लक्ष्य के विपरीत 28 फरवरी तक ही लागू कर देगा। हरियाणा में नए कानूनों को लागू करने में गृह विभाग, पुलिस, कोर्ट, प्रॉसिक्यूशन (अभियोजन) तथा जेल विभाग में समन्वय अहम होगा।

क्या हैं तीन नए कानून?

तीन नए कानूनों में भारतीय न्याय संहिता (इठर) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इठरर) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (इरअ) 2023 शामिल हैं। ये तीनों नए कानूनों को 1 जुलाई, 2024 को भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह लागू किया गया था। केंद्र सरकार की ओर से त्वरित न्याय और न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए तीन नए आपराधिक कानून लागू किए गए हैं।

क्या है तीन नए आपराधिक कानूनों खासियत?

न्याय की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों की कई खास बातें हैं। नए कानूनों में पहली बार मॉब लिंचिंग को परिभाषित किया गया है।

इस कानून में सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए टाइमलाइन भी निर्धारित की गई है। इस कानून के लागू होने के बाद एफआईआर दर्ज होने से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक 3 साल में न्याय मिलेगा। इतना ही नहीं, तीन नए कानूनों में 7 साल या उससे अधिक की सजा पाने वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच को अनिवार्य कर दिया गया है।

# 14 जनवरी मनाया जाएगा मो0 हजरत अली जी का जन्म दिवस

प्रात: किरण संवाददाता

● पर्व पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु निर्देश

बदायूँः। अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन अरुण कुमार ने अवगत कराया है कि इस वर्ष 14 जनवरी 2025 को मो0 हजरत अली जी का जन्म दिवस का पर्व मनाया जायेगा, जिसके दृष्टिगत पर्व पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु निर्देश दिये जा रहे है। उन्होंने बताया कि नगर मजिस्ट्रेट बदायूँ नगर क्षेत्र में एवं समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट जनपद बदायूँ अपने-अपने क्षेत्र में जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात रहेंगे तथा अपने अपने क्षेत्र में कानून एवं शांन्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु उत्तरदायी होंगे। पर्व पर सार्वजनिक स्थल यथा बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और संवेदनशील स्थान / धर्मिक स्थल पर यथावश्यक व्यस्थायें व चौकिंग कराई जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यातायात कदापि बाधित न हो एवं बैरियर एवं पुलिस चेक पोस्ट लगा कर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कराई जाए। जन सुविधाएं यथा बिजली पेयजल एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। आसामाजिक तत्वों एवं अफवाह फैलाने वालों पर विशेष ध्यान दिया जाए। पर्व के दृष्टिगत सभी सामाजिक एवं धर्मगुरूओं से व्यवस्था बनाये रखने हेतु सहयोग लिया जाये। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 का कड़ाई से अनुपाल सुनिश्चित किया जाए। मजिस्ट्रेट/पुलिस आफीसर एवं अभिसूचना से सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा इस त्यौहार पर निर्गत दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। इस पर्व के दृष्टिगत सामाजिक साम्प्रदायिक सौहार्द बना रहे एवं सुरक्षा व्यवस्था इस तरह सुनिश्चित की जाए कि किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न होने पाये। उप जिला मजिस्ट्रेट जनपद बदायूँ अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत आबश्यकतानुसार अधिकारी/कर्मचारियों की तैनाती कर तथा व्यवस्थाओं का पर्व से पूर्व में अनुश्रवण कर लें।

# डमी डायरेक्टर के सहारे चीन-इंडोनेशिया से चल रहा था साइबर ठगी का धंध

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम साइबर पुलिस ने बीते दिनों नोएडा के सेक्टर दो में चलाए जा रहे जिस कॉल सेंटर को पकड़ा। वह एक कंपनी की तरह संचालित किया जा रहा था। साइबर पुलिस की जांच में सामने आया कि इस कंपनी में डमी डायरेक्टर रखे गए थे। इस कॉल सेंटर का सारा कामकाज चीन और इंडोनेशिया में बैठे साइबर ठगों का सिंडिकेट देख रहा था।

डमी डायरेक्टरों के सहारे ही पैसे किसी मर्चेंट एप के माध्यम से चीन और इंडोनेशिया के सिंडिकेट को पहुंच रहे थे। पहले भी कई बार यह सामने आया है कि विदेश से संचालित हो रहे ऐसे फर्जी कॉल सेंटरों से मिल रहे पैसे किसी मर्चेंट एप से ही विदेश जा रहे हैं। यह एप पेटीएम, फोन-पे या गूगल पे की तरह ही काम करता है। सिंडिकेट के कई खाते इस एप से जुड़े हुए हैं। इसके लिए मर्चेंट एप को कमीशन भी दिया जाता है। एप के माध्यम से सिंडिकेट बिटक्वाइन या गिफ्ट कार्ड के जरिए पैसे अपने देश की करेंसी में बदलता है। कॉल सेंटर से 15 आरोपित हुए थे गिरफ्तार

गुरुग्राम साइबर थाना ईस्ट पुलिस ने एक शिकायत के आधार पर आठ जनवरी की रात नोएडा के सेक्टर दो स्थित एक कॉल सेंटर पर छापेमारी कर 15 आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इस सेंटर को नोएडा में चलाने वाले मुख्य आरोपित हरमन और सन्नी से रिमांड के दौरान पूछताछ की गई।

पता चला कि एक कंपनी की तरह इसे संचालित किया जा रहा था। यहां इस्तेमाल हो रहे लैंडलाइन नंबर एक टेलीकाम कंपनी से लिए गए थे। दो साल पहले टेलीकाम कंपनी से कनेक्शन लेने के दौरान ही हरमन और सन्नी की जान-पहचान हुई थी।

एप से देते थे 60 हजार रुपये तक लोन नोएडा में यह सेंटर करीब तीन महीनों से संचालित था। चीन और इंडोनेशिया का सिंडिकेट भारत के लोगों को चीनी लोन एप से पांच हजार से लेकर 60 हजार रुपये तक लोन देता था। इसके बाद जबरन उनसे ब्याज के नाम पर अधिक वसूली की जाती थी। विदेश के ठग सिंडिकेट ने लोन के बाद आसानी से रुपये न मिलने पर रिकवरी के लिए भी अलग से कंपनी बना रखी थी ।इसमें डमी डायरेक्टर भी तैनात किए थे। गुरुग्राम साइबर पुलिस जल्द ही इन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ करेगी। इनसे पैसों के लेनदेन के बारे में भी पूछा जाएगा। सूत्रों के अनुसार पता चला है कि इस सेंटर के माध्यम से करीब 400 करोड़ रुपये अब तक चीन और इंडोनेशिया भेजे गए हैं।

# गौशाला में लापरवाही से क्षुब्ध सीडीओ ने ग्राम प्रधान समेत चार पर दर्ज कराई रिपोर्ट

बदायूं। उसहैत थाना क्षेत्र के ग्राम रिजोला में गौशाला में मुख्य विकास अधिकारी की छापामारी में पाई गई भारी अनियमितताओं के चलते गायों की मौतें एवं मृत गायों के शव आवारा कुत्तों द्वारा नोचना आदि शिकायतों को सही पाया ।और तीन केयर टेकर,ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी को दोषी पाते हुए ग्राम पंचायत अधिकारी को निलंबित कर दिया और एडीओ पंचायत उसावां को रिजोला के प्रधान यादवेन्द्र शाक्य और तीन केयर टेकरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने के आदेश दिये हैं। जिसको लेकर एडीओ पंचायत ने थाना उसहैत में प्रधान समेत चार लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि उसावां के एडीओ पंचायत शिवकुमार ने मुख्य विकास अधिकारी के आदेश की प्रति के साथ दी गई तहरीर में गौशाला रिजोला में जांच दौरान दोषी पाए गये केयर टेकर आकाश, विपिन कुमार, पुष्पेंद्र कुमार पुत्र गण राजपाल सिंह तीनों भाई और प्रधान यादवेन्द्र शाक्य के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जबकि ग्राम पंचायत अधिकारी पर विभागीय कार्यवाही करते हुए निलंबित कर दिया गया है ।उन्होंने बताया कि चारों आरोपियों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

# सत्ताधारियों के संरक्षण में वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जे का प्रयास

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर के मोहल्ला काली पगड़ी निवासी जुनैद अहमद पुत्र इम्तियाज अहमद ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को एक शिकायती पत्र सौंपा। जिसमें उन्होंने बिजनौर रोड स्थित चुना भट्टी के निकट वक्फ कब्रिस्तान अब्दुल सत्तार (वक्फ संख्या-1078, गाटा संख्या-662/1, 662/2, 662/3) पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जे की कोशिश किए जाने की जानकारी दी ।शिकायत के अनुसार 12 जनवरी 2024 को अज्ञात व्यक्तियों ने कब्रिस्तान की जमीन पर ईंट डालकर अवैध निर्माण का प्रयास किया और वहां कुट्टी काटने की मशीन भी लगाई गई। जुनैद अहमद ने इस गंभीर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नौशाद हुसैन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने उप जिलाधिकारी सदर सुधीर कुमार को पत्र जारी कर अवैध कब्जे को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की बात कही है। हालांकि तहसील प्रशासन की चुप्पी पर लोगों में नाराजगी है। इस मामले में अब तक तहसील प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का मानना है कि अगर प्रशासन ने समय पर कदम नहीं उठाए तो वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जा हो सकता है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से अपील की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही वक्फ संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार के अवैध कब्जे के प्रयास रोके जा सकें।

# बीएसडी एकेडमी के बढ़ते कदम, सैनिक स्कूल लखनऊ व गोरखपुर के लिए 28 बच्चों का चयन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/धनौरा। उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल लखनऊ व गोरखपुर ने प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित किया। जिसमें बी०एस०डी० एकेडमी धनौरा के प्रतिभाशाली बच्चों ने कक्षा- 9 में प्रवेश के लिए 10 बच्चों तथा 6 के लिए 18 बच्चों को चयनित किया गया। इससे स्कूल प्रबंधन एवं बच्चों के अभिभावकों मे खुशी की लहर है। अभयेर जयदेव, आदित्य, कार्तिक, चयनित विद्यार्थियों में सारांश, हर्ष, रक्षित शमी, मनिक, अक्षत गुप्ता, हसन खान, अक्षित, दक्ष, अर्पण, विमल, लक्ष्य, अभिमन्यु, कपिल, यश, चैतन्य, मनिकुमार, अनुजर, साहिब रजा, नमनदीप, साकिब मनप्रीत, हर्षदीप, अति, रिया आदि का चयन हुआ। प्रबंधक नितिन धारीवाल ने एवं निर्देशिका सुशीला देवी ने बच्चों को फूल माला पहनाकर उनका स्वागत व उत्साहवर्धन किया, धारीवाल ने बताया- कि गतवर्ष सप्त 2024-25 के लिए 18 बच्चों का चयन हुआ था, इस बार सत्र 2025-26 के लिए यू०पी० सैनिक स्कूल में कुल 28 बच्चों का चयन हुआ है। इस शुभ अवसर पर समस्त स्टाफ में रोनक अलुना, राहुलपाल सोनिया, कपिल, तेजपाल विश्वकर्मा, विकास कुमार, मिंकू, संचित हर्षित पाररूल, नितिन, प्रत्यूष, अजय मुनाजिर रवि कौशिक, तुषार, नीतू. मोनिका, काजल, अमन द्वीप, लविता, ललिता, निकिता आदि उपस्थित रहे।

# छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति हेतु शीघ्र करें आनलाईन आवेदन

प्रात: किरण संवाददाता

बदायूँः पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष व शैक्षिक सत्र 2024-25 में अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछडे वर्ग को छोड़कर) के पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत प्राप्त संशोधित समय-सारिणी के अनुसार छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाईन आवेदन करके उसकी हार्डकापी शिक्षण संस्था में जमा करने की अन्तिम तिथि 15 जनवरी 2025 हैं तथा शिक्षण संस्थाओं द्वारा छात्रवृत्ति आवेदन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की अन्तिम तिथि 18 जनवरी 2025 है।

उन्होंने जनपद की सभी शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यों व प्राचार्यों को सूचित करते हुए निर्देश दिए कि उनकी शिक्षण संस्था में अध्ययनरत अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछडे वर्ग को छोड़कर) के सभी छात्र/छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन 15 जनवरी 2025 से पूर्व आनलाईन कराकर उन्हें शिक्षण संस्था की लॉगिन से 18 जनवरी 2025 तक अनिवार्य रूप से सत्यापित एवं अग्रसारित कराना सुनिश्चित करें

# पुलिस अधीक्षक ने की अभियोजन कार्यों की समीक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अभियोजन कार्य एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कोर्टवार कितने को सजा दी गयी, कितने को दोषमुक्त किया गया, कितने साक्षी आये, कितने अपील की गई, कितने बेल की गई सहित अन्य कार्यों की जानकारी ली ।पुलिस अधीक्षक ने कहा की जनपद में क्राइम करने वालों को सजा हो और क्रिमिनल्स को जो युवा अपना आइडल मानते हैं ताकि उनको भी एक मैसेज जाए कि गलत करने का नतीजा गलत होता है। इसलिए अपराधी की विवेचना कर सजा दिलवाई जाए। उन्होंने कहा कि आप अच्छे से एक टीम की तरह कार्य करें ताकि जो अपराध कर रहा है उसको सजा मिले। अधिवक्ता गणों ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व से अनुरोध किया कि खनन से संबंधित मामलों में खनन अधिकारी या उनके अधीनस्थ उपस्थित हो इसलिए उन्हें निर्देशित करने का कष्ट करें। महिला और बच्चों से सम्बन्धित अपराधों को गंभीरता से लिया जाय ज्यादा से ज्यादा दोष सिद्ध कर सजा दिलाई जाए इन केसों में नरमी न बरती जाए। कहा कि अपराधियों को किसी भी स्थिति में बख्शा न जाए, जिन पर गंभीर मुकदमे दर्ज हैं उन पर प्रभावी कार्यवाही अमल में लायी जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ब्रजेश त्रिपाठी,अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार, उप जिलाधिकारी अमरोहा, धनोरा, हसनपुर एवं नौगावां सादात, जिला शासकीय अभियोजन अधिकारी व जिला शासकीय अधिवक्ता गण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# चार हजार से ज्यादा मकानों पर तोड़फोड़ का खतरा

प्रात: किरण संवाददाता

गौरव सिंगला, नया गुरुग्राम। डीएलएफ सिटी फेज एक से पांच में अवैध निर्माण और रिहायशी मकानों में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन को लेकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की तरफ से व्यापक कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की गई है। विभाग ने अपने सर्वे में पांचों फेज में कुल 4183 मकानों में अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन पाया है। इनमें से 83 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस श्रेणी यानी 60 वर्ग गज के हैं। विभाग ने उच्च न्यायालय में कार्रवाई के लिए दाखिल रोड मैप में आश्वस्त किया है कि इन्फोर्समेंट कार्यालय की तरफ से 31 जनवरी तक कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा रेस्टोरेशन आदेश जारी करने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बता दें कि डीएलएफ सिटी आरडब्ल्यूए की तरफ से साल 2020 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में अवैध निर्माण और अवैध व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर याचिका दायर की गई थी। जिसमें बीती 10 जनवरी को सुनवाई लगी थी।

नियमों का उल्लंघन कर 8 मंजिल तक बनाए घर डीटीपीई अमित मधोलिया की तरफ से दाखिल रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे अधिक अवैध निर्माण और व्यावसायिक उपयोग ईडब्ल्यूएस श्रेणी के प्लॉट्स में किया गया है। डीएलएफ फेज तीन और फेज पांच में ये प्लॉट्स हैं।

डीएलएफ फेज तीन में लोगों ने नियमों का उल्लंघन कर सात से आठ मंजिला मकानों तक का निर्माण कर लिया है। इन मकानों में पीजी, गेस्ट हाउस का संचालन किया जा रहा है। इसी प्रकार से फेज पांच में भी मकानों में व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जा रही है। यहां विभाग की तरफ से 81 मकानों का ओसी रद कर डीएलएफ की तरफ से सीवर पानी के कनेक्शन काट दिए गए हैं। 2010 से 2024 के बीच सीलिंग-तोड़फोड़ के चले 44 अभियान टाउन प्लानिंग के डीटीपी इन्फोर्समेंट कार्यालय की तरफ से पांचों फेज में तोड़फोड़ और सीलिंग के करीब 44 अभियान चलाए गए। इस दौरान कई बार सैकड़ों मकानों में सीलिंग और तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। ओसी भी रद किए लेकिन इसके बावजूद अवैध निर्माण और रिहायशी मकानों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन जारी है।

227 मामले कोर्ट में विचाराधीन

डीएलएफ फेज एक से पांच के बीच सीलिंग और तोड़फोड़ कार्रवाई के बाद लोग जिला अदालत पहुंच जाते हैं। अकेले डीएलएफ इलाके के 227 मामले जिला अदालत में विचाराधीन हैं। इनमें 167 मामलों में अदालत ने कार्रवाई पर स्टे दिया हुआ है।

2688 मकानों को होंगे अभी नोटिस जारी डीटीपीई कार्यालय की तरफ से अकेले डीएलएफ फेज तीन में करीब 1138 मकानों को नोटिस जारी किए गए हैं और 2063 नोटिस भी जारी किए जाने हैं। इसके अलावा अन्य फेजों में करीब 625 नोटिस जारी होने हैं।

मुख्य आंकड़े एक नजर में (प्लॉटः जनरल और ईडब्ल्यूएस श्रेणी)

डीएलएफ एक से पांच का कुल एरिया- 2312 एकड़

डीएलएफ एक से पांच में कुल प्लॉट्स- 14,757

डीएलएफ एक से पांच में कुल खाली प्लॉट्स 2845

जनरल प्लॉट्स में अवैध निर्माण- 1,055

जनरल प्लॉट्स में व्यावसायिक संचालन- 340

जनरल प्लॉट्स में अवैध निर्माण, व्यावसायिक उपयोग- 95

ईडब्ल्यूएस प्लॉट्स की कुल संख्या- 3,749

अवैध निर्माण वाले ईडब्ल्यूएस प्लॉट्स- 2,693 (लगभग 83 प्रतिशत)

जारी किए गए कारण बताओ नोटिस नोटिस 1,138 (डीएलएफ-3 ईडब्ल्यूएस)

### मथुरा में तीर्थयात्रियों से नकदी लूटने के मामलों में चार गिरफ्तार

मथुरा । उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में वृन्दावन में तीर्थयात्रियों से नकदी व महंगे मोबाइल फोन आदि छीन कर बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर भाग जाने वाले चार लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उइनमें से तीन बदमाशों को मुठभेड़ में पैर में गोली लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक (नगर) अरविंद कुमार ने बताया कि रविवार रात वृन्दावन के कोतवाली क्षेत्र में गुरुकुल विद्यालय के समीप मुठभेड़ में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से एक मोबाइल फोन, दो हजार रुपए, आधार कार्ड व लूट में प्रयुक्त तमंचा और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इन्होंने ये सामान गाजियाबाद के मोदीनगर निवासी एक महिला श्रद्धालु से लूटा था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान थाना छाता के पसौली गांव निवासी सतीश और वृन्दावन की संत कॉलोनी निवासी राजेश के रूप में हुई है। मुठभेड़ में सतीश के पैर में गोली लगी है। दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों ने रविवार को दिन में ही इस घटना को अंजाम दिया था जिसके बाद पुलिस लगातार जगह–जगह सीसीटीवी में दिखी बिना नंबर की मोटरसाइकिल की तलाश कर रही थी।

# शहर के पत्रकारों, समाजसेवियों ने बीके चौक पर कैंडल मार्च निकालकर किया विरोध दर्ज

● बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के विरोध में हत्यारों को फांसी देने की मांग

● पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी- समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर के पत्रकारों व समाजसेवियों ने बीके चौक पर रविवार के रात्रि में विशाल कैंडल मार्च निकालकर बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के विरोध में हत्यारों को फांसी देने की मांग की। इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के फरीदाबाद अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी नें कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और इस घटना ने राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए। स्वतंत्र पत्रकार मुकेश की हत्या से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। शहर के समाजसेवियों ने बैनर के साथ और कैंडल जला कर विरोध मार्च किया और नारे लगाए और मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि दी गई।

मुकेश चंद्राकर के हत्यारे को फांसी दो, पत्रकार एकता जिंदाबाद जैसे नारे लगाए। श्री तिवारी ने कहा की यह विरोध प्रदर्शन पत्रकारों के खिलाफ बढ़ते हमलों के प्रति गहरी चिंता का प्रतीक है। फरीदाबाद के बीके चौक पर पर पहुंचने के बाद पत्रकारों और समजसेवियो ने मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कैंडल जलाए। फरीदाबाद के समाजसेवियों ने एक शुरू में सभी ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए कठोर से कठोर सजा दोषियों को देने की मांग की है। इस मौके मौके पर शालू तंवर, निश्चिंत शर्मा,अभय गिरी, हरकुलीश पांडेय, बबलू सैनी, चंदन, मधुबाला,रविंद्र कुमार, अमित चौहान, अमरेंद्र व समाजसेवी महेंद्र गहलवात, शुस्मिता भौमिक,सुधा देवी, नवीन ग्रोवर, हेमेंद्र कुमार शर्मा,आशीष आदि दर्जनों भर से ज्यादा लोग मौजुद रहे।

सम्पादकीय

## मकर संक्रांति और सूर्य उपासना

मानव-जीवन में सूर्य के महत्व से सब परिचित हैं। इस संसार का सम्पूर्ण भौतिक विकास ही सूर्य पर निर्भर है। संभवतः इसीलिए विभिन्न भारतीय धर्मग्रंथों में सूर्य की स्तुति एवं महत्ता का वर्णन किया गया है। श्रीमद्भागवत के अनुसार सूर्य द्वारा दिशा, आकाश, भूलोक, स्वर्ग और मोक्ष के प्रदेश, नरक एवं रसातल का विभाजन होता है। हिन्दू-धर्म में ही नहीं, अपितु अन्य धर्मों में भी सूर्य की बड़ी महिमा है। पारसियों की मान्यता है कि सूर्य देवता आरोग्य के दाता हैं तथा उनके प्रकोप से कुष्ठ आदि रोग होते हैं। भारतीय ग्रंथों में सूर्य को आरोग्य-दाता कहा जाता है। संक्रमण रोगों का प्रकोप ऐसे स्थानों पर होता है, जहां सूर्य की रश्मियां नहीं पहुंच पाती।सूर्य की रश्मियां पृथ्वी पर स्थित रोग-जनक कृमियों को नष्ट कर प्राणियों एवं वनस्पतियों को शक्ति प्रदान करती हैं। भारत में सूर्य - उपासना वैदिक काल से ही प्रचलित है। सूर्य-उपासक भगवान सूर्य को इस पृथ्वी का जनक, पालक और विनाशक मानते हैं। उनकी मान्यता है कि यदि सूर्य नहीं होता, तो न यह पृथ्वी होती और न ही जीवन होता। यह मान्यता विज्ञान के सिद्धांतों के भी बहुत निकट है। सूर्य-उपासक, सूर्य को आरोग्य-दाता मानते हैं। उनके अनुसार रक्त का पीलापन, पतलापन, उसमें लोहे की कमी, नसों एवं स्नायु की दुर्बलता,आंखों की कमजोरी, आधासीसी, कुष्ठ रोग, चर्मरोग आदि दुसाध्य रोग सूर्य की उपासना से ठीक हो जाते हैं। प्रातः कालीन धूप के सेवन से क्षयरोग को दूर करने में सहायता मिलती है। इसी प्रकार जल-चिकित्सा पद्धति में विभिन्न रंगों की बोतलों में पानी भर कर, उन्हें सूर्य की रोशनी एव धूप में रखा जाता है और उन बोतलों का पानी रोगियों को पिलाया जाता है। सूर्य की उपासना से कुष्ठ-रोग दूर होने की कई धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। भगवान कृष्ण के पुत्र साम्ब को जब कुष्ठ रोग हुआ था, तो उसने भगवान सूर्य की उपासना की थी, जिससे उसका यह असाध्य रोग दूर हो गया था। उड़ीसा में कोणार्क का सूर्य मंदिर आज जिस स्थान पर बना हुआ है, कहा जाता है, वहीं साम्ब ने तपस्या की थी। मान्यता है कि अयोध्या के निकट सूर्य-कुण्ड जलाशय में स्नान करने से चर्म रोग दूर हो जाते हैं। गोवर्धन परिक्रमा के मार्ग में पड़ने वाले सुरभि कुण्ड़ में स्नान करने से भी कुष्ठ रोग दूर हो जाता है। नेत्र रोगों को दूर करने के लिए चक्षुषी विद्या, अक्षि-उपनिषद विद्या के माध्यम से सूर्य-उपासना करने का धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है। धारणा तो यहां तक है कि कांसे के पत्रे पर बने बत्तीसा-यंत्र के सामने चक्षोपनिषद का पाठ करते हुए, सूर्य-उपासना करने से न केवल नेत्र ज्योति बढ़ती है, अपितु मोतियाबिंद तक कट जाता है। सूर्य-स्नान एवं सूर्य नमस्कार के चमत्कारों से तो सभी परिचित हैं। यूरोपीय देशों में सूर्य-स्नान काफी लोकप्रिय है, जबकि सूर्य नमस्कार के रूप में किये जाने वाले व्यायाम से शरीर स्वस्थ, बलिष्ठ, निरोगी एवं दीर्घजीवी होता है। सूर्य इस संसार के जीवन-दाता, पालक और आरोग्य-दाता है। इसीलिए भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है ह्य ज्योतिषां रविरंशुमान। इस तरह भारत में सूर्य आदिकाल से ही जन-आस्था, श्रद्धा, आराधना एवं उपासना का केंद्र रहा है। भारत के विभिन्न भागों में बने भव्य सूर्य मंदिर इस तथ्य को उजागर करते हैं कि हर युग में भारत में सूर्य की आराधना एवं उपासना प्रचलित रही है। खगोल शास्त्रियों ने जब सूर्य की गति का पता लगाया, तो सूर्य - उपासना की एक नई पद्धति प्रचलित हुई। सूर्य जब नभमंडल में एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तब उसे संक्रांति कहा जाता है। इस तरह हर वर्ष बारह संक्रांतियां होती है, पर इनमें सबसे महत्वपूर्ण मकर - संक्रांति कहलाती है। इस दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। चूंकि सूर्य 365 दिनों अर्थात एक वर्ष की निश्चित अवधि में बारह राशियों का ही भ्रमण कर डालता है, इसलिए मकर संक्रांति एक निश्चित दिन अर्थात चौदह जनवरी को ही होती है। भारतीय मान्यता के अनुसार इस दिन का एक और विशेष महत्व है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायण से उत्तरायण में प्रवेश करता है। भारत में उत्तरायण के सूर्य का विशेष महत्व है। हर शुभ काम के लिए तभी मुहूर्त निकाला जाता है, जब सूर्य उत्तरायण में हो। उत्तरायण में सूर्य का झुकाव उत्तर की ओर होता है। सूर्य के उत्तरायण में होने का भारत में कितना महत्व है, इसका प्रमाण हमें महाभारत में मिलता है। भीष्म पितामह ने दक्षिणायण के सूर्य के समय अपनी देह नहीं त्यागी थी, क्योंकि वे स्वर्ग में प्रवेश उत्तरायण के सूर्य में करना चाहते थे। मकर संक्रांति भारत में विभिन्न नामों के साथ मनाई जाती है। अलग-अलग क्षेत्रों में इस दिन अलग-अलग पद्धतियां भी अपनाई जाती हैं, पर सबका उद्देश्य एक ही है- सूर्य की उपासना एवं आराधना।

## महाकुंभ 2025: जहां परंपरा और परिवर्तन आत्मसात होते हैं

कुंभ मेला, विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागमों में से एक है और यह आस्था, एकता और मानवता के ईश्वर से शाश्वत संबंध का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं में निहित, यह चार पवित्र स्थलों- प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक- पर अमरता का अमृत छलकने का स्मरण दिलाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति ग्रहों की एक विशिष्ट ब्रह्मांडीय स्थिति के दौरान आकाशीय संरेखण द्वारा इसका निर्धारण होता है। कुंभ मेले में शुद्धि और मोक्ष की अभिलाषा के साथ प्रत्येक 12 वर्ष में लाखों श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए एकत्रित होते हैं। समय बीतने के साथ-साथ कुंभ मेला विकसित हुआ और इसमें प्राचीन परंपराओं को आधुनिक नवाचारों के साथ जोड़ा गया। 4 फरवरी, 2019 का कुंभ मेला, मानवता के अब तक के सबसे व्यापक और शांतिपूर्ण समागम का साक्षी बना। आध्यात्मिकता में पूर्ण रूप से निहित यह विशिष्ट आयोजन आस्था, समुदाय और वाणिज्य का उत्सव है। मेलों, शैक्षिक कार्यक्रमों, संत प्रवचनों, भिक्षुओं के सामूहिक समारोहों और विविध मनोरंजन के साथ कुंभ मेला भारतीय समाज के जीवंत लोकाचार का उदाहरण है। प्रयागराज में वर्ष 2019 का संस्करण विशेष रूप से उल्लेखनीय था, जिसमें 50 दिनों के दौरान अनुमानित 24 करोड़ आगंतुकों ने भागीदारी की। इनमें से 4 फरवरी को ही 3 करोड़ श्रद्धालु शामिल हुए। प्रसिद्ध गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर आयोजित किए गए कुंभ की तैयारियों में 3,200 हेक्टेयर में फैले विशाल टेंट क्षेत्र के साथ 440 किलोमीटर की अस्थायी सड़कें, 22 पंटून पुल, लगभग 50,000 एलईडी स्ट्रीटलाइट और व्यापक स्वच्छता बुनियादी ढांचा शामिल था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्ष 2019 में कुंभ मेले का दौरा आयोजकों और कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करने का एक भाव था, जिन्होंने इस आयोजन को वैश्विक स्तर पर सफल बनाया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने स्वच्छता कर्मचारियों को सम्मानित किया, सम्मान के प्रतीक के रूप में उनके चरण धोए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की भावना को पुष्ट बनाते हुए कहा, कर्मठ स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करते हुए... मैं स्वच्छ भारत की दिशा में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का अभिवादन करता हूं। वर्ष 2019 के कुंभ ने स्वच्छता और सार्वजनिक स्वच्छता के लिए नए मानक स्थापित किए। वर्ष 2013 में सिर्फ.5,000 सामुदायिक शौचालयों की तुलना में, वर्ष 2019 के आयोजन में 122,500 शौचालय निर्मित किए गए, साथ ही 20,000 डस्टबिन और 160 कचरा उठाने वाली गाड़ियों की व्यवस्था की गई। साफ-सफाई के लिए वाटर जेट स्प्रे मशीन जैसे अभिनव उपायों ने पानी की बबार्दी को काफी हद तक कम किया और स्वच्छता कार्य को आसान बनाया। शौचालयों को सुगमता के लिए रणनीतिक रूप से रखा गया था और इसमें लिंग-विशिष्ट और दिव्यांगता-अनुकूल डिजाइन शामिल थे। महिलाकर्मियों की सेवा के माध्यम से महिलाओं के लिए पिंक शौचालय जबकि बुजुर्गों के अनुकूल शौचालय संचालित किए गए। सीवेज टैंकों की शुरूआत के साथ इनके उपयोग ने नदी में होने वाले प्रदूषण के जोखिम को समाप्त कर दिया। इन शौचालयों की दुर्गंध को दूर करने के लिए एक नवीन तकनीक अपनाई गई थी जिसका पहली बार वर्ष 2018 माघ मेले के दौरान परीक्षण किया गया था और फिर कुंभ 2019 में इसको उपयोग में लाया गया। इसके लिए छात्र शोधकर्ता मेला स्थल पर ही प्रतिदिन लगभग 65,000 लीटर दुर्गंधनाशक द्रव्य तैयार कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, स्वच्छाग्रहियों (स्वच्छता स्वयंसेवकों) ने स्वच्छता बनाए रखने और शौचालय के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईओटी-सक्षम मोबाइल ऐप से लैस, इन स्वयंसेवकों ने विशाल मैदान में 60,000 शौचालयों की निगरानी की, जिससे वास्तविक समय में ही समस्या का समाधान सुनिश्चित किया गया। इस पहल ने न केवल परिचालन दक्षता को बढ़ाया बल्कि स्वयंसेवकों को सशक्त भी बनाया, जिनमें से कई युवा और महिलाएं शामिल थीं।

# घटते छात्र, बढ़ते स्कूल: क्या शिक्षा नहीं अनुकूल?

**सरकारी स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन छात्रों का नामांकन घट रहा है। हरियाणा में साल 2023-24 में सरकारी स्कूलों में नामांकन 22.30 लाख रहा, जो साल 2022-23 के 24.64 लाख से कम है। साथ ही, साल 2023-24 में राज्य में कुल नामांकन 56.41 लाख रहा, जबकि साल 2022-23 में यह 57.76 लाख था।साल 2022-23 में लड़कियों का नामांकन (माध्यमिक) 4.4 प्रतिशत था, जो साल 2023-24 में 4.2 प्रतिशत रह गया। दो सालों में लड़कों का नामांकन 5.7 प्रतिशत से गिरकर 5.4 प्रतिशत हो गया। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने**

**प्रियंका सौरभ**
**(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार )**

शिक्षा के लिए एकीकृत ज़िला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5, 000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14, 89, 115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26, 52, 35, 830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्त्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुँच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है? सरकारी स्कूलों में बेहतरीन सुविधाएँ उपलब्ध होने के बावजूद, दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि नहीं हो रही है। सरकारी स्कूलों में बेहतर सुविधाओं के बावजूद, खराब गुणवत्ता वाली शिक्षा, अपर्याप्त शिक्षक प्रशिक्षण, जवाबदेही की कमी, निजी स्कूलों से प्रतिस्पर्धा और कुछ क्षेत्रों में अच्छे सरकारी स्कूलों की उपलब्धता के बावजूद निजी स्कूलों में बेहतर शिक्षण परिणाम देने की धारणा के कारण अक्सर छात्रों का नामांकन कम रहता है; इससे माता-पिता निजी स्कूलों को चुनते हैं, भले ही वे सरकारी शिक्षा का खर्च वहन कर सकें। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि आजकल छात्र और उनके माता-पिता सरकारी स्कूलों की तुलना में निजी स्कूलों में दाखिला लेना पसंद करते हैं। हम ग्रामीण क्षेत्रों में भी यही प्रवृत्ति देखते हैं, जहाँ अधिकांश माता-पिता कृषि पर निर्भर हैं और कम आर्थिक वर्ग से हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे स्कूलों में बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करें ताकि अधिक से अधिक छात्रों को सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए आकर्षित किया जा सके। सुविधाओं में सुधार के बावजूद सरकारी स्कूलों में कम नामांकन के मुख्य कारण हैं अपर्याप्त शिक्षक प्रशिक्षण, कम प्रेरणा और शिक्षकों की उच्च अनुपस्थिति सरकारी स्कूलों में सीखने की गुणवत्ता को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे माता-पिता बेहतर शिक्षक मानकों वाले निजी स्कूलों का विकल्प चुनते हैं। जब सरकारी स्कूलों में अच्छा बुनियादी ढांचा होता है, तब भी माता-पिता के बीच यह धारणा बनी रहती है कि निजी स्कूल बेहतर शिक्षा प्रदान करते हैं, जिससे निजी संस्थानों को प्राथमिकता मिलती है। सरकारी स्कूलों में खराब निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली शिक्षा की असंगत गुणवत्ता को जन्म दे सकती है, जिससे माता-पिता का आत्मविश्वास और भी कम हो सकता है। सुविधाओं और मार्केटिंग रणनीतियों वाले निजी स्कूलों की तेजी से वृद्धि अक्सर छात्रों को सरकारी स्कूलों से दूर कर देती है, यहाँ तक कि उन क्षेत्रों में भी जहाँ सार्वजनिक शिक्षा के अच्छे विकल्प हैं। कुछ मामलों में, माता-पिता सामाजिक दबाव या उच्च सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले साथियों के नेटवर्क तक पहुँचने की इच्छा के कारण निजी स्कूलों का चयन कर सकते हैं। सरकारी स्कूल हमेशा अपने पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों को आधुनिक शैक्षिक प्रथाओं के साथ संरेखित करने के लिए अपडेट नहीं कर सकते हैं, जिससे गुणवत्ता में अंतर पैदा होता है। हमें सच्चाई को स्वीकार करना होगा, हालाँकि यह कड़वी है। अपर्याप्त सुविधाएँ, शिक्षकों की कम उपस्थिति और पुरानी शिक्षण पद्धतियाँ कुछ ऐसे कारण हैं, जिनके कारण लोग मुफ्त सरकारी स्कूलों को छोड़कर महंगी फीस वाले निजी संस्थानों को चुन रहे हैं, जो कि बहुत अच्छा संकेत नहीं है। समस्या केवल यह नहीं है कि निजी स्कूलों में सरकारी स्कूलों की तुलना में दाखिले अधिक होते हैं। सरकारी स्कूलों में देखभाल और ध्यान कम होगा। सरकारी स्कूलों में प्रक्रिया पर औसत नजर रहेगी। उचित बुनियादी ढांचे की उपलब्धता का सवाल ही नहीं उठता। अपर्याप्त स्टाफ के साथ चलने वाले ज्यादातर स्कूलों में यह बहुत आम बात है। मुख्य रूप से माता-पिता के प्रति उनके बच्चों की शिक्षा के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। जबकि निजी स्कूलों में उपर्युक्त रणनीति के फॉर्मूलेशन उपलब्ध होंगे, इसके अलावा स्कूल की क्षमता बढ़ाने के लिए व्यावसायिक हथकंडे भी जोड़े जाएँगे। देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है। सरकारी स्कूलों में शिक्षण मानकों को बेहतर बनाने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण, योग्य शिक्षकों की भर्ती और प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन को प्राथमिकता दें। स्कूल के प्रदर्शन की निगरानी करने, सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और छात्रों के सीखने के परिणामों के लिए स्कूलों को जवाबदेह बनाने के लिए मजबूत सिस्टम लागू करें। विश्वास बनाने और सरकारी स्कूलों को बढ़ावा देने के लिए स्कूल के निर्णय लेने में माता-पिता और समुदाय के नेताओं को शामिल करें। प्रासंगिकता और वर्तमान आवश्यकताओं के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम की नियमित समीक्षा करें और उसे अद्यतन करें। अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए सरकारी स्कूलों में भौतिक बुनियादी ढांचे में सुधार करने में निवेश करना जारी रखें। नकारात्मक धारणाओं को दूर करने और नामांकन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी स्कूलों में उपलब्ध शिक्षा की गुणवत्ता को उजागर करने वाले अभियान चलाएँ। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें॥

# रिटायर्ड अफसरों के बोझ तले दबा आरटीआई का ढाँचा

**सेवानिवृत्त अधिकारी उन विभागों के खिलाफ निर्णय लेने में संकोच कर सकता है, जिनके लिए उन्होंने कभी काम किया था, जिससे समझौतापूर्ण फैसले होते हैं। पारदर्शिता में विशेषज्ञता की कमी एक बड़ा मुद्दा है। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विशेष ज्ञान की कमी हो सकती है, जो आरटीआई अधिनियम का मुख्य हिस्सा है। सेवानिवृत्त नौकरशाह वर्तमान सामाजिक मुद्दों से कटे हुए हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक शिकायतों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। प्रशासनिक पृष्ठभूमि से आने वाले सूचना आयुक्त समकालीन दृष्टिकोण से सूचना तक पहुँचने के बारे में जनता की चिंताओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। लंबे समय तक सरकारी सम्बद्धता वाले नौकरशाहों की नियुक्ति से जवाबदेही कम हो सकती है, क्योंकि उनके निर्णय सरकारी हितों के साथ संरेखित हो सकते हैं।**

**डॉ सत्यवान सौरभ**
**लेखक**

भारत में सूचना आयुक्तों के रूप में सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। जबकि उनका अनुभव मूल्यवान हो सकता है, इस ने संभावित पूर्वाग्रहों और सीमित प्रतिनिधित्व पर बहस छेड़ दी है। इस तरह के प्रभुत्व के निहितार्थ और उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंड को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की आवश्यकता का पता लगाता है। आरटीआई ढांचे में स्वतंत्रता और विविधता के बारे में कई चिंताएँ हैं। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों का प्रभुत्व एक संकीर्ण, एकरूप दृष्टिकोण बनाता है, जो निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में विविधता को कम करता है। सेवानिवृत्त नौकरशाहों को अक्सर प्रतिष्ठान का हिस्सा माना जाता है, जिससे सरकार की कार्रवाइयों को निष्पक्ष रूप से चुनौती देने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है। पूर्व सरकारी कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों के प्रति पूर्वाग्रह प्रदर्शित कर सकते हैं, जिससे अपीलों को संभालने में निष्पक्षता कम हो सकती है। एक सेवानिवृत्त अधिकारी उन विभागों के खिलाफ निर्णय लेने में संकोच कर सकता है, जिनके लिए उन्होंने कभी काम किया था, जिससे समझौतापूर्ण फैसले होते हैं। पारदर्शिता में विशेषज्ञता की कमी एक बड़ा मुद्दा है। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विशेष ज्ञान की कमी हो सकती है, जो आरटीआई अधिनियम का मुख्य हिस्सा है। सेवानिवृत्त नौकरशाह वर्तमान सामाजिक मुद्दों से कटे हुए हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक शिकायतों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। प्रशासनिक पृष्ठभूमि से आने वाले सूचना आयुक्त समकालीन दृष्टिकोण से सूचना तक पहुँचने के बारे में जनता की चिंताओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। लंबे समय तक सरकारी सम्बद्धता वाले नौकरशाहों की नियुक्ति से जवाबदेही कम हो सकती है, क्योंकि उनके निर्णय सरकारी हितों के साथ संरेखित हो सकते हैं। विशिष्ट राजनीतिक दलों से सम्बंध रखने वाले नौकरशाह सरकारी निर्णयों को चुनौती देने में अनिच्छा दिखा सकते हैं, जिससे आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता कम हो सकती है। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व का प्रभाव पड़ता है। जब चयन पूल में विविधता का अभाव होता है, तो जनता आरटीआई ढांचे की तटस्थता में विश्वास खो सकती है। सीमित नए दृष्टिकोण वाले नौकरशाहों का प्रभुत्व अक्षमता में योगदान देता है, जिससे आरटीआई अपीलों के प्रसंस्करण में देरी बढ़ जाती है। सीआईसी के 23, 000 अपीलों का बैकलॉग बताता है कि नए दृष्टिकोण के बिना नौकरशाही नियुक्तियाँ नागरिक शिकायतों के समय पर समाधान में बाधा बन सकती हैं। नियुक्तियों में विविधता की कमी के परिणामस्वरूप समान पृष्ठभूमि वाले कुछ व्यक्तियों के हाथों में शक्ति केंद्रित हो जाती है। यह प्रथा नवीन विचारों या दृष्टिकोण में परिवर्तन को रोकती है जो आरटीआई अधिनियम की प्रभावकारिता में सुधार कर सकते हैं। विविध इनपुट के बिना, आरटीआई ढांचा आधुनिक आवश्यकताओं के अनुकूल होने में विफल हो सकता है, जिससे सुधार रुक सकते हैं जो इसे और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। अगर लोगों को लगता है कि निर्णय पक्षपातपूर्ण हैं या पूर्व सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रभावित हैं, तो वे आरटीआई प्रक्रिया से जुड़ने के लिए कम इच्छुक महसूस कर सकते हैं।योग्य उम्मीदवारों के पूल को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की तत्काल आवश्यकता है। विभिन्न विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को शामिल करने से निर्णय लेने में व्यापक दृष्टिकोण आएगा। यह आरटीआई ढांचे में विविध दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है। यूके जैसे देशों में, सूचना आयुक्त कानून, पत्रकारिता और शिक्षा जैसे पृष्ठभूमि से आते हैं, जो स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बढ़ावा देते हैं। एक सार्वजनिक, पारदर्शी चयन प्रक्रिया निष्पक्षता को बढ़ावा देगी और सभी को सूचना आयुक्त की भूमिकाओं के लिए आवेदन करने का समान अवसर देगी। अमेरिका कई सरकारी निगरानी भूमिकाओं के लिए एक सार्वजनिक नामांकन प्रक्रिया का उपयोग करता है, जो उम्मीदवारों के चयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। कार्यकाल सीमित करने और आयु प्रतिबंध लागू करने से नए दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है और सूचना आयोगों के भीतर गतिशील नेतृत्व की अनुमति मिल सकती है। ऑस्ट्रेलिया जैसे कई राष्ट्र वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यकाल को सीमित करते हैं ताकि दीर्घकालिक रूप से जड़ता से बचा जा सके और नए विचारों को प्रोत्साहित किया जा सके। नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ एक अधिक समावेशी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि आरटीआई प्रणाली जनता की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य शामिल हैं, जो विविध दृष्टिकोणों के माध्यम से मानवाधिकारों के प्रति अपने दृष्टिकोण को मजबूत करते हैं। आवेदनों के लिए आउटरीच और जागरूकता का विस्तार करना: रिक्तियों को सक्रिय रूप से प्रचारित करना और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाना विभिन्न पेशेवर पृष्ठभूमि से उम्मीदवारों को आकर्षित करने में मदद करेगा, जिससे अधिक विविध पूल बनेंगे। न्यूजीलैंड जैसे देश सार्वजनिक क्षेत्र की रिक्तियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों से कुशल पेशेवर आकर्षित होते हैं। आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए, सुधार आवश्यक हैं। विविध क्षेत्रों के पेशेवरों को शामिल करके पात्र उम्मीदवारों के पूल का विस्तार करने से नए दृष्टिकोण आ सकते हैं, पूर्वाग्रह कम हो सकते हैं और जवाबदेही बढ़

## मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख पर्वों में एक है

**जितेन्द्र कुमार सिन्हा**

ग्रहों के राजा सूर्य देव जब मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तब मकर संक्राति मनाया जाता है, इसलिए मकर संक्राति को सूर्यदेव की आराधना का पर्व कहा जाता है। यह दिन सूर्य के उत्तरायण होने का भी प्रतीक है, जिसे भारतीय संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन और समृद्धि का संकेत माना जाता है। मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख पर्वों में एक है। मकर संक्रांति (संक्रान्ति) पूरे भारत में मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें दिन यानि 14 तारीख को मनाया जाता है । विगत कुछ वर्षों में इसे ग्रहों की चाल के कारण पन्द्रहवें दिन यानि 15 तारीख को मनाया गया है। मकर संक्रान्ति के दिन सूर्य धनु राशि से चलकर मकर राशि में प्रवेश करता है। इस वर्ष मकर संक्रान्ति 14 जनवरी 2025 को मनाई जाएगी। वैदिक पंचांग के अनुसार 14 जनवरी 2025 को सुबह 9 बजकर 3 मिनट पर सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेगा, इसलिए यह समय शुभ मुहूर्त है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में इस बार लोहड़ी 13 जनवरी को मनाई जाएगी। जबकि तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के जिन-जिन हिस्सों में पोंगल का पर्व मनाया जाता है, उसकी तिथियां 14 से 17 जनवरी तक होगी यानि 14 से 17 जनवरी तक पोंगल मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल सहित पूर्वोत्तर राज्यों में बिहू का पर्व मनाया जाता है और बिहू 14-15 जनवरी को मनाया जाएगा। मकर संक्रांति, भारत के सबसे महत्वपूर्ण, पवित्र और सास्कृतिक पर्व में से एक है। इसे मनाने के पीछे अनेक धार्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक कारण है। यह किसी क्षेत्र विशेष का पर्व नहीं है बल्कि भारत के हर कोने में अलग-अलग नाम और तौर-तरीकों से मनाया जाने वाला महापर्व है। सनातन संस्कृति का महापर्व है मकर संक्रांति। मकर संक्रांति पंजाब और हरियाणा में लोहड़ी, गुजरात और महाराष्ट्र में उत्तरायण, उत्तर प्रदेश और बिहार में खिचड़ी और तिला संक्रांत, दक्षिण भारत में तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में पोंगल, पश्चिम बंगाल में गंगा सागर मेला, असम तथा पूर्वोत्तर में भोगाली बिहू के नाम से जाना जाता है। कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश में इसे संक्रांति कहते हैं, जबकि देश के अलग अलग हिस्सों में संक्रांति के अलावा भी इसके कई स्थानीय नाम लिए जाते हैं। भले ये सब एक ही समय पर मनाए जाने वाले अलग-अलग पर्व हों, लेकिन इन सभी अलग अलग नामों में विराट सनातन संस्कृति का दर्शन होता हैं।मकर संक्रांति पर्व कृषि कर्मों, धार्मिक क्रिया- कलाप और आस्था का पर्व हैं। इस पर्व को भारत के साथ-साथ नेपाल में भी पूरी धार्मिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन भागीरथ के पीछे-पीछे गंगा चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होते हुए गंगासागर में जाकर मिली थी। मकर सक्रांति के दिन गंगा-संगम नदी में स्नान करने की मान्यता है। इस दिन गंगा में डूबकी लगाने के बाद दान पुण्य करने से, मोक्ष की प्राप्ति होती है। दान में काली उड़द की खिचड़ी, काला तिल, गुड़, नमक, सर्दियों के काले कपड़े, तेल और चावल दान करना शुभ माना जाता है। मकर संक्रांति पर्व का सिर्फ सांस्कृतिक महत्व ही नहीं होता है बल्कि इसका अपना वैज्ञानिक और खगोलीय महत्व भी है। मकर संक्रांति वह दिन होता है, जब सूर्य मकर रेखा को पार कर उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ने लगता है। इसलिए इस दिन शीत ऋतु के अंत होने और बसंत ऋतु की शुरूआत होने का प्रतीक भी माना जाता है। इस दिन से दिन का समय लंबा और रात का समय छोटा होने लगता हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि सर्दी धीरे-धीरे कम होने लगती है और गर्मी धीरे-धीरे बढ़ने लगती है। फसल की कटाई और नए सत्र की शुरूआत का भी सही समय माना जाता है। मान्यता है कि भीष्म पितामह ने संक्रांति के दिन ही शरीर त्यागने के लिए सही समय माना था, इसलिए इस दिन को साधना और सिद्धि का भी दिन माना जाता है। मकर संक्रांति के साथ कुछ खाद्य सामग्री के उपयोग की प्राचीन परंपरा है। जिन वस्तुओं के खान-पान की परिपाटी है, उनमें प्रायः सभी नवी फसल आते हैं। धान की नयी फसल आ चुकी होती है। इसलिए चूड़ा और खिचड़ी का महत्व रहता है। चावल से फरही और चूड़े की लाई बनाई जाती है। कार्तिक महीने से नया गुड़ बाजार में आ जाता है। तिल और गुड़ का उपयोग आने वाले मौसम के लिए शरीर को तैयार रखने के लिए खाया जाता है। तिल को सर्वोतम तैलीय पदार्थों में एक माना जाता है। शरीर में जमें धूल-कण की बाहर निकाल कर आंतरिक गड़बड़ियों को दूर करता है। चिकित्सकों की मानें तो गुड़ और तिल मिल कर शरीर की आंतरिक सफाई करता हैं और कफ- पित्त को संतुलित रखता हैं। शरीर को भरपूर ऊर्जा और गर्मी मिलती रहे, इसलिए लोग मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ तथा उससे बने सामग्रियों का सेवन करते हैं।

# स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं धर्म के सभी साधन : योगी

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि धर्म के सभी साधन स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों को समझने के लिए आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष व्याख्यान में श्री योगी ने कहा ह्व भारतीय मनीषा मानती है कि ह्यशरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्ह्ल। अर्थात धर्म की साधना के लिए शरीर ही माध्यम है। धर्मपरक जीवन से ही अर्थ, कामनाओं की सिद्धि और फिर मोक्ष प्राप्ति संभव है। इस परिप्रेक्ष्य में धर्म साधना से जुड़े जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता के समान है।ह्व

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ह्यआयुर्वेद, योग और नाथपंथ का मानवता के प्रति योगदानह्ल विषय पर केंद्रित अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की मान्यता है कि चराचर जगत पंचभूतों से बना है। इन्हीं पंचभूतों से हमारा शरीर भी बना है। महायोगी गुरु गोरखनाथ ने भी कहा है कि पिंड में ही ब्रह्मांड समाया है। जो तत्व ब्रह्मांड में है वही हमारे शरीर में भी हैं।

उन्होने कहा कि भारतीय मनीषा में हर व्यक्ति के जीवन का एक अभीष्ट होता है, धर्म के पथ पर चलते हुए मोक्ष की प्राप्ति करना प्रति करना। धर्म की साधना के लिए स्वस्थ शरीर की अपरिहर्ता हमारे ऋषियों, मुनियों ने बताई है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद, योग और नाथपंथ, तीनों नियम-संयम पर जोर देते हैं। आयुर्वेद में जहां व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों और पंचकर्म की पद्धतियां हैं तो वही योग में भी हठयोग, राजयोग, ज्ञानयोग, लययोग और क्रियायोग की विशिष्ट विधियां हैं। इसी क्रम में शरीर की आरोग्यता के लिए नाथपंथ का हठयोगी योग को खट्कर्म से जोड़ता है। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की पद्धतियां, तीनों ही वात, पित्त और कफ से जनित रोगों के निदान के लिए एक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं और वह मार्ग है नियम-संयम। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ तीनों ही व्यवहारिकता के स्तर पर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। तीनों ने ही शरीर को पंचभौतिक माना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नियम-संयम का जीवन में बड़ा महत्व है। योग ने उसी को जोड़ा है। अंतःकरण की शुद्धि नियम-संयम से ही हो सकती है। नाथ योगियों ने क्रियात्मक योग के माध्यम से नियम संयम की विशिष्ट विधा दी है। कौन सी क्रिया का लाभ कब प्राप्त होगा, नाथ योगियों ने इसे विस्तार से समझाया है। उन्होंने कहा कि योग के कई आसनों के नाम नाथ योगियों के नाम पर हैं जैसे गोरखआसन, मत्स्येंद्रआसान, गोमुखआसन आदि। सीएम योगी ने कहा कि नाथ परंपरा में हर नाथ योगी जनेऊ धारण करता है जो उसे शरीर की नाड़ियों से अवगत कराता है। नाथ जनेऊ की उपयोगिता उसे योगी की दीक्षा के समय बताई जाती है। योग हर नाथ योगी के जीवन का अभिन्न हिस्सा होता है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु गोरखनाथ ने चेतना के उच्च आयाम तक पहुंचाने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने चेतन मन के साथ ही अवचेतन और अचेतन मन को साधने की क्रिया भी सिखाई है। मानव मन, बिना साधना के जितना चेतन होता है वह संपूर्ण चेतना का बहुत छोटा भाग है। योग के माध्यम से साधना की चरम सीमा पर जाकर हम अवचेतन और अचेतन मन के रहस्यों को उद्घाटित कर सकते हैं। नाथ योगियों की साधना का उद्देश्य भी यही रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शरीर की यही साधना अष्ट सिद्धियों और नौ निधियों को प्राप्त करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जीवन के लिए प्राण आवश्यक है उसी प्रकार मन की वृत्तियों और शरीर के बीच तारतम्य स्थापित करने के लिए प्राणायाम भी आवश्यक है।

उन्होने कहा कि अपने प्राचीन ज्ञान के धरोहरों से हमने दूरी बनानी प्रारंभ की तो एक समय ऐसा भी आ गया कि भारतीय हीन भावना का विषय बन गए। अपने दिव्यज्ञान के स्रोत से वंचित होते गए। हमारी प्राचीन आयुर्वेद की दवाओं को बाहरी लोगों ने पेटेंट करना शुरू कर दिया। आज यह सुखद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत की प्राचीन ज्ञान धारा, आयुर्वेद और योग को फिर से प्राचीन गौरव प्राप्त हो रहा है। पूरी दुनिया एक बार फिर आयुर्वेद और योग के प्रति केंद्रित होकर भारत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति अति प्राचीन है। सृष्टि के कालखंड की सबसे प्राचीन संस्कृति भारतीय संस्कृति को माना जाता है। अलग-अलग कालखंड में ऋषियों, मुनियों ने अपनी ज्ञान के धारा के अनुभव से इसे नया आयाम प्रदान किया। पहले ज्ञान की परंपरा गुरु शिष्य के माध्यम से श्रवण परंपरा थी। उसे लिपिबद्ध करने का कार्य महर्षि वेदव्यास ने चार संहिताओं के माध्यम से किया। महर्षि वेदव्यास ने न केवल चार वेदों ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की रचना की बल्कि उन्होंने श्रीमद्भागवत पुराण समेत 18 पुराणों की रचना को भी ज्ञान से जोड़कर भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाया। महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित श्रीमद्भागवत पुराण आज भी भारत वासियों को धर्म का सही मार्ग दिखाता है।

उन्होने कहा कि मोक्ष या मुक्ति सिर्फ मरण से नहीं मिलती है बल्कि श्रीमद्भागवत के अनुसार धर्म के पथ पर चलते हुए सफलता के चरम पर पहुंचना ही मोक्ष है। महर्षि वेदव्यास ने भागवत पुराण के माध्यम से यह शिक्षा दी है कि सभी लोग धर्म के मार्ग का अनुसरण करें। धर्म के मार्ग का अनुसरण करने पर अर्थ और कामनाओं की भी सिद्ध हो सकती है।

श्री योगी ने कहा कि भारतीय मनीषा ने धर्म को उपासना तक सीमित नहीं माना है। धर्म का स्वरूप विराट परिप्रेक्ष्य में निर्धारित किया गया है। कर्तव्य, सदाचार और नैतिक मूल्य के विशिष्ट जीवन पद्धति को समग्र रूप में भारतीय मनीषा धर्म के रूप में स्थापित करती है। धर्म के मार्ग से अर्थ और कामनाओं की सिद्धि से मोक्ष अपने आप प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि हिंदू कहलाने के लिए मंदिर जाना या धार्मिक ग्रंथो का पढ़ना आवश्यक नहीं है। हमारी सनातन परंपरा में धर्म को एक व्यापक दृष्टि से देखा और समझा गया है।

उन्होने कहा कि एक विश्वविद्यालय या शिक्षा संस्थान रचनात्मक कार्यों से वर्तमान पीढ़ी को नवीन ज्ञान से ओतप्रोत करता है। हमारे वैदिक संस्कृति का सूत्र भी यही है, आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः। अर्थात ज्ञान के लिए सभी दरवाजे खुले रखो। ऐसे में इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से ज्ञान के प्रति जड़ता तोड़ने और उसे नवीनता से परिपूर्ण करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, बीएचयू के वरिष्ठ आचार्य डॉ. के. रामचंद्र रेड्डी, इजराइल के आयुर्वेद औषधि विशेषज्ञ वैद्य गुई लेविन, श्रीलंका से आए आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. टी. वीररत्ना, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित संगोष्ठी में देश और दुनिया से प्रतिभागी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## महाकुंभ की व्यवस्था से उमा भारती हुईं प्रसन्न, सीएम योगी की तारीफ की

प्रयागराज। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने संगम की रेती पर लगे आस्था के सबसे बड़े मेले महाकुंभ में व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री योगी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि धन्य है भारत, धन्य है श्री प्रयागराज और धन्य है महाकुंभ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का करोड़ों भारतवासियों की ओर से मेरा अभिनंदन।

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सोमवार को लिखा कि मैं आज सवेरे प्रयागराज पहुंच गई। महाकुंभ क्षेत्र में नहीं हूं, शहर के अंदर रुकी हुई हूं। आज सवेरे जब श्री प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर उतरी तो भ्रम और भय दोनों दूर हो गए। स्टेशन से लेकर पूरे रास्ते में तीर्थ यात्रियों के लिए सुविधा, सुरक्षा इतनी अच्छी है, जो आज तक नहीं देखी।

उन्होंने लिखा कि ठंड के बारे में जो भ्रम था, उतनी नहीं है, फिर भी प्रशासन जी की ओर से ठंड से मुकाबले की भी बहुत अच्छी व्यवस्था कर रखी है। 1977 से मैंने श्री प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान शुरू किए हैं, तब से लेकर इस महाकुंभ तक यहां आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए इतनी अच्छी व्यवस्था, सुरक्षा, सुविधा, प्रशासन एवं पुलिस का अति विनम्र व्यवहार पहले कभी नहीं देखा। उन्होंने आगे लिखा कि धन्य है भारत, धन्य है श्री प्रयागराज और धन्य है महाकुंभ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का करोड़ों भारतवासियों की ओर से मेरा अभिनंदन। प्रयागराज के पावन संगम तट पर महाकुंभ 2025 का पहला स्नान पर्व पौष पूर्णिमा को सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में शुरू हो गया। देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान भक्तों पर हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा की गई।


## काशी विश्वनाथ में 11 जनवरी से 28 फरवरी तक स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी। प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत सोमवार से हो गई है। इसके चलते अब श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन भीड़ प्रबंधन के लिए सतर्क हो गया है। इस दौरान 11 जनवरी से महाशिवरात्रि के दो दिन बाद 28 फरवरी तक बाबा के स्पर्श दर्शन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर में 11 जनवरी से प्रोटोकॉल लागू है और 28 फरवरी तक स्पर्श दर्शन पूर्णता हर समय प्रतिबंधित किया गया है। मंगला आरती के अतिरिक्त अन्य समस्त आरतियों के टिकट भी नहीं जारी हो रहे हैं। सभी को झांकी दर्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक ही विशिष्ट अनुरोध स्वीकार किए जाएंगे। विशिष्ट अनुरोध के अंतर्गत भी स्पर्श दर्शन की व्यवस्था नहीं प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस दौरान कभी श्रद्धालुओं की संख्या कम हुई तो यदि हम कोई विशेष सुविधा श्रद्धालुओं को दे पाते हैं तो उस पर भी निर्णय लिया जाएगा। उस चीज से अवगत कराते हुए आपको सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। अभी जो सामान्य सुविधा बनाई गई है। उसके लिए सभी से अपील है कि इस पर सहयोग करें। महादेव के दर्शन तथा महाकुंभ पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं के धार्मिक अनुभवों को अविस्मरणीय और अभूतपूर्व बनाने में एक अच्छे नागरिक के रूप में व्यवहार करें। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सहयोग का आग्रह किया है ताकि महाकुंभ को लेकर लागू आयोजन सुचारू रूप से हो संपन्न हो सके और सभी श्रद्धालुओं को दर्शन की सुगम सुविधा मिल सके। महाकुंभ आयोजन के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचेंगे, ऐसे में गर्भगृह में किसी भी प्रकार की भीड़ नहीं हो, इसलिए यह निर्णय लिया गया है।


## पहले स्नान पर्व पर मुस्तैद नजर आई पुलिस, बनी मददगार, विनम्रता से जीता दिल

महाकुंभ नगर। महाकुंभ के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की अगाध श्रद्धा देखने को मिली। करोड़ों की संख्या में लोग पुण्य स्नान के लिए संगम तट की ओर उमड़ पड़े। इस दौरान जो सबसे अनूठी चीज देखने को मिली, वह पुलिस का व्यवहार रहा। यूं तो श्रद्धालुओं को राह दिखाने के लिए मेला प्रशासन की ओर से 800 के करीब साइनेज लगाए गए हैं, लेकिन राह दिखाने के लिए योगी सरकार की पुलिस पर लोगों ने ज्यादा भरोसा दिखाया।

पांटून ब्रिज हो या सेक्टर, श्रद्धालु जब भी पुलिस बल से कहीं भी जाने की राह पूछते, तो पुलिस कर्मी उन्हें पूरी विनम्रता के साथ उनके गंतव्य के लिए राह दिखा देते। पुलिस की यह विनम्रता देखकर श्रद्धालु भी बेहद खुश नजर आए। महाकुंभ को लेकर इस बार योगी सरकार के निर्देश पर बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग कराई गई है। परेड स्थित पुलिस लाइन में लगातार दो महीने तक पुलिसकर्मियों को बिहेवियर की ट्रेनिंग कराई गई है, जिसका असर सोमवार को पहले स्नान पर्व पर दिखाई दिया। बड़ी संख्या में लोग पुलिसकर्मियों से पांटून ब्रिज पर आने और जाने के विषय में जानकारी लेते रहे। इसी तरह, सेक्टर की जानकारी के लिए भी पुलिसकर्मी ही श्रद्धालुओं की पहली प्राथमिकता रहे। खास बात यह थी कि पुलिसकर्मियों ने भी कुशल व्यवहार का परिचय देते हुए पूरी विनम्रता से श्रद्धालुओं की मदद की। यही नहीं, पुलिसकर्मी बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग लोगों की मदद करते भी नजर आए। पहले स्नान पर्व पर भारी भीड़ के अनुमान को देखते हुए घाटों पर भारी पुलिस फोर्स को तैनात किया गया, जबकि पांटून ब्रिज पर भी एंट्री और एग्जिट प्वॉइंट पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स का डेप्लॉयमेंट नजर आया।

गंगा के दोनों तरफ सभी प्रमुख चौराहों पर पुलिस सहायता बूथों की स्थापना की गई थी, जहां पर पुलिस कर्मी चौकन्ने और मुस्तैद नजर आए। चौराहों पर वॉच टावर पर भी पुलिस बल सक्रिय रहे और उन्होंने हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी। एसएसपी महाकुंभ राजेश द्विवेदी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद है। एक दिन पहले से ही सभी पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी पर पूरी तत्परता से कार्य कर रहे हैं। घाटों पर भी पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

## उत्तर प्रदेश: मुजफ्फरनगर में वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत

मुजफ्फरनगर। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के उमरपुर चौकी के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना शाहपुर थाना क्षेत्र के उमरपुर चौकी के पास रविवार देर रात हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान आमिर (18) और सुहैल (19) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, घटना उस समय हुई जब दोनों युवक शाहपुर से बुढ़ाना शहर लौट रहे थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ह्यह्यदुर्घटना के बाद दोनों युवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में जांच जारी है।

## संक्षिप्त खबरें

### बुलंदशहर में कार नहर में गिरी, युवक का शव बरामद

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक कार के वलीपुरा नहर में गिरने के छठे दिन पुलिस ने उसमें सवार एक युवक का शव बरामद किया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आठ जनवरी की रात को हुए इस घटना में लापता दो लोगों में से एक का शव सोमवार को खुर्जा नगर थाना क्षेत्र में मूंडाखेड़ा नहर से बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे व्यक्ति की तलाश जारी है। अधिकारी के मुताबिक, सोमवार को जिस व्यक्ति का शव बरामद किया गया, उसकी पहचान कोतवाली नगर क्षेत्र के आनंद विहार निवासी अर्पित शर्मा (29) के रूप में हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया, आठ जनवरी की रात को एक स्विफ्ट कार कोतवाली नगर क्षेत्र में वलीपुरा नहर में गिर गई थी, जिसमें दो युवक सवार थे। एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल), एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) की टीमों और स्थानीय गोताखोरों की मदद से लगातार तलाश एवं बचाव अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया, आज सुबह हमें सूचना मिली कि खुर्जा नगर क्षेत्र में एक शव मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

### बरेली में पत्नी से विवाद को लेकर युवक ने किया आत्मदाह

बरेली। बरेली शहर के मुस्तफा नगर सैदपुर खजुरिया में पत्नी से हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति ने अपने ऊपर मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगा ली। बाद में अस्पताल में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया । पुलिस अधीक्षक (नगर) मानस पारीक ने बताया कि थाना बारादरी के सकलेन नगर का रहने वाला 40 वर्षीय सलीम कबाड़ का काम करता था। वह अपनी पत्नी नजमीन के साथ मुस्तफा नगर सैदपुर खजुरिया थाना कैंट में किराए के मकान में रह रहा था। रविवार रात उसका किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हो गया।

# काशी विश्वनाथ में 11 जनवरी से 28 फरवरी तक स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी। प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत सोमवार से हो गई है। इसके चलते अब श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन भीड़ प्रबंधन के लिए सतर्क हो गया है। इस दौरान 11 जनवरी से महाशिवरात्रि के दो दिन बाद 28 फरवरी तक बाबा के स्पर्श दर्शन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर में 11 जनवरी से प्रोटोकॉल लागू है और 28 फरवरी तक स्पर्श दर्शन पूर्णता हर समय प्रतिबंधित किया गया है। मंगला आरती के अतिरिक्त अन्य समस्त आरतियों के टिकट भी नहीं जारी हो रहे हैं। सभी को झांकी दर्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक ही विशिष्ट अनुरोध स्वीकार किए जाएंगे। विशिष्ट अनुरोध के अंतर्गत भी स्पर्श दर्शन की व्यवस्था नहीं प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान कभी श्रद्धालुओं की संख्या कम हुई तो यदि हम कोई विशेष सुविधा श्रद्धालुओं को दे पाते हैं तो उस पर भी निर्णय लिया जाएगा। उस चीज से अवगत कराते हुए आपको सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। अभी जो सामान्य सुविधा बनाई गई है। उसके लिए सभी से अपील है कि इस पर सहयोग करें। महादेव के दर्शन तथा महाकुंभ पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं के धार्मिक अनुभवों को अविस्मरणीय और अभूतपूर्व बनाने में एक अच्छे नागरिक के रूप में व्यवहार करें। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सहयोग का आग्रह किया है ताकि महाकुंभ को लेकर लागू आयोजन सुचारू रूप से हो संपन्न हो सके और सभी श्रद्धालुओं को दर्शन की सुगम सुविधा मिल सके। महाकुंभ आयोजन के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचेंगे, ऐसे में गर्भगृह में किसी भी प्रकार की भीड़ नहीं हो, इसलिए यह निर्णय लिया गया है।

# महाकुंभ में उमड़ी भीड़ में मोदी- योगी के कटआउट संग सेल्फी लेने का दिखा क्रेज

प्रात : किरण संवाददाता

महाकुंभ नगर। महाकुंभ के पहले पौष पूर्णिमा स्नान पर्व को लेकर सोमवार को संगम तट पर उमड़ी भीड़ में पीएम मोदी और सीएम योगी की तस्वीरों संग सेल्फी लेने और फोटो खिंचाने की होड़ दिखाई दी। नंदी द्वार पर लगे कटआउट के साथ तस्वीरें खिंचाने और सेल्फी लेने के लिए लोगों की भीड़ जमा दिखाई दी। भीड़ में महिलाओं और युवकों की भी संख्या सेल्फी और फोटो की होड़ में दिखी।

मध्य प्रदेश के उज्जैन से आए ब्रजेश शर्मा ने कहा कि वे पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ दोनों के प्रशंसक हैं। इस तस्वीर ने उन्हें आकर्षित किया। पूरे परिवार ने सेल्फी ली और फोटो खिंचवाई है। यहां महाकुंभ मेले में अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं। महाराष्ट्र के पूना से महाकुंभ मेला में स्नान करने आईं सुगंमा ढिप्पो ने कहा कि यहां महाकुंभ मेले में काफी अच्छी व्यवस्थाएं हैं। नंदी द्वार पर हमने पीएम मोदी और सीएम योगी की काफी आकर्षक तस्वीर देखी तो उनके संग सेल्फी ली। हमारा पूरा परिवार इन दोनों नेताओं का फैन है।

दिल्ली से आई सुनीता स्वामी ने कहा कि हमें किस्मत से ये दोनों नेता मिले हैं। महाकुंभ मेले में हमें इन नेताओं की इतनी आकर्षक तस्वीर दिखाई दी तो हमने इनके साथ सेल्फी ली। हमारा पूरा परिवार इन नेताओं की कार्यशैली का मुरीद है।

उत्तर प्रदेश के कौशांबी से आए मनोज कुमार सिंह ने दोनों नेताओं के कटआउट के साथ सेल्फी ली। मनोज ने मेले और स्नान की व्यवस्थाओं की तारीफ की। मनोज ने कहा कि योगी जी और मोदी जी ने महाकुंभ की काफी अच्छी व्यवस्था की है।

# सरकार देगी गरीबों के इलाज का पूरा पैसा ,अस्पताल दें इस्टीमेटः मुख्यमंत्री योगी

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुरए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से सुने। जिन्हें इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की आवश्यकता है तो उनके अस्पताल की इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ सभागार में आयोजित जनता दर्शन में करीब 100 लोगों से मुलाकात की। एक.एक करके उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण निष्पक्ष रूप से उसकी संतुष्टि के अनुरूप किया जाना सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को भी चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी।

इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन का इलाज पीजीआई लखनऊ में कराने के लिए अपनी आर्थिक तंगी का जिक्र किया इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसे आत्मीय संबल देते हुए कहा, अस्पताल में भर्ती कराकर इस्टीमेट मंगवा लीजिए। परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, उपचार का पैसा सरकार देगी। एक अन्य महिला ने अपने परिजन का इलाज बीआरडी मेडिकल कॉलेज में होने का जिक्र कर मदद मांगी तो सीएम ने इसके लिए पास में मौजूद अफसरों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया साथ ही उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया।

# श्री वेंक्टेश्वरा में देश की समद्धि एवं शान्ति की कामना के साथ धूमधाम से मनाया लोहड़ी का पर्व

प्रात : किरण संवाददाता

- सुख,समृद्धि एवं शान्ति भाईचारे का सबसे बड़ा पर्व है लोहड़ीः डा. सुधीर गिरि

अमरोहा। उत्तर भारत के सबसे प्रमुख पर्व में से एक लोहड़ी के पावन अवसर पर श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में सोमवार को धूमधाम से लोहड़ी मनायी गयी। विश्वविद्यालय प्रबन्धन/स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओ ने अग्नि शिखा/अलाव की परिक्रमा करते हुए सभी देशवासियों के अच्छे स्वास्थय सुख, समृद्धि एवं शान्ति की मंगलकामनायें करते हुए ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। श्री वेंकटेश्वरा संस्थान के ध्यानचन्द खेल परिसर में आयोजित लोहड़ी पर्व पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि एवं प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, डा. मधु चतुर्वेदी ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया । इसके बाद सभी ने गुड़, पके चावल, तिल, मक्का के दाने, गजक अग्नि को अर्पित करते हुए अग्नि शिखा की कई परिक्रमा करते हुए लोहड़ी की प्रार्थना सुन्दर मुन्दरिये हो, तैरा कौन विचारा हो के साथ की श्री वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने सभी को लोहड़ी की शुभकामनायें देते हुए इसको सर्वधर्म का त्यौहार बताया। उन्होने कहा कि लोहड़ी का किसी विशेष धर्म / सम्प्रदाय से कोई लेना देना नहीं है।यह देशवासियों की सुख समृद्धि एवं शान्ति के लिए मनाया जाता है।प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी ने कहा कि हमारे देश में इतने धर्म, जातियां, भाषायें होने के बाद भी हमारे उच्च संस्कारो, नैतिक मूल्यों एवं समृद्ध संस्कृति का लोहा पूरा विश्व मानता है। लोहड़ी प्रत्येक देशवासी के अच्छे स्वास्थ समृद्धि एवं शान्ति की मंगलकामना के लिए है। इसके बाद छात्र-छात्राओ ने ढोल एवं डी.जे. की थाप पर ह्नदिल करे मै तो भांगडे विच तेरे नाल नाँचाह्व एवं ढोल जगीरो दा सावन में लग गयी आग जैसे पंजाबी गानो पर जमकर गिद्दा एवं भांगडा कियाःइ सके बाद सभी ने मूंगफली, रेवड़ी एवं पापकॉर्न एक दूसरे को भेंट कर विश्व शान्ति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। कार्यक्रम को कुलपति प्रो. (डा.) कृष्णकांत दवे एवं डा. मधु चतुर्वेदी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर रंजित सिंह मुल्तानी, डा. राजेश सिंह, डा. योगेश्वर शर्मा, डा. विश्वनाथ झा, डा. सी.पी. सिंह, डा. स्नेहलता गोस्वामी, डा. प्राची, डा. एना ब्राउन, डा. प्रिया यादव, आकांक्षा, रिंकी शर्मा, डा. आरती गुप्ता, अरुण कुमार गोस्वामी, सी. एफ.ओ. विकास भाटिया, विवेक शर्मा, सौरव यादव, पार्थ, लोकेश शर्मा, अंजली, आरती, मोहित कुमार, मीडिया प्रभारी मेरठ परिसर निदेशक डा. प्रताप सिंह एवं विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

# दिल्ली विधानसभा चुनाव : शाहदरा विधानसभा सीट पर आप व भाजपा के बीच है मुख्य मुकाबला

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिहाज से शाहदरा विधानसभा एक हाईप्रोफाइल सीट है। जहां मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच माना जा रहा है। वर्तमान में यहां से आप के रामनिवास गोयल विधायक हैं। उन्होंने दो बार इस सीट से जीत दर्ज की। वहीं, इस बार आप ने इस सीट से जितेंद्र सिंह शंटी को टिकट थमाया है, जिन्होंने हाल ही में भाजपा से आप का दामन थामा है।

दरअसल, रामनिवास गोयल ने अपनी बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए इस बार चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। उन्होंने इस संबंध में आपसंयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र भी लिखा था। वहीं, शाहदरा इलाके की बात करें, तो इसे मुगलकाल में बसाया गया था, जो मौजूदा समय में एक जिले का रूप ले चुका है। शाहदरा जिले में आवासीय क्षेत्र भी शामिल हैं और यह सेंट्रल दिल्ली के चांदनी चौक और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के करीब है। जीटी रोड टोल के पास के क्षेत्र को शाहदरा बॉर्डर कहा जाता है।

2025 के विधानसभा चुनाव में यहां मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच माना जा रहा है। वहीं, राजनीतिक प्रेक्षक इस बात को स्वीकार करते हैं कि कांग्रेस यहां तीसरे पक्ष के रूप में एक बड़ी भूमिका निभा सकती है। इस बार आम आदमी पार्टी ने यहां जितेंद्र सिंह शंटी को चुनावी मैदान में उतारा है, जबकि भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक इस सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। उधर, 2020 के विधानसभा चुनाव की बात करें, तो यहां आम आदमी पार्टी के नेता राम निवास गोयल ने जीत का परचम लहराया था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेता संजय गोयल को पराजित कर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस के प्रत्याशी नरेंद्र नाथ तीसरे नंबर पर रहे थे। इस सीट पर कुल आठ प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। रामनिवास गोयल ने बीजेपी प्रत्याशी संजय गोयल को 5294 वोटों से हराया था। इससे पहले 2015 के चुनाव में गोयल ने 58 हजार 523 मतों से जीत दर्ज की थी। साल 2013 के चुनाव में शाहदरा सीट पर भाजपा के जितेंद्र सिंह शंटी को जीत मिली थी। गत विधानसभा चुनाव में यहां राम निवास गोयल को 62,103 वोट मिले थे, जबकि बीजेपी के संजय गोयल को 56,809 मत मिले थे। इस सीट पर पिछले चुनाव में कुल 189407 वोटर्स थे, जिसमें 66 फीसद से अधिक यानी 125383 ने वोट डाले थे। साल 1993 में राम निवास गोयल ने बीजेपी के टिकट से जीत हासिल की थी। इसके बाद 1998 में कांग्रेस ने बीजेपी से यह सीट झटक ली और नरेंद्र नाथ विधायक बने। नरेंद्र नाथ ने इस सीट पर अपना जलवा बरकरार रखा। उन्होंने 2003 और 2008 के चुनाव में भी जीत का परचम लहराया। लेकिन, 2013 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की एंट्री हो गई। इसकी वजह से यहां मुकाबला त्रिकोणीय हो गया। चुनाव में नरेंद्र नाथ को हार का मुंह देखना पड़ा।

# विश्व कल्याण की कामना के साथ संगम की रेती में हुयी कल्पवास की शुरूआत

प्रात : किरण संवाददाता

महाकुंभनगर। महाकुंभनगर नगर में सोमवार को पौष पूर्णिमा स्नान के साथ हजारों की संख्या में कल्पवासियों ने विश्व कल्याण की कामना के साथ मां तुलसी का पूजन कर कल्पवास का शंखनाद किया। धर्म संघ अध्यक्ष एवं तीर्थ पुरोहित राजेंद्र पालीवाल ने बताया कि माघ मास में दो चक्र में लोग कल्पवास करते हैं। पहले खंड में मकर संक्रांति से माघ शुक्लपक्ष की मकर संक्रांति तक मैथिल ब्राह्मण कल्पवास करते हैं। दूसरे खण्ड पौष पूर्णिमा से माघी पूर्णिमा तक साधु-संत एवं बड़ी संख्या में गृहस्थ कल्पवास करते हैं। उन्होंने बताया कि गृहस्थ कल्पवासी गंगा के तीरे विस्तीर्ण रेती पर भैतिक सुख का त्यागकर आध्यात्म में लीन होकर काया शोधन का एक माह तक कल्वास करेंगे। तड़के गंगा स्नान कर अपने-अपने शिवरो में भगवान की पूजा, भजन करने के साथ साधु संतो के प्रवचन का श्रवण करेंगे। इस दौरान कल्पवासी भौतिक सुख का त्याग कर सात्विक जीवन जीने का निर्वहन करेंगे। श्री पालीवाल ने बताया कि महाकवि तुलसीदास ने रामचरितमानस में मकर संक्रांति की महत्ता का वर्णन करते हुए लिखा है कि माघ मकर गति रवि जब होई। तीरथ पतिहिं आवै सब कोई, देव दनुज किन्नर नर श्रेणी। सादर मज्जहिं सकल त्रिवेणी। पूजहि माधव पद जल जाता। परसि अखय वटु हरषहि गाता। उन्होंने बताया कि तुलसीदास ने इस दोहे के जरिए समझाया है कि जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, तब प्रयाग में त्रिवेणी स्नान करना बहुत पुण्यदायी होता है। ऐसा माना जाता है कि गंगा, यमुना, और सरस्वती के संगम पर प्रयाग में मकर संक्रांति के दिन सभी देवी-देवता अपना स्वरूप बदलकर स्नान करने आते हैं।

श्री पालीवाल ने कहा कि पुराणों और धर्मशास्त्रों में कल्पवास को आत्मा शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति के लिए जरूरी बताया गया है। यह मनुष्य के लिए आध्यात्म की राह का एक पड़ाव है, जिसके जरिए स्वनियंत्रण एवं आत्मशुद्धि का प्रयास किया जाता है। हर वर्ष श्रद्धालु एक महीने तक संगम के विस्तीर्ण रेती पर तंबुओं की आध्यात्मिक नगरी में रहकर अल्पाहार, तीन समय गंगा स्नान, ध्यान एवं दान करके कल्पवास करना चाहिए तथा अपने को लोकाचार से दूर रखना चाहिए। तीर्थ पुरोहित ने बताया कि आदिकाल से चली आ रही इस परंपरा के महत्व की चर्चा वेदों से लेकर महाभारत और रामचरितमानस में अलग-अलग नामों से मिलती है। बदलते समय के अनुरूप कल्पवास करने वालों के तौरतरीक में कुछ बदलाव जरूर आए हैं लेकिन कल्पवास करने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है। आज भी श्रद्धालु भयंकर सर्दी में कम से कम संसाधनों की मदद लेकर कल्पवास करते हैं।

श्री पालीवाल ने बताया कि भारत की आध्यात्मिक सांस्कृतिक, सामाजिक एवं वैचारिक विविधताओं को एकता के सूत्र में पिरोने वाला महाकुंभ मेला भारतीय संस्कृति का द्योतक है। इस मेले में सनातन संस्कृति की झलक देखने को मिलती है।बताया कि पौष कल्पवास के लिए वैसे तो उम्र की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन माना जाता है कि संसारी मोहमाया से मुक्त और जिम्मेदारियों को पूरा कर चुके व्यक्ति को ही कल्पवास करना चाहिए क्योंकि जिम्मेदारियों से बंधे व्यक्ति के लिए आत्मनियंत्रण कठिन माना जाता है। माघ मेला, कुंभ, और महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम है जिसकी दुनिया में कोई मिसाल नहीं मिलती। इसके लिए किसी प्रकार का न/न तो प्रचार किया जाता है और न ही इसमें आने के लिए लोगों से मिन्नतें की जाती हैं। तिथियों के पंचांग की एक तारीख पर करोड़ों लोगों पुण्य के पवित्र अवसर पर दूर दराज से पहुंचकर तीर्थराज प्रयाग में पतित पावनी गंगा, श्यामल यमुना और अन्तः सलिला स्वरूप में प्रवाहित सरस्वती में आस्था की डुबकी लगाते हैं। धर्म संघ अध्यक्ष ने बताया कि प्रयागराज में जब बस्ती नहीं थी, तब संगम के आस-पास घोर जंगल था। जंगल में अनेक ऋषि-मुनि जप तप करते थे। उन लोगों ने ही गृहस्थों को अपने सानिध्य मे ज्ञानार्जन एवं पुण्यार्जन करने के लिये अल्पकाल के लिए कल्पवास का विधान बनाया था। ोंने बताया कि ऋषियों के इसी योजना के अनुसार अनेक धार्मिक गृहस्थ ग्यारह महीने तक अपनी गृहस्थी की व्यवस्था करने के बाद एक महीने के लिए संगम तट पर ऋषियों, मुनियों और संतो के सानिध्य में जप तप साधना आदि के द्वारा पुण्यार्जन करते थे। यही परंपरा कल्पवास के रूप मे विद्यमान है। उन्होने बताया कि कल्पवास शुरू करने से पहले शिविर के मुहाने पर कल्पवासी परिवार की समृद्धि के लिए जौ का बिरवा रोपते हैं, तुलसी और शालिग्राम की स्थापना कर नित्य पूजा करते हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 14 जनवरी, 2025



## संक्षिप्त खबरें

**ट्यूशन पढ़ने गया छात्र लापता**

नोएडा, । सेक्टर 20 के ई ब्लॉक में रहने वाला 15 वर्षीय किशोर नैन जुनेजा लापता हो गया। वह रविवार को ट्यूशन पढ़ने के लिए निकला था, लेकिन वापस घर नहीं आया। काफी तलाश करने के बाद भी जब किशोर के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली तो परिजनों ने इसकी सूचना सेक्टर-20 थाने की पुलिस को दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोर की सकुशल बरामदगी के लिए एक टीम गठित कर दी है।

**दिल्ली से चुराई बाइक, फरीदाबाद पुलिस ने दबोचा**

फरीदाबाद, । फरीदाबाद पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार किया है। पुलिस चौकी दयालबाग की टीम ने रिलायंस फ्रेश के पास नाके पर यह कार्रवाई की। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को मोटरसाइकिल के साथ रोका गया। जब उससे वाहन के कागजात मांगे गए, तो वह बाइक के कोई कागजात नहीं दिखा सका। पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल का रिकॉर्ड चेक करने पर पता चला कि यह वही वाहन है, जिसकी चोरी की शिकायत 21 अक्टूबर को दिल्ली के संगम विहार निवासी दिलशाद ने दर्ज कराई थी। इस मामले में थाना सुरजकुंड में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तालू के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के खैर का रहने वाला है और वर्तमान में फरीदाबाद के शिव दुर्गा विहार लक्कड़पुर में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के बाद नियमानुसार कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

**चोरी के सामान समेत चार बदमाश पकड़े**

रबूपुरा, । पुलिस ने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान मनवीर, रिंकू, शकील और गुलफाम के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने कादलपुर गांव से सबमर्सिबल पंप की मोटर और सरिया चोरी किया था। आरोपियों के कब्जे से इंजन का पंखा, पांच गाटर लोहा, डेढ़ क्विंटल सरिया और एक ऑटो बरामद हुआ है। मामला दर्ज करने के बाद सभी को न्यायालय में पेश किया गया।

**फरीदाबाद : मोबाइल टावर से छह बैटरियां चोरी, नेटवर्क बाधित हुआ तो पता चला**

फरीदाबाद, । फरीदाबाद के डबुआ कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने निजी मोबाइल कंपनी के टावर से 6 बैटरियां चोरी कर ली। जिसके चलते कई घंटे तक नेटवर्क सेवाएं प्रभावित रहीं। सुबह जब टेक्नीशियन टावर के पास पहुंचा, तो घटना का खुलासा हुआ है। घटना बीती रात को प्लॉट नंबर-554, 33 फीट रोड, चुंगी नंबर 17 पर स्थित टावर में हुई। घटना का पता कंपनी के तकनीशियन हरकेश गुर्जर को तब चला जब वे अगले दिन सुबह 11 बजे टावर पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि टावर की सभी मशीनें बंद पड़ी थीं और बैकअप स्टोर का दरवाजा टूटा हुआ था। हरकेश क्राउन प्लाजा इंटीरियर सेक्टर-35 और डबुआ के 33 फीट रोड 17 नंबर चुंगी के पास स्थित टावरों की भी देखरेख करते हैं। चोरी की सूचना मिलने के बाद कंपनी ने अपने स्तर पर बैटरियों की खोजबीन की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद मामले की शिकायत डबुआ थाने में दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**लोगों ने बाइक सवार लुटेरे को दबोचा**

नोएडा, । सेक्टर-49 थाना क्षेत्र में महिला का मोबाइल लूटने का प्रयास करने वाले बाइक सवार को लोगों ने दबोच लिया। उसका साथी मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित कर दी गई है। आरोपी की पहचान फेज तीन थाना क्षेत्र निवासी 36 वर्षीय पवन कुमार के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार शाम पांच बजे के करीब घरेलू सहायिका का काम करने वाली एक महिला अपने घर से पैदल ही जा रही थी। इसी दौरान पीछे से बाइक पर सवार होकर दो युवक आए और महिला का मोबाइल छीनने का प्रयास करने लगे। लोगों ने जब बाइक सवार बदमाशों को दौड़ाया तो बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद पवन लोगों ने दबोच लिया। हालांकि, उसका साथी भागने में सफल रहा। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। महिला की शिकायत पर पुलिस आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर रही है। दबोचे गए बदमाश का आपराधिक इतिहास भी पता किया जा रहा है।

# महाकुंभ : पौष पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगाने वालों में विदेश से आए तीर्थयात्री भी शामिल

प्रात : किरण, संवाददाता

महाकुंभ नगर, । महाकुंभ-2025 की शुरुआत सोमवार को पौष पूर्णिमा के साथ हुई, जिसने प्रयागराज के संगम को आस्था, संस्कृति और मानवता के जीवंत केंद्र में बदल दिया। पवित्र जल में डुबकी लगाने वाले लाखों तीर्थयात्रियों में विदेश से आए श्रद्धालु भी शामिल थे, जिन्होंने इस दिव्य आयोजन के चमत्कार का अनुभव किया। अमेरिकी सेना का हिस्सा रह चुके माइकल, जो अब बाबा मोक्षपुरी के नाम से जाने जाते हैं, ने जूना अखाड़े से जुड़ने की अपनी यात्रा साझा की। उन्होंने कहा, मैं एक साधारण व्यक्ति था, जिसका अपना परिवार और करियर था। लेकिन मुझे एहसास हुआ कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है और मैं मोक्ष की तलाश में निकल पड़ा। मैंने अपना जीवन सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित कर दिया। माइकल ने कहा, प्रयागराज में यह मेरा पहला महाकुंभ है। यहां का आध्यात्मिक अहसास असाधारण और बेजोड़ है। महाकुंभ ने विदेशियों के एक विविध समूह को भी आकर्षित किया है, जिसमें इस धार्मिक आयोजन को फिल्माने वाले दक्षिण कोरियाई यूट्यूबर से लेकर परंपराओं की गहरी समझ हासिल करने की ललक रखने वाले जापानी पर्यटक तक शामिल हैं। स्पेन की क्रिस्टीना ने इस आयोजन की भव्यता पर विस्मय व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह एक अद्भुत पल है। मैं पहली बार इतने भव्य और अलौकिक आयोजन की गवाह बन रही हूं। एक अन्य विदेशी आगंतुक जूली ने संगम में डुबकी लगाकर एक अजब-सा आध्यात्मिक सुकून मिलने की बात कही। उन्होंने पीटीआई वीडियो से कहा, मैं पवित्र जल में डुबकी लगाने का अवसर पाकर कृतज्ञ महसूस कर रही हूं। मुझमें पूर्णता का जो भाव जगा है, उसे मैं शब्दों में नहीं बयां कर सकती। इटली से आने वाली वेलेरिया ने महाकुंभ के आध्यात्मिक वातावरण को अद्भुत और रोमांचक करार दिया। हालांकि, उन्होंने और उनके पति मिखाइल ने ठंडे मौसम के कारण पवित्र जल में डुबकी नहीं लगाई। मिखाइल ने मजाकिया लहजे में कहा, मेरी पत्नी ने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने संगम में डुबकी लगाई, तो वह मुझे छोड़ देगी, क्योंकि पानी बहुत ठंडा है। दंपति ने कहा कि ठंड कम होने पर वे एक बार फिर महाकुंभ में आने की कोशिश करेंगे। पहली बार महाकुंभ में पहुंचे ब्राजील के योग साधक शिकू ने मोक्ष की खोज को अपनी यात्रा का मकसद बताया। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का आध्यात्मिक हृदय है और इस बार 144 वर्षों बाद बना ग्रहों का दुर्लभ संयोग महाकुंभ को और भी खास बनाता है। मैं यहां आकर बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। जय श्रीराम। फ्रांसीसी पत्रकार मेलानी में इस आयोजन ने एक अप्रत्याशित रोमांच पैदा किया। मेलानी ने ह्वाीपीटीआई वीडियो से कहा, जब मैंने भारत की यात्रा की योजना बनाई थी, तब मुझे महाकुंभ के बारे में नहीं पता था। लेकिन एक बार जब मुझे इसके बारे में पता चला, तो मुझे लगा कि मुझे यहां आना ही होगा। साधुओं से मिलना और इस जीवंत मेले को देखना जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है। उत्तर प्रदेश सरकार को महाकुंभ में विदेशी आगंतुकों सहित कुल 40 से 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

# नोएडा डिपो में प्रयागराज जाने के लिए यात्री नहीं पहुंचे

प्रात : किरण, संवाददाता

नोएडा, । मोरना स्थित नोएडा डिपो से सोमवार को प्रयागराज के लिए यात्री नहीं पहुंचे। ऐसे में डिपो की ओर से गाजियाबाद से बस मंगाकर प्रयागराज के लिए नहीं भेजी गई। नोएडा डिपो से प्रयागराज के लिए बस की सुविधा नहीं है। यहां से लखनऊ की एक बस जाती है। गाजियाबाद और मेरठ डिपो की बसें नोएडा डिपो के रास्ते प्रयागराज के लिए भेजी जाएगी। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि बसें महाकुंभ के दूसरे चरण में नोएडा डिपो के रास्ते होकर निकलेंगी। पहले चरण में यात्रियों की संख्या अधिक नहीं होनी की संभावना है। उन्होंने कहा कि यदि यात्री आएंगे तो गाजियाबाद डिपो की बस मंगाकर प्रयागराज के लिए भेज दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को प्रयागराज के लिए यात्रियों की संख्या एक भी नहीं थी। ऐसे में गाजियाबाद से बस नहीं मंगाई गई। लखनऊ के लिए रोज की तरह एक ही बस भेजी गई। प्रयागराज के लिए यात्रियों की संख्या बढ़ने पर लखनऊ के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में यात्रियों की सुविधा के लिए डिपो में सूचना काउंटर की संख्या बढ़ा दी जाएगी। किसी भी यात्री को सफर में दिक्कत न हो इसके लिए चालकों को विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं।

# फरीदाबाद में अवैध संबंध के शक में युवक की हत्या, दोस्त गिरफ्तार

प्रात : किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । फरीदाबाद पुलिस ने एक हत्याकांड का खुलासा करते हुए मृतक के दोस्त को गिरफ्तार किया है। मामला आदर्श नगर क्षेत्र का है, जहां 16 दिसंबर को लापता हुए दीपक की लाश 8 जनवरी को आशियाना फ्लैट की झाडि से बरामद हुई थी। हत्यारोपी को मृतक के अपनी पत्नी के साथ अवैध संबंध होने का शक था। इसी शक के चलते आरोपी ने हत्या की योजना बनाई। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने जांच के दौरान मृतक के दोस्त करण को आशियाना फ्लैट सेक्टर-62 से गिरफ्तार किया। यह मामला तब और गंभीर हो गया था जब शिकायतकर्ता दिलीप ने इलाके के 14 मुस्लिम लोगों पर हत्या का आरोप लगाया था। सहायक पुलिस आयुक्त अपराध अमन यादव ने सोमवार को बताया कि मृतक दीपक का भाई दिलीप, मूल रूप से बिहार के सिवान जिले का रहने वाला है, ने 17 दिसंबर को अपने भाई की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि दीपक 16 दिसंबर को घर से बाहर जाने की बात कहकर निकला था और फिर वापस नहीं लौटा। अपराध शाखा डीएलएफ के उप निरीक्षक रमेश के नेतृत्व में गठित टीम ने इस मामले का खुलासा किया। पुलिस अब आरोपी करण से पूछताछ कर हत्या के कारणों का पता लगा रही है। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई से सांप्रदायिक तनाव की आशंका भी टल गई है। मृतक दीपक व आरोपी करण आपस मे दोस्त थे, आरोपी करण की दो पत्नियां है। मृतक दीपक का, आरोपी की पहली पत्नी के साथ अवैध संबंध होने का शक था, जिस कारण आरोपी व मृतक की एक बार पहले भी आपस मे कहासुनी हो चुकी थी। आरोपी करण ने मृतक दीपक को शराब पिलाकर नशे में मारने का प्लान करके सिर में चोट मारकर, मफलर से गला दबाकर हत्या करके दीपक की नाश को झाडि मे डाल दिया। आरोपी को मामले में पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

# फरीदाबादः आयुष हत्याकांड में तीन और आरोपी गिरफ्तार

**मामले में अब तक आठ आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार**

प्रात : किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । सेक्टर-23 संजय कालोनी में हुए आयुष हत्याकांड में अपराध शाखा डीएलएफ पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में पुलिस आठ लोगों की गिरफ्तारी कर चुकी है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि विवेक और रिषभ गांव मनीखुर्द जोनपुर उत्तर प्रदेश दोनों भाई है तथा आरोपी शिवशंकर वासी गांव भोज्जपुर जिला सुलतानपुर उत्तर प्रदेश के रहने वाले है। जो वर्तमान में सुरुरपुर एरिया में रह रहे है। तीनों आरोपियों को अपराध शाखा टीम ने गांव गौच्छ से गिरफ्तार किया है। आरोपियों से एक सुआ व दो डंडे बरामद किए गए है। मामले में अभी तक पंकज सिंह, जिलाजीत, आशीष, अतुल और परशुराम को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों से पूछताछ में सामने बताया कि वे सरुरपुर इंडस्ट्रियल एरिया की एक कम्पनी में पंकज व जीलाजीत के साथ नौकरी करते थे। संजय कॉलोनी वासी वरुण भी इसी कम्पनी में नौकरी करता है। 6 जनवरी को दिन के समय कम्पनी में उनकी वरुण के साथ कहासुनी हो गई थी। जिसपर उन्होने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वरुण को सबक सिखाने का प्लान बनाया और कंपनी की छुट्टी के बाद अपने साथियों के साथ रास्ते में खडे हो गए। आरोपियों ने उनके साथ झगडा किया और झगडे में आयुश को चोट लग गई, जिससे आयुश घायल हो गया था। जिसकी बाद में मृत्यु हो गई। तीनों आरोपियो को मामले में पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया। उल्लेखनीय है कि सत्यनारायण निवासी संजय कालोनी, सेक्टर -23 के बेटे आयुष की 7 जनवरी को हत्या कर दी गई थी।

# घरों में चोरी करने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

नोएडा, । सेक्टर-50 स्थित केंद्रीय विहार गोलचक्कर के पास रविवार देर रात सेक्टर-49 थाने की पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घरों में घुसकर चोरी की वारदात करने वाला बदमाश घायल हो गया। उसके पास से चांदी के बर्तन, नगदी, तमंचा और कारतूस समेत अन्य सामान बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ कानपुर नगर के अलग-अलग थाने में छह केस दर्ज होने की जानकारी मिली है। एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि सेक्टर-49 थाने की टीम रविवार देर रात सेक्टर-50 स्थित केंद्रीय विहार गोलचक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार उधर से गुजरा। संदिग्ध लगने पर पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया। इस पर बाइक सवार भागने लगा। बाइक फिसलने से वह गिर गया। उसने खुद को घिरा देखकर तमंचे से फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से बाइक सवार घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान प्रतापगढ़ के अख्तियारी निवासी 24 वर्षीय संजय के रूप में हुई। उसके पास से चांदी के बर्तन, तीन हजार रुपये, तमंचा और चोरी की बाइक बरामद हुई। पूछताछ में घायल बदमाश ने बताया कि उसने कुछ दिन पहले सेक्टर-47 स्थित जलवायु विहार टावर के एक मकान में रात में घुसकर चोरी की थी। बरामद बाइक उसने सलारपुर से चोरी की थी। वह पहले घरों की रेकी करता था और बाद में वारदात को अंजाम देता था। संजय के अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। गौतमबुद्धनगर के कई थाना क्षेत्र में उसने चोरी की वारदात करने की बात स्वीकारी है। संजय जब चोरी के सामान को बेचने के लिए जा रहा था तभी उसका पुलिस से सामना हो गया।

# वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

प्रात : किरण, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, । सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन ने रैपीडो बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक का चालक और पीछे बैठी एक युवती घायल हो गई। दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। सूरजपुर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अनीशा मिग्शन सोसाइटी में परिवार के साथ रहती है। अनीशा रविवार की सुबह किसी काम से रैपीडो बाइक पर सवार होकर सूरजपुर की तरफ जा रही थी। सोसाइटी से निकलते ही उनकी बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में अनीशा और बाइक चालक पंकज घायल हो गए। दोनों को नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।

# फरीदाबाद ग्रीवेंस कमेटी बैठक में नहीं आए पुलिस कमिश्नर तो भड़के मंत्री

**मंत्री बोले, क्या कमिश्नर मंत्री से बड़ा हो गया, डीसी को बुलाने को कहा**

प्रात : किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में ग्रीवेंस समिति की बैठक में पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता के न पहुंचने पर, हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह बिगड़ गए। उन्होने बैठक में मौजूद जिला उपायुक्त विक्रम सिंह यादव सहित दूसरे अधिकारियों की जमकर क्लास ले डाली। मंत्री सोमवार को सेक्टर 12 के कन्वेंशन हाल में आयोजित बैठक में लोगों की शिकायतों को सुनने के लिए पहुंचे थे। मंत्री बैठक में पुलिस से संबन्धित शिकायतों को सुन रहे है। इसी दौरान उनको पता चल गया, कि पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता बैठक से गायब है।जिसके बाद वो पुलिस कमिश्नर के ना आने का कारण जानने में लग गए। मंत्री ने कहा कि जब एमसीएफ कमिश्नर और जिला उपायुक्त जैसे बड़े अधिकारी बैठक में मौजूद है। तो पुलिस कमिश्नर की गैरमौजूदगी पूरी तरह से अनुचित है। मंत्री ने अधिकारियों को सुनाते हुए यह तक कह डाला कि क्या पुलिस कमिश्नर मंत्री से भी बड़ा हो गया है। जो मंत्री के आने पर भी बैठक से गायब है। मंत्री राव नरबीर सिंह के गुस्सा में देख बैठक में सन्नाटा छा गया। किसी अधिकारी के पास मंत्री के सवालों का कोई जवाब नही बन रहा था। सभी मंत्री के सामने चुप्पी साधकर बैठे रहे। मंत्री ने पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता को अगली बैठक में बुलाने के जिला उपायुक्त को आदेश दिए है। मंत्री से दूसरे विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट कहा क सभी अधिकारी बैठक में मौजूद रहे। मंत्री ने बैठक में 18 शिकायतों को सुना, जिसमें से 12 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया है। जबकि 6 शिकायतें पेंडिग छोड दी गई। बैठक में मंत्री ने सभी विभागों के अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

# दिल्ली में मिले पशु के अवशेष, ग्रेनो में केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा, । दिल्ली के गोरक्षक ने नॉलेज पार्क थाने में गोकशी के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोप है कि ग्रेनो में की गई गोकशी के अवशेष दिल्ली पुलिस ने बरामद किए हैं। गोरक्षक ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली निवासी गोरक्षक रूपेश उर्फ रॉकी राणा ने नॉलेज पार्क थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है कि दिल्ली की आईपी स्टेट थाना पुलिस ने प्रतिबंधित पशु के अवशेष बरामद किए हैं। इसमें पता चला है कि गोकशी नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में की गई थी। कार के जरिए आरोपी अवशेष लेकर दिल्ली पहुंचे थे। इसके चलते गोरक्षक ने कार नंबर के आधार पर गोकशी करने वाले आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। गोरक्षक ने पुलिस से गोतस्करों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है। नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस कार का नंबर ट्रेस कर रही है। आरोपियों का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

# सेक्टर-41 में ट्रांसफार्मर से तेल चोरी

नोएडा, । सेक्टर-41 में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से बदमाशों ने कीमती तेल चोरी कर लिया। आरोपियों ने ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त भी कर दिया। विद्युत निगम के अवर अभियंता राम मिलन ने बताया कि किसी ने 400 केवीए के ट्रांसफार्मर से तेल निकाल लिया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-39, फेज-2 और बिसरख थाना क्षेत्र में तेल चोरी होने की लगातार घटनाएं सामने आ रही हैं।

# फरीदाबाद में पत्नी की मौत से दुखी पति ने जहर खाकर दी जान

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में एक पति-पत्नी की मौत का सदमा सहन नहीं कर सका और पत्नी की मौत के करीब एक महीने बाद ही पति ने भी जहर खाकर अपनी जान दे दी। अपने पीछे वह ढाई साल का बेटा और 3 महीने की बेटी छोड़ गया है। घटना संतोष नगर की है। मृतक की पहचान 27 वर्षीय पंकज के नाम से हुई है। वह कंपनी में जॉब करता था। 2018 में उसकी शादी हुई थी। फिलहाल पुलिस ने शव को बादशाह खान सिविल अस्पताल की मॉच्युर्री में पोस्टमॉर्टम के लिए रखवा दिया है। जानकारी के मुताबिक पंकज की पत्नी अर्चना को सांस लेने में दिक्कत थी। उसका उपचार भी अस्पताल में चल रहा था, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। 3 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। मृतक की मां राम दुलारी ने बताया कि पंकज पत्नी की मौत के बाद परेशान रहने लगा था। उसने खाना-पीना छोड़ दिया था। पूरा दिन कमरे में पड़ा रहता था। रविवार की शाम को उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। इसका पता तब चला जब वह उल्टियां करने लगा। इस पर उसे पहले सेक्टर 28 स्थित 2 निजी अस्पतालों में ले जाया गया, जहां से उसे बादशाह खान सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया, लेकिन यहां पहुंचने से पहले ही पंकज की मौत हो गई। राम दुलारी ने कहा कि परिवार ने कई बार पंकज को समझाने की कोशिशें की, लेकिन वह पत्नी की मौत का गम नहीं भुला पाया। उसने बच्चों के बारे में कुछ नहीं सोचा। पंकज के 2 और भाई हैं।

# शराब के अधिक रेट लेने पर केस

ग्रेटर नोएडा, । आबकारी विभाग ने प्रिंट से अधिक रेट पर शराब बेचने वाले दो और सेल्समैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। इससे पहले भी दस से अधिक सेल्समैन के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। आबकारी निरीक्षक अभिनव शाही ने बताया कि रविवार की रात ग्रेनो वेस्ट के रोजा याकूबपुर में टीम के साथ अभियान चलाया गया। इस दौरान दो अलग-अलग दुकानों पर ग्राहकों को शराब खरीदने के लिए भेजा गया। एक दुकान पर सेल्समैन प्रदीप और दूसरी दुकान पर सेल्समैन अनूप ने प्रिंट रेट से 10 रुपये अधिक वसूले। आबकारी विभाग की टीम ने दोनों सेल्समैन को रंगे हाथ पकड़ लिया। उनके खिलाफ बिसरख थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। आबकारी निरीक्षक ने बताया कि जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में अभियान निरंतर जारी रहेगा। अधिक रुपये वसूलने वाले सेल्समैन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में बिसरख कोतवाली प्रभारी का कहना है कि आबकारी निरीक्षक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# फरीदाबाद दूसरी हाफ मैराथॉन 9 मार्च को हजारों धावक लगाएंगे दौड़ : डीसी

प्रात : किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में आगामी 9 मार्च को फरीदाबाद की दूसरी हॉफ मैराथॉन के रूप में फिर से एक बड़ा इवेंट होने जा रहा है। इस मेगा इवेंट में अलग-अलग श्रेणियों में हजारों धावक भागीदारी करेंगे। डीसी विक्रम सिंह ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ फरीदाबाद हाफ मैराथन की तैयारियों को लेकर बैठक की। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि दिल्ली और मुंबई जैसे देश के प्रमुख शहरों में आयोजित होने वाले ऐसे आयोजनों की तर्ज पर फरीदाबाद में एक बार फिर से हाफ मैराथॉन के रूप में औद्योगिक महानगर का एनुअल इवेंट आयोजित होगा। फरीदाबाद में इस साल फिर से होने जा रही हाफ मैराथॉन में भागीदारी के लिए हजारों की संख्या में प्रोफेशनल रनर्स भागीदार बनेंगे। हाफ मैराथन का शुभारंभ सूरजकुंड परिसर से होगा और यह शहर के बडखल मोड़ से वापिस जाएगी। उन्होंने बताया कि हाफ मैराथन में विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को नगद इनाम से सम्मानित किया जाएगा। चिप युक्त बीब से रनर अपना वास्तविक रन टाइम कैलकुलेट कर सकेंगे डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि हाफ मैराथन के लिए तैयार किये जा रहे पोर्टल पर हॉफ मैराथन 21 किलामीटर व 10 किलोमीटर की श्रेणी में आवेदन करने वाले रनर्स को रनिंग किट्स प्रदान की जाएगी। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक चिप युक्त बीब(टी शर्ट पर चिपकने वाला स्टीकर) शामिल है। उन्होंने बताया कि इस चिप युक्त बीब से रनर अपना वास्तविक रन टाइम कैलकुलेट कर सकेंगे साथ ही आयोजन के उपरांत अपने इलेक्ट्रॉनिक बीब की मदद से आयोजन से जुड़े अपने फोटो भी डाउनलोड कर सकेंगे। राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की होगी लाइव परफॉर्मेंस डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि फरीदाबाद में यह अपने आप में एक बार फिर से दूसरे बड़े कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है जिसमें मैराथॉन में आए रनर्स में जोश व रोमांच भरने के लिए राष्ट्रीय स्तर के कलाकार अपनी लाइव परफॉर्मेंस देंगे। मैराथॉन मार्ग में यह होंगी व्यवस्थाएं डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि मैराथन मार्ग पर रनर्स की सुविधा के लिए प्रत्येक दो किलोमीटर पर मेडिकल स्टेशन बनाए जाएंगे। इन स्टेशन के साथ साथ वहां पर ग्लूकोस, एनर्जी ड्रिंक्स सहित मोबाइल टॉयलेट्स की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि मैराथन मार्ग में रनर्स को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए पूरे मार्ग पर वालंटियर की ड्यूटी लगाई जाएगी । वहीं प्रत्येक 150 से 200 मीटर के बीच पुलिस कर्मी भी नियुक्त किए जाएंगे।

# राणा दग्गुबाती ने कांथा की शूटिंग पूरी की, दिखाई ऑल लव की झलक

प्रात: किरण,/ एजेसी

हैदराबाद, । साउथ के साथ बॉलीवुड में शानदार फिल्में कर चुके अभिनेता राणा दग्गुबाती जल्द ही कांथा में नजर आएंगे। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर प्रशंसकों को बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेता ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक तस्वीर साझा करते हुए टीम के प्रति प्यार जताया। तस्वीर के साथ राणा दग्गुबाती ने कैप्शन में लिखा,ऑल लव (सभी को प्यार)। अभिनेता के साथ फिल्म से जुड़े सदस्य फ्रेम में दिखाई दिए। बता दें, फिल्म की शूटिंग पिछले साल सितंबर में शुरू हुई थी, जिसकी जानकारी देते हुए राणा दग्गुबाती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। तीन तस्वीरों के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा था,आज से एक रोमांचक यात्रा शुरू हो रही है। पेश है राणा दग्गुबाती और दुल्कर सलमान के बीच शानदार सहयोग वाली फिल्म कांथा ! सेल्वा मणि सेल्वाराज के निर्देशन में तैयार फिल्म के निमार्ता खुद राणा दग्गुबाती हैं। फिल्म में राणा और दुल्कर सलमान के साथ मुख्य भूमिका में भाग्यश्री बोरसे और समुथिरकानी पिल्लैयार भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण द स्पिरिट मीडिया और वेफेरर फिल्म्स के बैनर तले हुआ है। फिल्म निमार्ताओं ने हैदराबाद के रामा नायडू स्टूडियो में पूजा की थी, जहां पूरी टीम शूटिंग शुरू करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लेती नजर आई थी। इसके बाद राणा ने इंस्टाग्राम पर पूजा समारोह की तस्वीरें शेयर कर फिल्म को लेकर उत्साह व्यक्त किया था। फिल्म के साथ ही राणा दग्गुबाती अपने चैट शो द राणा दग्गुबाती शो को लेकर व्यस्त हैं, जिसमें साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे शिरकत कर चुके हैं। हाल ही में शो में सिद्धार्थ जोनालागड्डा के साथ पुष्पा 2 के किसिक आइटम नंबर पर डांस करने वाली अभिनेत्री श्रीलीला भी नजर आई थीं। शो में अभिनेत्री अपने काम को लेकर खुलकर बात करती नजर आई थीं। श्रीलीला से उनकी आने वाली फिल्मों के बारे में बात करते हुए सिद्धू और राणा ने उनसे बॉलीवुड में उनकी शुरूआत के बारे में पूछा था। अभिनेत्री ने कहा था, पुष्पाः द रूल के किसिक गाने में प्रस्तुति देना मेरे लिए एक खास और नया अनुभव है। राणा ने श्रीलीला की कई समारोहों में मौजूदगी के बारे में बात करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा था, मैं हर शादी में तुम्हें देखता हूं और मैंने सुना है कि मेरे चचेरे भाई तुम्हें अपनी बहन कहते हैं। यहां क्या चल रहा है? श्रीलीला ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया,हम ओंगोल के हैं, जो आपके (राणा) होम टाउन के पास है। हम वहां संक्रांति के लिए अक्सर जाते थे। राणा दग्गुबाती द्वारा निर्मित और होस्ट किया गया द राणा दग्गुबाती शो एक अनस्क्रिप्टेड तेलुगु ओरिजिनल सीरीज है, जिसमें कुल आठ एपिसोड हैं। इस शो में दुलकर सलमान, नागा चैतन्य अक्किनेनी, सिद्धू जोनालागड्डा, नानी, एसएस राजामौली, राम गोपाल वर्मा सरीखी कई नामचीन हस्तियां शामिल हो चुकी हैं। राणा दग्गुबाती शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होता है।

# ताहिरा कश्यप को अपने ससुराल वालों के साथ पहली लोहड़ी मनाने की आई याद

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । निर्देशक और निमार्ता ताहिरा कश्यप ने रविवार को लोहड़ी के त्योहार से पहले अपनी शादी की पहली लोहड़ी से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि किस तरह से यह त्योहार उन्होंने अपने परिवार के साथ मनाया था। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना से शादी करने वाली ताहिरा ने कहा,पंजाबी संस्कृति में शादी के बाद पहली लोहड़ी बहुत धूमधाम से मनाई जाती है। मेरे ससुराल वालों ने हमारे लिए एक छोटी सी पार्टी रखी थी। इस मौके पर न्यूली मैरिड कपल अलाव के चारों ओर घूमते हैं। इसके साथ ही हम गजक (चिक्की), मूंगफली और पॉपकॉर्न का आनंद लेते थे। उन्होंने कहा,इस दौरान गाने की आखिरी दो पंक्तियां मुझे बहुत हंसी दिलाती हैं। उनका शाब्दिक अर्थ है,हमें लोहड़ी दो, तुम्हारी जोड़ी लंबी हो, चाहे तुम रोओ या बाद में सिर पीटो। यह आशीर्वाद पंजाबी जोड़ों को उनके बड़े-बुजुर्ग देते हैं। वहीं, काम की बात करें तो ताहिरा कश्यप ने शर्माजी की बेटी से निर्देशन की शुरूआत की। नई पीढ़ी और महिलाओं को प्रेरित करने में अपने योगदान के लिए जानी जाने वाली ताहिरा ने फिल्म के लिए अपार प्यार हासिल किया। इस बीच उनके पति आयुष्मान खुराना अपनी आने वाली फिल्म थामा की शूटिंग कर रहे हैं। अभी फिल्म की कुछ रोमांचक शूटिंग चल रही है। थामा को एक खूनी प्रेम कहानी माना जाता है, जो मैडॉक की ब्लॉकबस्टर हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। यह फिल्म एक दिलचस्प प्रेम कहानी दिखाती है, जो एक खूनी बैकग्राउंड पर आधारित है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना जैसे प्रमुख कलाकारों के साथ परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन मुंज्या फेम आदित्य सरपोतदार ने किया है। इसे निरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा ने लिखा है और दिनेश विजान तथा अमर कौशिक ने मिलकर इसे प्रोड्यूस किया है।

# मदरहुड का आनंद ले रहीं अलाना पांडे

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । मॉडल अलाना पांडे अपनी पर्सनल लाइफ और मदरहुड जर्नी को लेकर लगातार चर्चा में रहती हैं। बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे की कजिन अलाना ने हाल ही में अपने बेटे रिवर संग कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें मां-बेटा बर्फबारी का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में अलाना ब्राउन स्वेटर और जींस में बेहद स्टाइलिश लग रही हैं। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने शेड्स, मिनिमल मेकअप और हूप्स पहने हुए हैं। लेकिन सभी की नजरें उनके बेटे रिवर पर टिकी रहीं, जो अपने व्हाइट विंटर ड्रेस और कैप में एक छोटे से स्नोमैन की तरह बेहद क्यूट लग रहे थे। गोलू-मोलू रिवर की इन तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं, और सोशल मीडिया पर ये तेजी से वायरल हो रही हैं। गौरतलब है कि अलाना पांडे ने 8 जुलाई 2024 को पति इवोर मैक्रे के साथ अपने पहले बेटे रिवर का स्वागत किया था। चंकी पांडे की भतीजी अलाना ने 16 मार्च 2023 को इवोर से शादी की थी। इससे पहले दोनों ने दो साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। इवोर ने अलाना को मालदीव में बेहद रोमांटिक अंदाज में शादी के लिए प्रपोज किया था। शादी के बाद से ही अलाना और इवोर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने रहे हैं। अब उनके बेटे रिवर के आने के बाद से कपल अपनी मदरहुड और पैरेंटिंग जर्नी का भरपूर आनंद ले रहा है। काम की बात करें तो अलाना पांडे जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो के शो द ट्राइब से अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। करण जौहर के बैनर तले बनी इस सीरीज को लेकर अलाना काफी उत्साहित हैं।

# किरण राव ने आमिर खान के परिवार के साथ अपने रिश्ते के बारे में की खुलकर बात

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । आमिर खान और किरण राव 2021 में अलग हो गए। 2005 में शादी के बाद उनका 16 साल तक रिलेशनशिप रहा और फिर तलाक हो गया। अब, किरण राव ने तलाक, रिश्ते के बाद की दोस्ती, सम्मान और आमिर के परिवार के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है। हम बहुत आसानी से अलग हो गए, क्योंकि हम उस बिंदु पर पहुंच गए थे जहां हम तलाक के लिए तैयार थे। हमने अपनी शादी बचाने की बहुत कोशिश की। फिर जब हमने तलाक लेने का फैसला किया, तब भी यह बहुत सोच-समझकर लिया गया फैसला था। हमने कभी लड़ाई नहीं की। हमारे बीच बहस होती थी, लेकिन 12 घंटे के अंदर हम उसे सुलझा लेते थे। हमारे माता-पिता के साथ भी हमारे मतभेद होते थे, किरण राव ने दिए एक साक्षात्कार में कहा। हम जानते थे कि भले ही हम तलाक ले रहे थे, लेकिन इस रिश्ते में बचाने के लिए बहुत कुछ था। हम यह सब खत्म नहीं करना चाहते थे। इसलिए हमने रिश्ता अचानक खत्म नहीं किया, हमने अपना समय लिया और फिर फैसला किया। किरण ने कहा, हम यह भी सुनिश्चित करना चाहते थे कि फैसला लेते समय आजाद पर इसका भावनात्मक असर न पड़े। किरण ने बताया कि तलाक के बाद भी एक-दूसरे के लिए प्यार और सम्मान बना हुआ है। हम एक साथ नहीं रहना चाहते, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम एक-दूसरे को पसंद नहीं करते या प्यार नहीं करते। किसी भी शादी में कुछ ऐसी बातें होती हैं जो आपको अपने साथी के बारे में पसंद नहीं आतीं। कुछ चीजें आपको परेशान करती हैं, कुछ ऐसी चीजें होती हैं जो झगड़े का कारण बनती हैं, लेकिन आपने इस व्यक्ति से शादी की है और आपको उसके बारे में कुछ चीजें पसंद भी हैं। किरण ने क आमिर मेरे दोस्त हैं, वह कई मायनों में मेरे गुरु हैं। वह मेरा सपोर्ट सिस्टम है और जब भी मुझे उसकी जरूरत होती है तो वह हमेशा मेरे लिए मौजूद रहता है। लेकिन ऐसे दिन भी आते हैं जब वह मुझे परेशान करता था। अंततः यह मायने रखता है कि आप क्या पकड़कर रखना चाहते हैं। क्या आप नकारात्मकताओं और बुरी चीजों को पकड़कर रखना चाहते हैं या उन चीजों को पकड़कर रखना चाहते हैं जिनके कारण आपका रिश्ता इतने सालों तक चला है? किरण ने कहा, हमने अपने रिश्ते में सबसे अच्छी चीजों पर ध्यान केंद्रित किया और तलाक के साथ उन चीजों को छोड़ दिया जो हमें पसंद नहीं थीं। किरण और आमिर का परिवार आज भी खुशी-खुशी साथ रहता है।

# गली बॉय के सीक्वल में विक्की कौशल और अनन्या पांडे की जोड़ी आएगी नजर

मुंबई, । सुपरहिट फिल्म गली बॉय के सीक्वल में विक्की कौशल और अनन्या पांडे की जोड़ी नजर आ सकती है। जोया अख्तर के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, सिद्धांत चतुर्वेदी, कल्कि कोचलिन, विजय वर्मा ने अहम भूमिका निभाई थी। यह फिल्म मुंबई के एक ऐसे युवक के बारे में है, जो रैप संगीत के लिए अपने जुनून को खोजता है। फिल्म को प्रशंसकों और आलोचकों से बहुत प्यार और प्रशंसा मिली। चर्चा है कि फिल्म गली बॉय का सीक्वल बनने जा रहा है। इस बार फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की जोड़ी नजर नहीं आएगी। कहा जा रहा है कि गली बॉय के सीक्वल में नई जोड़ी नजर आएगी। गली बॉय के सीक्वल का निर्देशन अर्जुन वरेन सिंह कर सकते हैं। इस फिल्म में विक्की कौशल और अनन्या पांडे की जोड़ी नजर आ सकती है।

# रजनीकांत स्टारर बाशा के 30 साल पूरे, सिनेमाघरों में फिर होगी रिलीज

प्रात: किरण,/ एजेसी

चेन्नई, । दिग्गज अभिनेता रजनीकांत की सुपरहिट फिल्म बाशा को रिलीज हुए 30 साल हो चुके हैं। रजनीकांत और नगमा स्टारर बाशा को नए अंदाज में रिलीज किया जाएगा। रजनीकांत-नगमा की फिल्म के रिलीज के 30 साल पूरे होने, सत्या मूवीज की 60वीं एनिवर्सरी (गोल्डन जुबली) और सुपरस्टार रजनीकांत के स्क्रीन पर 50 साल पूरा होने के अवसर पर निमार्ताओं ने फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला लिया है। डॉल्बी एटमॉस सराउंड साउंड और शानदार 4के रेजोल्यूशन के साथ फिल्म नए वर्जन में बड़े पर्दे पर दिखेगी। 1995 में रिलीज हुई बाशा का निर्देशन सुरेश कृष्ण ने और निर्माण आरएम वीरप्पन ने सत्या मूवीज के बैनर तले किया था। 30 साल पहले 1995 में रिलीज हुई यह फिल्म सुपरस्टार रजनीकांत के फिल्मी करियर की बड़ी ब्लॉकबस्टर के रूप में जानी जाती है। फिल्म, पूरे भारत में 15 महीने तक सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चली। फैंस एक बार फिर अपने हीरो को 4के एटमॉस साउंड टेक्निक से तैयार फिल्म में एक्टिंग करते दिखेंगे। दावा है कि ये किसी नई रिलीज फिल्म का अनुभव देगा। आरएम वीरप्पन के बेटे थंगराज वीरप्पन सत्या मूवीज की ओर से इसे रिलीज करेंगे। बाशा एक गैंगस्टर की कहानी है, जिसे भारतीय सिनेमा में एक्शन फिल्मों की नई शैली को लाने का श्रेय दिया जाता है। फिल्म में रजनीकांत के एक संवाद, नान ओरु थडावा सोन्ना, नूरु थडावा सोन्ना मथिरी (मैं जो एक बार कहता हूं वह 100 बार कहने जैसा है) ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया था। इस डायलॉग को अब भी लोग उसी जोश से बोलते हैं। रील और मीम्स के जमाने में इसे विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जाता है। फिल्म में रजनीकांत और नगमा के साथ रघुवरन (दिवंगत), चरणराज, आनंदराज, जनागराज, विजयकुमार और युवरानी भी अहम भूमिका में हैं। जानकारी के अनुसार निमार्ताओं ने अभी तक बाशा के रिलीज की तारीख तय नहीं की है, लेकिन जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

# डेब्यू फिल्म आजाद को लेकर सुर्खियों में राशा थडानी

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । अपनी डेब्यू फिल्म आजाद को लेकर मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में राशा अजय देवगन और उनके भतीजे अमन देवगन के साथ नजर आएंगी। अभिषेक कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म 17 जनवरी 2025 को रिलीज होने जा रही है। हाल ही में फिल्म का गाना ऊई अम्मा रिलीज हुआ था, जिसमें राशा के डांस को दर्शकों ने खूब सराहा। इन सबके बीच, राशा का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह सेट पर पढ़ाई करती नजर आ रही हैं। वीडियो में राशा मेकअप करवाते हुए अपनी 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी में व्यस्त दिख रही हैं। जहां मेकअप आर्टिस्ट उनका मेकअप कर रहा है और हेयर स्टाइलिस्ट उनके बाल संवार रहा है, वहीं राशा पूरी तन्मयता से अपनी किताबों में डूबी हुई हैं। वीडियो में जब उनसे पूछा गया कि वह क्या कर रही हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, पढ़ाई। मेरे बोर्ड एग्जाम में सिर्फ 10 दिन बचे हैं, मैं जियोग्राफी पढ़ रही हूं। राशा की इस लगन ने कई लोगों का ध्यान खींचा। हालांकि, वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर मिलेजुले रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। जहां कुछ लोग उनकी मेहनत की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग उनकी उम्र और पढ़ाई पर मजाक कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, लगता है पढ़ाई की भी एक्टिंग कर रही हैं। जबकि दूसरे ने कहा, ये 12वीं में हैं? ऐसा लगता है ग्रैजुएशन पूरी कर चुकी हैं।दूसरी ओर, राशा के अनुशासन और समर्पण ने कई फैंस को प्रभावित किया। एक फैन ने लिखा, शूटिंग के साथ पढ़ाई करना आसान नहीं है, लेकिन राशा इसे बखूबी निभा रही हैं।

# लॉस एंजिल्स में आग : ईवा लोंगोरिया ने पीड़ितों को 50,000 डॉलर दान किए

प्रात: किरण,/ एजेसी

लॉस एंजिल्स, । अभिनेत्री ईवा लोंगोरिया ने लॉस एंजिल्स के जंगल में लगी आग के पीड़ितों की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। अभिनेत्री ने आग से प्रभावित पीड़ितों को 50,000 डॉलर दान करने की जानकारी दी। इसके साथ उन्होंने एक भावुक वीडियो भी साझा किया। सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर वीडियो को साझा करते हुए लिखा,लॉस एंजिल्स शहर और वहां लगी विनाशकारी आग को लेकर मेरा दिल दुखी है। इस आग ने कई लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। मैं व्यक्तिगत रूप से ह्यदिस इज अबाउट मैनिटी (संगठन) के प्रयासों में 50 हजार डॉलर का योगदान दे रही हूं, ताकि फ्रंटलाइन कर्मचारियों, खेत मजदूरों, दिहाड़ी मजदूरों और इन जंगल की आग से प्रभावित परिवारों का समर्थन किया जा सके। अभिनेत्री ने दूसरों को भी मदद करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि हम इस घड़ी में एक साथ आ सकते हैं और समाज में इनका समर्थन कर सकते हैं। यदि आप कर सकते हैं तो शेयर करें, रीपोस्ट करें या दान करें ह्व साझा किए गए वीडियो में लोंगोरिया ने कहा कि वह आग से प्रभावित फ्रंटलाइन कार्यकताओं और परिवारों की सहायता के लिए संगठन को 50,000 डॉलर दान कर रही हैं। उन्होंने कहा, यह अजीब सप्ताह रहा, बहुत से लोगों के लिए विनाशकारी साबित हुआ। बहुत से दोस्तों ने अपना बहुत कुछ खो दिया है। उन्होंने उन यादों या चीजों को भी खो दिया, जिसके लिए उन्होंने जिंदगी में कड़ी मेहनत की थी। अभिनेत्री ने बताया,हमने कपड़े दान किए हैं और मैं दिस इज अबाउट मैनिटी संगठन का समर्थन कर रही हूं। फ्रंटलाइन आवश्यक कर्मचारियों और आग से प्रभावित परिवारों के लिए मैं व्यक्तिगत रूप से 50,000 डॉलर दान करने जा रही हूं, जो उन सभी परिवारों के सपोर्ट के लिए है जो हमें भोजन उपलब्ध कराने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ये लोग (खेत में काम करने वाले) इस खतरनाक परिस्थिति में भी हमारे लिए वहां जा रहे हैं और हमारे लिए काम कर रहे हैं। वीडियो के अंत में अभिनेत्री ने सभी से मजबूत बने रहने की बात कहते हुए आगे कहा, मुझे पता है कि सोशल मीडिया पर बहुत सारी चीजें हैं। मुझे नहीं लगता कि यह इन बातों को लेकर सोचने का समय है कि क्या सही और क्या गलत हुआ। हमें अभी स्थिति पर काबू पाना है। इसलिए जो लोग मदद कर रहे हैं और अपना काम कर रहे हैं, उनका शुक्रिया।

# फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट बटोर रही सुर्खियां

मुंबई, । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट लगातार सुर्खियां बटोर रही है। फिल्म निमार्ता पायल कपाड़िया की इस फिल्म को 82वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में नामांकित किया गया था, हालांकि यह अवॉर्ड जीतने में सफल नहीं रही। इसके बावजूद इस फिल्म को विभिन्न प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स में लगातार नामांकन मिल रहे हैं, जो उनके काम की अंतरराष्ट्रीय सराहना का प्रतीक है। अब, पायल कपाड़िया को उनकी इस फिल्म के लिए डायरेक्टर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका अवॉर्ड्स में नामांकन मिला है। डीजीए अवॉर्ड्स के 2025 की सूची में पायल को निर्देशक श्रेणी में शामिल किया गया है। इस श्रेणी में उनके साथ मेगन पार्क (माई ओल्ड ऐस), रेमेल रॉस (निकेल बॉयज), हाफडान उल्मन टांडेल (आर्मंड), और सीन वांग (डिडी) जैसे प्रतिष्ठित नाम भी शामिल हैं। पायल को यह नामांकन उनकी उत्कृष्ट निर्देशन शैली और फिल्म के गहन दृष्टिकोण के लिए दिया गया है, जिसने दर्शकों और आलोचकों को समान रूप से प्रभावित किया है। फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट को ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स की लॉन्गलिस्ट में भी जगह मिली है। यह फिल्म बाफ्टा की तीन प्रमुख श्रेणियों में नामांकित हुई है, जिसमें बेस्ट डायरेक्टर, फिल्म नॉट इन इंग्लिश लैंग्वेज, और बेस्ट ओरिजिनल स्क्रीनप्ले शामिल हैं। यह उपलब्धि पायल और भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का विषय है। पायल की यह फिल्म सामाजिक मुद्दों और मानवीय संवेदनाओं को बारीकी से उजागर करती है। इसमें दिखाए गए विषयों और उनकी संवेदनशील प्रस्तुति ने फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।

# थाईलैंड वेकेशन से तस्वीरें और वीडियो शेयर किया आलिया ने

मुंबई, । हाल ही में अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने थाईलैंड वेकेशन से नई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जो उनके फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रही हैं। आलिया अपने पूरे परिवार के साथ थाईलैंड में छुट्टियां मना रही थीं, जहां से उन्होंने कई यादगार लम्हे कैमरे में कैद किए। तस्वीरों में आलिया को वाटर स्पोर्ट्स का मजा लेते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने इस दौरान ग्रे टैंक टॉप और रेड शॉर्ट्स पहन रखा था, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। बिना मेकअप के भी आलिया का चेहरा चमक रहा था, और सूरज की तपिश के बावजूद उनकी त्वचा पर खास नूर नजर आ रहा था। इसके अलावा, आलिया ने अपने वेकेशन के दौरान ब्लैक स्विमसूट में भी अपनी तस्वीरें साझा कीं। यह स्विमसूट हुंजा जी ब्रांड का था, जिसमें डीप गोल नेकलाइन और सफेद पाइपिंग वाली स्लीव्स थीं। आलिया ने अपने गीले बालों और सिर पर चश्मा लगाए किलर लुक के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। आलिया ने इन तस्वीरों के साथ एक मजेदार कैप्शन लिखा, अगर आपने बीच की तस्वीर पोस्ट नहीं की तो इसका मतलब है कि क्या आप छुट्टी पर गए भी थे? इसके साथ ही उन्होंने थाईलैंड के उस खूबसूरत रिसॉर्ट को धन्यवाद दिया, जहां वे ठहरी थीं। उन्होंने लिखा, एनिथाइलेंड यादों के लिए धन्यवाद... और इस टैन के लिए भी। आलिया की ये तस्वीरें और वीडियो न केवल उनके वेकेशन का मजा बयां करती हैं, बल्कि यह भी साबित करती हैं कि वह हर लुक में बेमिसाल लगती हैं। फैंस उनकी इन झलकियों पर दिल खोलकर प्यार बरसा रहे हैं। बता दें कि अदाकारी के साथ-साथ अभिनेत्री आलिया भट्ट अपने स्टाइलिश अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं।

# रंजनअंजलि अरोड़ा ने शुरू की अपनी शादी की तैयारी

मुंबई, । एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा ने अपनी शादी की तैयारी शुरू कर दी। एक्ट्रेस ने शादी की जानकारी देकर फैंस को चौंका दिया है। मशहूर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में अंजलि एक कैफे में नजर आईं, जहां वह ड्रिंक का आनंद ले रही थीं। उनके साथ कई शॉपिंग बैग्स भी दिखे, जो उनके वेडिंग शॉपिंग का इशारा कर रहे थे। वीडियो में अंजलि ने कहा, बहुत ही जल्द मेरी शादी हो रही है, शॉपिंग चालू कर दी है मैंने। आप सब भी मेरी शादी में इन्वाइटेड हो, मेरे सजना आ रहे हैं और बहुत जल्द शादी होगी हमारी। हालांकि, अंजलि ने शादी की तारीख और अपने होने वाले दूल्हे के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी इस बात से फैंस के बीच हलचल मच गई है। सोशल मीडिया पर फैंस अंजलि की शादी को लेकर मजेदार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, क्या अपनी शादी में भी कच्चा बादाम पर डांस करेगी? वहीं, दूसरे ने लिखा, मुबारक हो मुनव्वर भाई और भाई! कुछ फैंस ने यह जानने की भी कोशिश की कि अंजलि किससे शादी कर रही हैं। गौरतलब है कि अंजलि अरोड़ा अपने बॉयफ्रेंड आकाश सनसनवाल को डेट कर रही हैं। इससे पहले, लॉकअप शो में अंजलि और मुनव्वर फारूकी का फेक रोमांस सुर्खियों में था, लेकिन शो खत्म होने के बाद अंजलि ने अपने असली बॉयफ्रेंड आकाश से फैंस को मिलवाया। अंजलि की इस घोषणा ने उनके फैंस को काफी उत्साहित कर दिया है। अब हर कोई उनकी शादी की तारीख और तैयारियों का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। सोशल मीडिया सेंसेशन और कच्चा बादाम गर्ल के नाम से मशहूर अंजलि, जो अपनी हॉट तस्वीरों और वीडियोज के लिए चर्चा में रहती हैं, इस बार अपनी लव लाइफ और शादी की खबरों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।

# लॉस एंजिल्स में आग से हुई तबाही पर बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने जताई चिंता

मुंबई, । लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भीषण आग ने तबाही मचा दी है, वहीं रह रही बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा और उनका परिवार पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने अपने आसपास की स्थिति को दुखद बताते हुए सोशल मीडिया एक्स पर संवेदनाएं व्यक्त की हैं। प्रीति जिंटा ने लिखा- मैंने कभी नहीं सोचा था कि हमारे आसपास ऐसी आग लगेगी। हाई अलर्ट की स्थिति देखकर दुखी हूं, लेकिन ऊपर वाले का शुक्र है कि हम सब सुरक्षित हैं। मेरी प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं जो अपना सबकुछ खो चुके हैं। अग्निशमन विभाग और मददगारों को धन्यवाद। लॉस एंजिल्स में 7 जनवरी को लगी इस भयावह आग ने अब तक 16 लोगों की जान ले ली है और हजारों परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। आग से प्रभावित क्षेत्रों में तबाही का मंजर बेहद डरावना है। इससे पहले बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने भी इंस्टाग्राम के जरिए आग के बाद राहत कार्य में जुटे लोगों की तारीफ की। प्रियंका ने आग से प्रभावित परिवारों के लिए सहानुभूति व्यक्त की और मददगारों के प्रयासों को सराहा। वहीं, नोरा फतेही ने भी लॉस एंजिल्स में लगी आग के अपने भयावह अनुभव साझा किए। उन्होंने एक वीडियो के जरिए से बताया कि उन्हें अचानक घर छोड़ने का आदेश दिया गया। नोरा ने कहा कि यह बेहद डरावना अनुभव था। मैंने जल्दबाजी में अपना सामान पैक किया और बाहर निकल आई। लॉस एंजिल्स के जंगलों की आग ने न केवल वहां रहने वाले लोगों को बल्कि वहां मौजूद फिल्मी हस्तियों को भी प्रभावित किया है। अग्निशमन विभाग लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहा है। सरकार और राहत संगठनों की ओर से विस्थापित लोगों के लिए मदद पहुंचाई जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है। प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी शिविर बनाए गए हैं। जहां उनके खाने और रहने की व्यवस्था की जा रही है।

## संक्षिप्त खबरें

### जी. किशन रेड्डी तीन दिवसीय दौरे पर जाएंगे रियाद

नई दिल्ली, । केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी 14 से लेकर 16 जनवरी, 2025 तक तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर सऊदी अरब के रियाद जाएंगे। खान मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी 14 से 16 जनवरी, 2025 तक सऊदी अरब के रियाद तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे फ्यूचर मिनरल्स फोरम-2025 के मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। यह खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं और ऊर्जा संक्रमण पर केंद्रित चर्चा के लिए सऊदी अरब की ओर से आयोजित वैश्विक कार्यक्रम है। मंत्रालय ने बताया कि सम्मेलन के दौरान जी. किशन रेड्डी अन्य देशों के खान मंत्रियों से भी मिलेंगे। रेड्डी रियाद में भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।

### स्टैंडर्ड ग्लीस का शेयर निगर्म मूल्यय से करीब 26 फीसदी उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली, । स्टैंडर्ड ग्लांस लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 140 रुपये से करीब 26 प्रतिशत उछाल के साथ सोमवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 3,541.97 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का शेयर बॉम्बेज स्टॉक एक्सकचेंज (बीएसई) पर शेयर निर्गम मूल्य से 25.71 फीसदी की बढ़त के साथ 176 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान यह 29.78 फीसदी बढ़कर 181.70 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉआक एक्सदचेंज (एनएसई) पर यह 22.85 फीसदी चढ़कर 172 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के 410.05 करोड़ रुपये के आईपीओ को गत बुधवार को बोली के अंतिम दिन तक 182.57 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 133-140 रुपये प्रति शेयर तय किया था। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना 410.05 करोड़ रुपये जुटाने की है। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का नए साल में लॉन्च होने वाला ये पहला आईपीओ है। कंपनी इस निर्गम से प्राप्ति 10 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मशीनरी और उपकरणों की खरीद, कुछ बकाया उधारों और भुगतान के लिए 130 करोड़ रुपये और इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्रा.लि. में निवेश के लिए 30 करोड़ रुपये तथा 20 करोड़ रुपये सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करेगी।

### वित्त वर्ष 2025 के पहले 9 महीनों में भारत के रियल एस्टेट में पीई निवेश बढ़कर 2.82 बिलियन डॉलर हुआ

मुंबई, । वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) निवेश 6 प्रतिशत बढ़कर 2.82 बिलियन डॉलर हो गया। रियल एस्टेट फर्म एनारॉक की एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एनारोक कैपिटल के एमडी और सीईओ शोभित अग्रवाल ने कहा,एवरेज डील साइज में 32.5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि देखी गई, जो 2023-24 के नौ महीनों में 88.5 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2024-25 की समान अवधि में 117.3 मिलियन डॉलर हो गई। यह उछाल बाजार पर बड़े पैमाने पर लेनदेन के प्रभाव को दिखाता है, जिसमें टॉप 10 सौदे कुल पीई लेनदेन का 93 प्रतिशत हिस्सा हैं। वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीने में मल्टी-सिटी डील ट्रांजैक्शन टेबल पर हावी रही। बेंगलुरु और हैदराबाद क्रमशः 11 प्रतिशत और 10 प्रतिशत डील शेयर के साथ ट्रांजैक्शन टेबल में सबसे आगे रहे। वित्त वर्ष 25 के पहले नौ महीनों में, औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स सेक्टर ने कुल निवेश का 62 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया, जो ऑफिस और रेजिडेंशियल दोनों सेक्टर से काफी आगे निकल गया, जिनमें क्रमशः 14 प्रतिशत और 15 प्रतिशत का निवेश रहा। एनारोक कैपिटल के आशीष अग्रवाल कहते हैं,रेजिडेंशियल सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश का हिस्सा पिछले वर्ष की समान अवधि के 12 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है, जो रेजिडेंशियल मार्केट में बढ़ी हुई एक्टिविटी को दर्शाता है।

# ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 7.93 प्रतिशत की कमी के बाद भारत सस्टेनेबल भविष्य के लिए तैयार: केंद्र

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । भारत ने 2019 की तुलना में 2020 में ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में 7.93 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जो एक सस्टेनेबल भविष्य के लिए प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। हाल ही में सरकार द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को लेकर यह जानकारी दी गई। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश ने 2021 में पार्टियों के 26वें सम्मेलन (सीओपी 26) में 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने का संकल्प लिया है। भारत की चौथी द्विवार्षिक अपडेट रिपोर्ट ने 2019 की तुलना में 2020 में जीएचजी उत्सर्जन में 7.93 प्रतिशत की कमी को उजागर किया। देश ने 30 दिसंबर, 2024 को जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) को बीयूआर-4 पेश किया। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है,लैंड-यूज, लैंड-यूज चेंज एंड फोरेस्ट्री (एलयूएलयूसीएफ) को छोड़कर, भारत का उत्सर्जन 2,959 मिलियन टन सीओटूई था। एलयूएलयूसीएफ सहित, शुद्ध उत्सर्जन 2,437 मिलियन टन सीओटूई था। ऊर्जा क्षेत्र सबसे बड़ा योगदानकर्ता था, जो उत्सर्जन का 75.66 प्रतिशत था, अन्य भूमि उपयोग के साथ, लगभग 522 मिलियन टन सीओटूई को अलग किया, जो देश के कुल उत्सर्जन के 22 प्रतिशत को कम करने के बराबर था। मंत्रालय ने जोर देकर कहा,ये

प्रयास समानता और पेरिस समझौते के सिद्धांतों के आधार पर अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों को संबोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। भारत, वैश्विक तापमान में न्यूनतम योगदान देने के बावजूद, अपनी बड़ी आबादी और विकास संबंधी जरूरतों के कारण महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। देश अपनी अनूठी परिस्थितियों को संबोधित करते हुए कम कार्बन विकास और जलवायु लचीलापन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 1850 और 2019 के बीच दुनिया की आबादी का लगभग 17 प्रतिशत होने के बावजूद, संचयी वैश्विक जीएचजी उत्सर्जन में भारत का ऐतिहासिक हिस्सा सालाना 4 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में भारत की प्रति व्यक्ति वार्षिक प्राथमिक ऊर्जा खपत 28.7 गीगाजूल (जीजे) थी, जो विकसित और विकासशील दोनों देशों की तुलना में काफी कम है। देश ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक स्थायी मार्ग तैयार करने के लिए दीर्घकालिक कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन विकास रणनीति (एलटी-एलईडीएस) तैयार की है। मंत्रालय ने कहा,भारत अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीति और महाकुंभ 2025 में मियावाकी वृक्षारोपण जैसी प्रमुख पहलों को लागू कर रहा है। ये प्रयास संतुलित विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हैं, जिससे जलवायु-अनुकूल भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है।

# आईपीओ लाने जा रही सीफूड कंपनी कैप्टन फ्रेश को वित्त वर्ष 24 में हुआ 229 करोड़ रुपये का नुकसान

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । आईपीओ लाने की तैयारी कर रही बी2बी सेगमेंट की सीफूड कंपनी कैप्टन फ्रेश को वित्त वर्ष 24 में 229 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कंपनी के नुकसान में सालाना आधार पर 340 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 23 में यह 52 करोड़ रुपये था। कंपनी का नुकसान बढ़ने की वजह कुल खर्च में बढ़ोतरी होना है। वित्त वर्ष 24 में यह सालाना आधार पर 44.8 प्रतिशत बढ़कर 1,648 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 1,138 करोड़ रुपये था। कंपनी के खर्च में सबसे बड़ी हिस्सेदारी 79.55 प्रतिशत सामग्री लागत की है। वित्त वर्ष 24 मंन यह 72.5 प्रतिशत बढ़कर 1,311 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी का वित्त वर्ष 24 में कर्मचारी खर्च सालाना आधार पर 32.45 प्रतिशत घटकर 81.6 करोड़ रुपये हो गया है। लीगल खर्च सालाना आधार पर 30.56 प्रतिशत बढ़कर 47 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 24 में कंपनी का ट्रांसपोर्टेशन खर्च सालाना आधार पर 24 प्रतिशत गिरकर 38 करोड़ रुपये हो गया है। अन्य खर्च 170.4 करोड़ रुपये पर स्थिर बने हुए हैं। वित्त वर्ष 24 में कैप्टन फ्रेश की परिचालन आय सालाना आधार पर 70.7 प्रतिशत बढ़कर 1,395 करोड़ रुपये रही है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 817 करोड़ रुपये थी। इसमें से 99.28 प्रतिशत या 1,385 करोड़ रुपये की आय उत्पादों की बिक्री से आई है। वहीं, सेवाओं

की बिक्री से 1.3 करोड़ रुपये और अन्य मदों से 8.7 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। ब्याज से प्राप्त हुई 27 करोड़ रुपये की आय को भी अगर मिला दिया जाए तो वित्त वर्ष 24 में कैप्टन फ्रेश की सकल आय 1,422 करोड़ रुपये रही है। वित्त वर्ष 24 में नुकसान में रहने के कारण कंपनी का आरओसीई और एबिटा मार्जिन (-) 22.95 प्रतिशत और (-)12.10 प्रतिशत पर बना हुआ है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में एक रुपये की आय अर्जित करने के लिए 1.18 रुपये खर्च किए थे। वित्त वर्ष 24 में कंपनी की करंट एसेट्स 1,804 करोड़ रुपये थी और इसमें 148 करोड़ रुपये का कैश और बैंक बैलेंस भी शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी आईपीओ की तैयारी कर रही है। हाल ही में प्री-आईपीओ फंडिंग के तहत 100 करोड़ रुपये मोतीलाल ओसवाल ग्रुप से जुटाए हैं। कंपनी ने एक्सिस कैपिटल और बीओएफए को आईपोओ के लिए बैंकर नियुक्त किया है। कैप्टन फ्रेश ने अब तक कुल 176 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई है, जिसमें मैट्रिक्स पार्टनर्स, टाइगर ग्लोबल, एक्सेल, प्रोसस और अंकुर कैपिटल इसके प्रमुख निवेशक हैं।

# रुपया 27 पैसे टूटकर 86.31 डॉलर पर

रुपया पिछले कारोबारी दिन 18 पैसे टूटकर 86.04 पर बंद हुआ था

प्रात : किरण/एजेंसी

मुंबई, । रुपये में गिरावट का सिलसिला सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में जारी रहा और अस्थिर वैश्विक संकेतों के बीच मजबूत अमेरिकी मुद्रा के कारण वह 27 पैसे टूटकर 86.31 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के कारण भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.12 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 86.31 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 27 पैसे की भारी गिरावट दशार्ता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे टूटकर 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109.72 पर रहा।

# आईडीबीआई बैंक ने की चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटिजन एफडी की शुरूआत

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) ने आईडीबीआई चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटिजन सावधि जमा (एफडी) की शुरूआत की है। बैंक की विज्ञप्ति के अनुसार यह एफडी सुविधा 80 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिये पेश की गयी है। इस एफडी में बैंक की स्टैंडर्ड फिक्स्ड डिपॉजिट दरों के ऊपर अतिरिक्त 65 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) और सीनियर सिटिजन दरों के ऊपर 15 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) मिलेंगे। एफडी पर ब्याज दरें 555 दिन की अवधि के लिये अधिकतम ब्याज दर 8.05 प्रतिशत प्रति वर्ष, 375 दिन के लिए 7.90 प्रतिशत प्रति वर्ष, 444 दिन के लिए 8.00 प्रतिशत प्रति वर्ष, 700 दिन के लिए 7.85 प्रतिशत प्रति वर्ष मिलेंगी। इस सुविधा की शुरूआत के बारे में आईडीडीआई बैंक के उप प्रबंध निदेशक सुमित फक्का ने कहा, हमें आईडीबीआई चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटिजन एफडी लॉन्च करने की खुशी है। यह एफडी सुपर सीनियर सिटिजंस के लिये पेश की गयी है। यह उन्हें निवेश का सुरक्षित विकल्प प्रदान करेगी, तथा उन्हें वित्तीय सुरक्षा के साथ मानसिक सुकून देगी।

# ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट ने 2024 में की शानदार वापसी, बिक्री 4 प्रतिशत बढ़ी

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में 2024 में बिक्री को लेकर सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ एक जबरदस्त वापसी हुई। सोमवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मैक्रोइकोनॉमिक सुधारों के बाद पिछले वर्षों की तुलना में कंज्यूमर सेंटीमेंट बेहतर रहा। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, इससे पहले 2023 में स्मार्टफोन की बिक्री एक दशक में सबसे कम रही। रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा,स्मार्टफोन एक जरूरी प्रोडक्ट बना हुआ है, जो लोगों के रोजाना की जिंदगी का एक अहम हिस्सा है। जैसे-जैसे मैक्रोइकोनॉमिक दबाव कम हुआ, बाजार ने 2023 की चौथी तिमाही से रिकवरी के संकेत दिखाने शुरू कर दिए और अब लगातार पांच तिमाहियों से बढ़ रहा है। यूरोप, चीन और लैटिन अमेरिका के नेतृत्व में लगभग सभी मार्केट में वृद्धि देखी गई। सैमसंग ने 2024 में बाजार का नेतृत्व करना जारी रखा। कंपनी की एस24 सीरीज और ए-सीरीज प्रोडक्ट लाइनों की मजबूत मांग बनी रही। रिपोर्ट के अनुसार, एस24 सीरीज एआई डिवाइस के रूप में पेश किया गया पहला फोन है, जिसने अपने पिछले सभी मॉडल से बेहतर प्रदर्शन किया। पश्चिमी यूरोप और अमेरिका में इसे खास तौर पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली। 18 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एप्पल ने दूसरा स्थान हासिल किया। एप्पल की आईफोन 16 सीरीज को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, जिसका कारण लॉन्च के समय एप्पल इंटेलिजेंस की उपलब्धता की कमी थी। हालांकि, एप्पल ने लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया-प्रशांत-अन्य जैसे अपने गैर-प्रमुख बाजारों में मजबूती से विकास जारी रखा। शाओमी ने 2024 में शीर्ष पांच ब्रांडों में सबसे तेजी से विकास किया। रिपोर्ट में कहा गया है,ओप्पो सालाना गिरावट के साथ चौथे स्थान पर आया, लेकिन इसने साल का अंत मजबूत गति के साथ किया। भारत और चीन में मजबूत प्रदर्शन के कारण वीवो टॉप पांच में शामिल हुआ, जहां इसने साल का अंत शीर्ष रैंक वाले ओईएम के रूप में किया। रिपोर्ट के अनुसार,जबकि जेनएआई-इनेबल्ड स्मार्टफोन अभी प्रीमियम सेगमेंट तक ही सीमित हैं, हम उम्मीद करते हैं कि जेनएआई मिड-रेंज डिवाइस के लिए भी एक मानक बन जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक, हमें उम्मीद है कि 250 डॉलर से ज्यादा कीमत वाले दस में से नौ स्मार्टफोन जेनएआई-इनेबल्ड होंगे। अल्ट्रा-प्रीमियम स्मार्टफोन ( जिनकी कीमत 1000 डॉलर से ज्यादा ) की बिक्री 2024 में सबसे तेजी से बढ़ी, क्योंकि कंज्यूमर ने अपने अगले स्मार्टफोन पर ज्यादा खर्च करने को प्राथमिकता दी। रिपोर्ट में कहा गया,2025 में, हमें उम्मीद है कि राजस्व वृद्धि वॉल्यूम वृद्धि से आगे निकल जाएगी, जिसमें राजस्व में सालाना आधार पर 8 प्रतिशत की ग्रोथ दिखेगी।

# सप्ताह के पहले दिन सोना हुआ महंगा, चांदी में आई गिरावट

सोना 78,584 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी 92,161 रुपए पर

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । बीते सप्ताह सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहने बाद सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने की कीमत में तेजी आई है। जबकि चांदी में 0.37 फीसदी की गिरावट। एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.27 फीसदी की तेजी के साथ 78,584 रुपए जबकि चांदी 92,161 रुपए पर कारोबार कर रही है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सरार्फा बाजार में सोने की कीमत 250 रुपए बढ़कर 80,550 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। रुपए के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद फुटकर विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की सतत लिवाली के साथ सोने के दाम में तेजी आई। पिछले सत्र में सोने की कीमत 80,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, शुक्रवार को चांदी 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और यह 250 रुपए बढ़कर 80,150 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। बीते साल सोने का भाव 20.22 फीसदी बढ़ा। वहीं चांदी की कीमत में 17.19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 76,583 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,948 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इस दौरान एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

# एप्पल के लिए भारत में शानदार रहा 2024, 1 लाख करोड़ रुपये मूल्य वाले आईफोन हुए निर्यात

नई दिल्ली, । सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते ट्रेंड के चलते, एप्पल ने कैलेंडर वर्ष 2024 में भारत से 1 लाख करोड़ रुपये (1 ट्रिलियन) मूल्य के आईफोन निर्यात किए हैं। शुरूआती उद्योग अनुमानों के अनुसार, एप्पल ने पिछले साल 2024 में 12 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के आईफोन निर्यात किए, जो 2023 से 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि है। अनुमानों के अनुसार, एप्पल का घरेलू उत्पादन एक साल पहले की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ा है। क्यूपर्टिनो स्थित टेक दिग्गज ने पिछले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2024) में भारत में 14 बिलियन डॉलर के आईफोन मैन्युफैक्चर और एसेंबल किए, जिसमें 10 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के आईफोन का निर्यात किया गया। इस बीच, एप्पल इकोसिस्टम ने चार वर्षों में 1,75,000 नई प्रत्यक्ष नौकरियां भी पैदा की हैं, जिनमें 72 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। 2024 भारत में एप्पल के लिए बेहतरीन रहा। इस तकनीकी दिग्गज ने निर्यात के साथ-साथ घरेलू बिक्री के नए रिकॉर्ड बनाए, जो प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते ट्रेंड, सरकार की पीएलआई योजना और एग्रेसिव खुदरा विस्तार से जुड़ी थी। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले एक साल में भारत में एप्पल के रणनीतिक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं और बाजार में इसका महत्व बढ़ा है। काउंटरपॉइंट रिसर्च में मोबाइल डिवाइस और इकोसिस्टम के शोध निदेशक तरुण पाठक के अनुसार, एप्पल ने युवाओं की पसंद का ख्याल रखते हुए एक मजबूत कंज्यूमर कनेक्ट स्थापित किया। कंपनी ने चैनल, मैन्युफैक्चरिंग के विस्तार के साथ मार्केटिंग कैंपेन पर भी खास ध्यान दिया और भारत में एक बड़ी हिस्सेदारी हासिल की। पाठक ने कहा,भारत में प्रीमियमाइजेशन, आसानी से उपलब्ध फाइनेंसिंग, प्रीमियम स्मार्टफोन की खरीदारी को बढ़ाता है। जिसके साथ एप्पल इस विशेष सेगमेंट पर ध्यान केंद्रित कर फायदा उठाता है। आने वाले वर्ष में भारत में एप्पल की वृद्धि महत्वपूर्ण गति के साथ जारी रहने की उम्मीद है, जिसे एग्रेसिव खुदरा विस्तार, टारगेटेड मार्केटिंग रणनीतियों और ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ बल मिलेगा। इस बीच, प्रीमियमाइजेशन के चल रहे ट्रेंड और लोकल मैन्युफैक्चरिंग पर जोर के कारण भारत के स्मार्टफोन बाजार का मूल्य 2025 तक 50 बिलियन डॉलर को पार करने का अनुमान है। काउंटरपॉइंट के इंडिया स्मार्टफोन आउटलुक के लेटेस्ट रिसर्च के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार का खुदरा औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) इस साल पहली बार 300 डॉलर के आंकड़े को पार करने की उम्मीद है। एप्पल प्रीमियम और अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी विकल्प पेश करके इस बदलाव का नेतृत्व कर रहा है।

# खुलते ही भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

- सेंसेक्स 800 अंक गिरा; निफ्टी 23,200 से नीचे फिसला

मुंबई, । वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार ने बड़ी गिरावट लेकर शुरूआत की है। महंगाई के आंकड़ों, कमजोर ग्लोबल संकेतों और दिसंबर तिमाही के नतीजों को लेकर अनिश्चितता की वजह से बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 843.67 अंक गिरकर 76,535.24 और निफ्टी 258.8 अंक गिरकर 23,172.70 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बावजूद आईटी शेयरों में तेजी देखी गई, लेकिन घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को बढ़त के साथ 77,682 अंक पर खुला था। हालांकि, कारोबार के दौरान यह 600 अंक तक गिर गया। अंत में सेंसेक्स 241.30 अंक की गिरावट के साथ 77,378.91 पर बंद हुआ। निफ्टी50 ने भी बढ़त के साथ शुरूआत की, लेकिन थोड़ी देर में ही लाल निशान में आ गया। अंत में निफ्टी 95 अंक गिरकर 23,431 पर बंद हुआ। वहीं एशिया-प्रशांत के बाजारों ने हफ्ते की शुरूआत कमजोर की है। शुक्रवार को आए मजबूत अमेरिकी जॉब डेटा के बाद फेडरल रिजर्व द्वारा जल्दी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गईं। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.84 फीसदी गिरा और कोरिया का कोस्पी भी 0.4 फीसदी की गिरावट पर है। जापान के बाजार सोमवार को छुट्टी के कारण बंद रहे। अमेरिका में शुक्रवार को शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज हुई। डाओ जोंस और नेस्डेक गिरावट के साथ बंद हुए। दिसंबर में अमेरिका में 2,56,000 नई नौकरियां जुड़ीं, जो 1,55,000 के अनुमान से कहीं ज्यादा थीं।

# गोदरेज प्रॉपर्टीज की हैदराबाद में पहली आवासीय परियोजना शुरू

कंपनी का 1,300 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

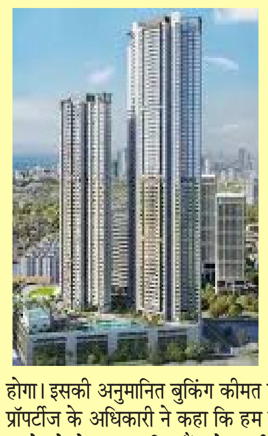

नई दिल्ली, । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हैदराबाद में अपनी पहली आवासीय परियोजना शुरू कर दी है, कंपनी को इस आवासीय परियोजना से करीब 1,300 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में हैदराबाद में अपनी पहली प्रीमियम आवासीय परियोजना गोदरेज मैडिसन एवेन्यू की शुरूआत की घोषणा की। कंपनी सूचना के अनुसार हैदराबाद के कोकापेट में तीन एकड़ भूमि पर फैली इस परियोजना में करीब 12 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। इसकी अनुमानित बुकिंग कीमत करीब 1,300 करोड़ रुपये होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के अधिकारी ने कहा कि हम हैदराबाद में अपनी पहली परियोजना शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं, जो हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोकापेट रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान है और बुनियादी ढांचागत लाभ इसे प्रीमियम आवासीय विकास के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। कंपनी की मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र), बेंगलुरु और पुणे आवास बाजारों में मजबूत उपस्थिति है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, मंगलवार, 14 जनवरी,2025



# भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को 116 रनों से हराया

प्रात: किरण,/ एजेसी

राजकोट,। जेमिमाह रॉड्रिग्स (102), हरलीन देओल (89), कप्तान स्मृति मंधाना (73), प्रतिका रावल (67) की शानदार बल्लेबाजी के बाद दीप्ति शर्मा(तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को 116 रनों से हरा दिया है।

इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

370 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने आठवें ही ओवर में कप्तान गैबी लुईस (12) का विकेट गवां दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने सारा फोर्ब्स के साथ पारी संभालने का प्रयास किया।

21वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने सारा फोर्ब्स (38) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई।

27वें ओवर में प्रिया मिश्रा ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट (तीन) को आउट किया। 41वें ओवर में शतक की ओर बढ़ रही क्रिस्टिना कुल्टर रीली को तितास साधु ने बोल्ड कर पवेलियन भेजा। क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने 113 गेंदों में 10 चौके लगाते हुए (80) रनों की जूझारु पारी खेली।

42वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने लॉरा डेलेनी (32) को पगबाधा आउट किया।

अवा कैनिंग (11) को प्रिया मिश्रा ने आउट किया। ली पॉल (27) और जॉर्जिना डेम्पसी (छह) रन बनाकर नाबाद रही।

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड की टीम निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 254 रन ही बना सकी और 116 रनों से मुकाबला हार गई।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा को तीन विकेट मिले।

प्रिया मिश्रा ने दो विकेट लिये।

तितास साधु और सायली सातघरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी भारत की स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 156 रन जोड़े।

19वें ओवर में ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

मंधाना ने 54 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (73) रन बनाये।

अगले ही ओवर में जॉर्जिना डेम्पसी ने प्रतिका रावल को आउट कर पवेलियन भेज दिया।

रावल ने 61 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए (67) रन बनाये।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हरलीन देओल और जेमिमाह रॉड्रिग्स की जोड़ी ने एक बार फिर आयरलैंड के गेंदबाजों की धुनाई शुरू कर दी।

48वें ओवर में आर्लीन केली ने हरलीन देओल को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। हरलीन देओल ने 84 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए (89)रन बनाये।

वहीं जेमिमाह रॉड्रिग्स ने 91 गेंदों में 12 चौके लगाते हुये (102) रनों की शतकीय पारी खेली। ऋचा घोष (10) रन बनाकर आउट हुई।

भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 370 रनों बनाकर एकदिवसीय में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

आयरलैंड की ओर से ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली ने दो-दो विकेट लिये।

जॉर्जिना डेम्पसी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

# चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने पर लिटन दास ने कहा मुझे किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं

प्रात: किरण,/ एजेसी

ढाका,। चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने के कुछ घंटों बाद, बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास ने मौजूदा बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में धमाकेदार शतक लगाने के बाद कहा कि उन्हें किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सिर्फ 44 गेंदों पर 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से अपना पहला बीपीएल शतक बनाया और ढाका कैपिटल्स की सीजन की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई। इसने फ्रैंचाइजी के लिए छह मैचों की हार का सिलसिला भी तोड़ दिया। अपनी पारी के दौरान, लिटन परवेज हुसैन इमोन के बाद बीपीएल इतिहास में दूसरे सबसे तेज बांग्लादेशी शतकवीर बन गए, जिन्होंने 2020 बंगबंधु बीपीएल सीजन में 42 गेंदों पर शतक बनाया था। संयोग से, यह इमोन ही हैं जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बैक अप ओपनर के रूप में लिटन की जगह ली है। लिटन कुछ समय से सफेद गेंद के प्रारूप में संघर्ष कर रहे थे क्योंकि वनडे में उनका आखिरी अर्धशतक भारत में 2023 विश्व कप में आया था, अपने आखिरी पांच वनडे में उन्होंने केवल छह रन बनाए जिसमें तीन शून्य शामिल थे। ऐसे परिदृश्य में, बाहर निकाला जाना लिटन सहित सभी के लिए पूरी तरह से आश्चर्य की बात नहीं थी और जब उनसे अपने आलोचकों को जवाब देने के बारे में पूछा गया, तो विकेटकीपर बल्लेबाज ने एक अलग जवाब दिया। उन्होंने खेल के बाद संवाददाताओं से कहा, नहीं भाई, किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है और मुझे किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मेरे दिमाग में हमेशा चलता है कि मैं अपने क्रिकेट को कैसे बेहतर बना सकता हूं। मुझे लगता है कि हाल ही में मेरा समय अच्छा नहीं गुजर रहा था। मैंने आज जो प्रदर्शन किया, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं अगले गेम में भी वैसा ही कर पाऊंगा। लेकिन मैं लगातार बने रहने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा,यह कहना मुश्किल है कि मैंने उन्हें (चयनकताओं को) जवाब दे दिया है या नहीं, लेकिन अब गेंद चयनकताओं के पाले में है। वे फिलहाल नहीं सोचते कि मैं टीम के लिए फिट हूं और यही कारण है कि मैं टीम में नहीं हूं। उन्होंने कहा, अगर उन्हें लगता है कि मैं काफी फिट हूं, तो वे मुझे वापसी का मौका दे सकते हैं, लेकिन फैसला उन्हें ही करना है। मैं फिलहाल बीपीएल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और सोच रहा हूं कि मैं कैसे अच्छा कर सकता हूं। लिटन ने खुलासा किया कि उन्हें चयन पैनल से कोई स्पष्ट संदेश नहीं मिला कि उन्हें क्यों बाहर किया गया, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें कारण पता था। उन्होंने कहा, एक स्पष्ट संदेश दिया गया था (मुझे क्यों बाहर किया गया) लेकिन यह चयनकताओं के माध्यम से नहीं था। मुझे बाहर क्यों रखा गया, यह आप मीडिया में जान सकते हैं। यदि आप देखते हैं कि मुझे क्यों बाहर किया गया, तो ऐसा इसलिए था क्योंकि मैं प्रदर्शन नहीं कर रहा था और आप (मीडिया) सभी ने इस पर खबर बनाई, यह एक खुला रहस्य है और इसमें छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं मैच से पहले और बाद में एक ही मानसिकता रखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि आज जो हुआ वह अतीत में है और मैंने आज अच्छी पारी खेली होगी लेकिन कल फिर से शुरूआत करनी होगी। मुझे पता है मुझे शुरूआत से ही अपनी पारी बनानी होगी, मैं कड़ी मेहनत करूंगा और देखते हैं क्या होता है।

# आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय शुरूआती टीम घोषित

प्रात: किरण,/ एजेसी

मेलबर्न,। ऑस्ट्रेलिया ने 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 खिलाड़ियों की शुरूआती टीम का ऐलान किया है। यह टूनार्मेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान और यूएई में शुरू होगा। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट और आरोन हार्डी को टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में शानदार प्रदर्शन किया है, जबकि हार्डी एक बढ़िया तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद, मैट शॉर्ट ने सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की कर ली है। जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस, जो श्रीलंका दौरे के लिए टीम में नहीं थे, भी इस बार टीम में हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने भी अपनी जगह बरकरार रखी है। नाथन एलिस, जिन्होंने होबार्ट हरिकेंस को बीबीएल 14 के फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, भी टीम में शामिल हैं। हालांकि, जैक फ्रेजर-मैकगर्क को खराब फॉर्म के चलते बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह शॉर्ट को ट्रेविस हेड के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में चुना गया है। कप्तान पैट कमिंस इस टूनार्मेंट में टीम का नेतृत्व करेंगे, लेकिन उनके टखने की चोट के चलते खेलना अभी तय नहीं है। कैमरन ग्रीन (पीठ की सर्जरी) और सीन एबॉट भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। चयनकताओं ने टीम में ज्यादा ऑलराउंडरों को शामिल किया है, जिनमें मिच मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस और स्पिन ऑलराउंडर ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन शामिल हैं। एडम जाम्पा मुख्य स्पिनर होंगे, जबकि तेज गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस, हेजलवुड और नाथन एलिस होंगे। चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा,यह एक संतुलित और अनुभवी टीम है, जिसमें पिछले वनडे वर्ल्ड कप और अन्य बड़ी सीरीज का अनुभव है। यह टीम हर परिस्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम है। ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसके मुकाबले अफगानिस्तान, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका से होंगे। ग्रुप के सभी मैच पाकिस्तान के लाहौर और रावलपिंडी में खेले जाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले के लिए लाहौर या दुबई को चुना गया है। फाइनल 9 मार्च को होगा। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीमः पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा

# इरा जाधव ने तूफानी बल्लेबाजी कर बनाया नाबाद 346 रनों का रिकार्ड

प्रात: किरण,/ एजेसी

नई दिल्ली,। मुंबई की इरा जाधव ने 157 गेंदों पर 42 चौकों और 16 छक्कों की मदद से नाबाद 346 रन बनाकर महिला अंडर-19 वनडे ट्रॉफी के इतिहास में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर दर्ज करके इतिहास रच दिया. रविवार को अलूर क्रिकेट ग्राउंड पर मेघालय के खिलाफ खेलते हुए इरा जाधव ने 220.38 की स्ट्राइक रेट से गेंद को हिट किया. 14 साल की इरा जाधव अब अंडर-19 क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाली पहली भारतीय बन गईं हैं. जाधव ने किसी भारतीय द्वारा अंडर-19 में सर्वोच्च स्कोर बनाने का स्मृति मंधाना का आयु-समूह रिकॉर्ड भी तोड़ दिया क्योंकि वह बीसीसीआई द्वारा आयोजित किसी भी सीमित ओवर के टूनार्मेंट में तिहरा शतक बनाने वाली पहली भारतीय (पुरुष या महिला) बन गईं. उनके तिहरे शतक की बदौलत मुंबई ने 50 ओवरों में 3 विकेट पर 563 रन का विशाल स्कोर बनाया, जो सभी टूनार्मेंटों और आयु समूहों में किसी भी भारतीय महिला घरेलू टीम द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है. महिला अंडर-19 मैच में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का समग्र रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली के नाम है, जिन्होंने 2010 में केई के खिलाफ मपुमलांगा के लिए नाबाद 427 रन बनाए थे. पारी की शुरूआत करते हुए जाधव ने कप्तान हर्ले गाला के साथ दूसरे विकेट के लिए 274 रनों की साझेदारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने 79 गेंदों पर 116 रन बनाए. उन्होंने 71 गेंदों पर 149 रनों का योगदान दिया. इसके बाद उन्होंने दीक्षा पवार के साथ 186 रनों की साझेदारी की, जिसमें जाधव ने सिर्फ 50 गेंदों पर 137 रन बनाए. मेघालय के गेंदबाजों ने आक्रमण के सामने संघर्ष किया, जिसमें तीन गेंदबाजों ने 100 से अधिक रन दिए. दिसंबर में, जाधव ने डब्लूपीएल 2025 नीलामी पूल में सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक के रूप में प्रवेश किया, उनके साथ क्रमशः 13 और 14 साल की अंशु नागर भी शामिल थीं. अपनी प्रतिभा के बावजूद, इरा पिछली महिला प्रीमियर लीग नीलामी में नहीं बिक पाई थीं. सचिन तेंदुलकर, विनोद कांबली और अजीत अगरकर जैसे क्रिकेट दिग्गजों के अल्मा मेटर- शारदाश्रम विद्यामंदिर इंटरनेशनल स्कूल की छात्र इ्र जाधव को मलेशिया की यात्रा के लिए तैयार भारत की अंडर 19 टी20 विश्व कप टीम के लिए स्टैंडबाय में नामित किया गया था. उन्हें हालांकि मलेशिया में होने वाले टूनार्मेंट के लिए भारत की अंडर-19 टी20 विश्व कप टीम के ह्यस्टैंडबायह्व में शामिल किया गया है।

## हैदराबाद तूफान ने वेदांता कलिंगा लांसर्स को 5-1 से हराया

राउरकेला,। हैदराबाद तूफान्स हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के पुरुष वर्ग के मैच में रविवार को यहां वेदांत कलिंगा लांसर्स पर 5-1 से शानदार जीत के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। हैदराबाद तूफान्स के लिए गोंजालो पेइलेट ने दो गोल किए, जबकि माइको कैसेला, टिम ब्रांड और अर्शदीप सिंह ने एक-एक गोल किया। लांसर्स के लिए इकलौता गोल अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने किया। हेंड्रिक्स ने मैच के पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर कलिंगा लांसर्स को शानदार शुरूआत दिलायी लेकिन टीम की यह खुशी ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रही। पेइलेट ने अगले मिनट ही लांसर्स के गोलकीपर कृष्ण पाठक को छकाकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। टीम ने 21वें मिनट में कैसेला के गोल से बढ़त हासिल कर मैच पर अपना दबदबा बनाना शुरू किया। जाचरी वालेच के पास पर अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने मुश्किल कोण से शानदार गोल किया। दूसरे क्वार्टर के आखिर में पेइलेट के ड्रैग फ्लिक पर गोल कर टीम की बढ़त को मजबूत किया। आखिरी क्वार्टर में टीम ब्रांड और अर्शदीप ने गोल कर मैच को लांसर्स की पहुंच से दूर कर दिया। लांसर्स ने गोल की खोज में आखिरी मिनटों में गोलकीपर को हटा दिया जिससे अर्शदीप को 54वें मिनट में गोल करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

# ओडिशा वॉरियर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग की धमाकेदार शुरूआत की,दिल्ली एसजी पाईपर्स को 4-0 से हराया

प्रात: किरण,/ एजेसी

रांची,। उद्घाटन महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के पहले मैच में रविवार रात ओडिशा वॉरियर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 4-0 से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की।ओडिशा वॉरियर्स के लिए यिब्बी जानसन (16 और 37), बलजीत कौर (42) और फ्रीके मोएस (43) ने स्कोर किया। महिला हॉकी इंडिया लीग एक शानदार समारोह के साथ शुरू हुई जहां कलाकारों ने झारखंड की संस्कृति का प्रदर्शन किया। झारखंड सरकार की विधान सभा सदस्य और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने चार महिला एचआईएल टीमों के कप्तानों के साथ महिला हॉकी इंडिया लीग ट्रॉफी का अनावरण किया।

### ओडिशा वॉरियर्स का दमदार प्रदर्शन

ओडिशा वॉरियर्स की तरफ से यिब्बी जानसन ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहला गोल 16वें मिनट में किया और फिर 37वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की बढ़त को मजबूत किया। इसके बाद, बलजीत कौर ने 42वें मिनट में गोल कर विरोधी टीम पर दबाव बढ़ा दिया। फ्रीके मोएस ने 43वें मिनट में गोल कर वॉरियर्स की जीत को और भी पुख्ता कर दिया।

### दिल्ली एसजी पाइपर्स की रणनीति नाकाम

दिल्ली एसजी पाइपर्स ने मैच के दौरान आक्रामक खेल दिखाने की कोशिश की, लेकिन ओडिशा वॉरियर्स के सशक्त डिफेंस और गोलकीपर के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण वे एक भी गोल करने में नाकाम रहे। टीम की रणनीति और तालमेल कमजोर दिखाई दिए, जिससे वे पूरे मैच में दबाव में रहीं।

### मैच का माहौल

रांची के हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले को देखने के लिए भारी संख्या में दर्शक पहुंचे थे। दर्शकों ने दोनों टीमों का उत्साह बढ़ाया, लेकिन ओडिशा वॉरियर्स के खेल ने उन्हें खासा प्रभावित किया। वॉरियर्स की आक्रामकता और फिनिशिंग ने मैच को एकतरफा बना दिया।

### आगे की उम्मीदें

ओडिशा वॉरियर्स की यह जीत न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, बल्कि टीम को टूनार्मेंट में आगे के मुकाबलों के लिए मजबूती भी देगी। वहीं, दिल्ली एसजी पाइपर्स को अपनी कमजोरियों पर काम करने की जरूरत होगी, ताकि वे अपने अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग के इस शानदार आगाज ने दर्शकों को रोमांचक मुकाबलों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

# आईपीएल: पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे श्रेयस अय्यर

प्रात: किरण,/ एजेसी

नई दिल्ली, ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को टीम की कमान सौंपी है। रविवार देर शाम फ्रेंचाइजी मालिकों ने श्रेयश की लीग के आगामी सीजन के लिए अपना कप्तान घोषित किया है। दिसंबर 2024 में नीलामी में फ्रेंचाइजी टीम ने पौने 25 करोड़ में उन्हें अपनी टीम के साथ जोड़ा था। टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग हैं। कप्तान चुने जाने के बाद 30 वर्षीय श्रेयश अय्यर ने पंजाब किंग्स मैनेजमेंट का आभार व्यक्त किया है। श्रेयस ने कहा, मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि टीम ने मुझ पर अपना विश्वास जताया है। मैं कोच पोंटिंग के साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। टीम मजबूत दिख रही है, जिसमें क्षमतावान और अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण है। मुझे उम्मीद है कि मैनेजमेंट द्वारा दिखाए गए विश्वास को हम अपना पहला खिताब दिलाकर चुका पाएंगे हेड कोच रिकी ने कहा, श्रेयस के पास खेल के लिए शानदार दिमाग है। कप्तान के रूप में उनकी साबित क्षमताएं टीम को बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएंगी। मैंने आईपीएल में पहले भी अय्यर के साथ अपना समय बिताया है, और मैं उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। उनके नेतृत्व और टीम में प्रतिभा को देखते हुए, मैं आने वाले सीजन के लिए उत्साहित हूं। पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने कहा, हमने अपने कप्तान के रूप में श्रेयस की पहचान की थी एयरबस करण नीलामी के नतीजों से हम बहुत खुश हैं। उन्होंने खुद को इस प्रारूप में माहिर खिलाड़ी साबित कर दिया है और टीम के लिए उनका विजन हमारे लक्ष्यों से पूरी तरह मेल खाता है। उनके और पोंटिंग के फिर से हाथ मिलाने से हमें विश्वास है कि हमारी टीम के पास एक ठोस लीडरशिप है जो हमें हमारे पहले खिताब तक ले जाएगा। 2024 में अय्यर के लिए यह एक शानदार साल रहा है। वह रणजी और ईरानी ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 2024 के आईपीएल अभियान में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की थी ।इसके अलावा उनके नेतृत्व में मुंबई ने अपनी दूसरी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती है।

# चयनकताओं का फैसला गलत नहीं, श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर होने पर बोले मैक्सवेल

नई दिल्ली,। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो वही फैसला लेते, जो ऑस्ट्रेलियाई चयनकताओं ने लिया। मैक्सवेल को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया। मैक्सवेल ने आखिरी बार 2017 में टेस्ट खेला था। अब वह इस दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की 16 सदस्यीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह पहली बार चुने गए ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली को टीम में लिया गया है। मैक्सवेल ने इसे पूरी तरह समझने योग्य बताया। फॉक्स स्पोर्ट्स के मैक्सवेल के हवाले से कहा,यह बस चयन का मामला है। हमेशा कुछ खिलाड़ी होते हैं जो टीम में जगह चाहते हैं। मैंने कभी नहीं छुपाया कि मैं इस दौरे पर जाना चाहता था, लेकिन मैं उनकी वजहों को पूरी तरह समझ सकता हूं। ऑस्ट्रेलिया पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच चुका है। उनके पास श्रीलंका में दो टेस्ट हैं और अगले कुछ सालों में उपमहाद्वीप के और भी दौरे होंगे। ऐसे में नए खिलाड़ियों को इन परिस्थितियों में खेलने का मौका देना जरूरी है। उन्होंने कूपर कॉनॉली को लेकर कहा, किसी युवा खिलाड़ी के लिए यह अनुभव शानदार होगा। कूपर का पहला टेस्ट दौरा है। अगर मैं चयनकर्ता होता, तो शायद मैं भी यही फैसला लेता ह्व मेलबर्न स्टार्स की ओर से बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 52 गेंदों पर 90 रन की धमाकेदार पारी खेलने के बाद मैक्सवेल ने कहा कि वह अपने टेस्ट करियर पर फिलहाल कोई फैसला नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा,मैं अभी भविष्य की कोई योजना नहीं बना रहा हूं। मैं फिलहाल अगले मैच की तैयारी पर ध्यान दे रहा हूं। अपनी शानदार पारी के बारे में मैक्सवेल ने कहा, हर चीज मेरे हिसाब से नहीं हो रही थी। शायद हर दूसरी या तीसरी गेंद सही तरीके से खेल पा रहा था। पिच के हालात को देखते हुए मेरा प्लान सिर्फ यह था कि गेंदबाजों पर इतना दबाव बनाऊं कि वह गलतियां करें, चाहे ओवरपिच गेंद डालें या थोड़ी वाइड फेंकें, जिससे मैं अपने शॉट खेल सकूं। उन्होंने यह भी कहा, मुझे लगा कि मैंने कई बार गेंद को सही से हिट नहीं किया और कई बार शॉट्स मिसटाइम हुए। लेकिन मेरा गेम प्लान बहुत सिंपल था - क्रीज पर टिके रहना और सही गेंद का इंतजार करना।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran



## संक्षिप्त समाचार

### जवाहर लाल नेहरू को खट्टर ने बताया एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, भड़के भूपेंद्र हुड्डा ने दिया जवाब

**चंडीगढ़, एजेंसी।** जवाहर लाल नेहरू को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर कहने के हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा भड़क गए हैं। हुड्डा ने पलटवार करते हुए कहा कि खुद मनोहर लाल एक्सीडेंटल चीफ मिनिस्टर रहे। उनके पास बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए वह ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं। हुड्डा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल 9 साल के करीब प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, लेकिन आज उनके पास बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है इसलिए कांग्रेस की आलोचना करते रहते हैं। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेदकर का कांग्रेस ने पूरा सम्मान किया। वे संविधान निर्माण सभा के चेयरमैन थे। उनकी संविधान बनाने में अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस ने केवल संविधान में संशोधन किए थे, जबकि भाजपा संविधान को ही खत्म करना चाहती है। कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर हुड्डा ने कहा कि दिल्ली में भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए बंगले को मुद्दा बनाया जा रहा है, जो सरकारी है। कांग्रेस दिल्ली चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी। ईवीएम को लेकर हुड्डा ने कहा कि चुनाव आयोग की स्थिति के बारे में सबको पता है। मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि देश के आर्थिक विकास में भी डॉ. अंबेडकर की अहम भूमिका रही, वे देश के अग्रणी नेता थे। मैं तो कहता हूं कि जवाहर लाल नेहरू बीकेम द प्राइम मिनिस्टर बाई एक्सीडेंट। उनकी जगह सरदार वल्लभ भाई पटेल या डॉ. भीमराव अंबेडकर को आगे लाया जा सकता था। हालांकि यह उस समय का निर्णय था। किसी न किसी को तो बनना था। उन्होंने ये बात रोहतक की महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में लोगों को संबोधित करते हुए कही। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मैं यह कहना चाहूंगा कि इस देश का संविधान हमारा पवित्र ग्रंथ है और हमें इसे आकार देने में डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदान को हमेशा याद रखना चाहिए। हमें समय-समय पर इस पर चिंतन करना चाहिए। डॉ. अंबेडकर ने भी कठिनाइयों का सामना किया था। उनकी मृत्यु के बाद उन्हें दिल्ली में दाह संस्कार के लिए जगह नहीं दी गई थी।

### कभी केरोसिन के लैंप में पढ़ते थे वी नारायणन, ऐसे तय किया था इसरो तक का सफर

**नईदिल्ली, एजेंसी।** इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन को नए बॉस मिलने वाले हैं। 14 जनवरी को मौजूदा चीफ एस सोमनाथ का कार्यकाल होते ही वी नारायणन अध्यक्ष पद संभालेंगे। बगैर छत के स्कूल से लेकर स्पेस एजेंसी के चीफ बनने तक की उनकी कहानी किसी फिल्म से नहीं है। उन्होंने साल इसरो में अपनी वैज्ञानिक पारी का आगाज साल 1984 में किया था।

दिवंगत किसान सी वेन्नियापेरुमल और दिवंगत एस थंगामल नारायणन के सबसे बड़े बेटे वी नारायणन का जन्म तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के मेलाकट्टुविलई गांव के गरीब परिवार में हुआ था। उन्होंने शुरुआती शिक्षा सरकारी स्कूल और तमिल माध्यम के हाई स्कूल से ली। खास बात है कि कक्षा 9 में आने के बाद उनके घर में बिजली आई। इससे पहले वह केरोसिन के लैंप की रोशनी में पढ़ाई करते थे। यहां तक कि जिस स्कूल में उन्होंने शिक्षा हासिल की, वहां ठीक छत भी नहीं थी। इसरो के एक वैज्ञानिक बताते हैं, एक दिन उनके शिक्ष ने ऐलान किया कि चांद पर इंसान ने सफलतापूर्वक लैंडिंग कर ली है। वह आज भी उस बात को बड़े उत्साह से बताते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तमाम मुश्किलों के बावजूद नारायण ने 10वीं में पहली रैंक हासिल की।

# श्रीनगर आने वाली ट्रेनों के ट्रांसशिपमेंट का सीएम उमर ने किया विरोध, बोले- पूरा नहीं होगा उद्देश्य

**श्रीनगर, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि कटरा रेलवे स्टेशन पर श्रीनगर-जम्मू ट्रेनों के ट्रांसशिपमेंट का उत्तर रेलवे का प्रस्ताव लाइन के मूल उद्देश्य को ही नष्ट कर देगा और हजारों करोड़ रुपये का निवेश व्यर्थ हो जाएगा. इस बारे में उन्होंने एक्स पर लिखा किसी भी गलतफहमी की संभावना को दूर करने के लिए, हालांकि हम ट्रेन और उसमें यात्रा करने वाले यात्रियों की सुरक्षा की आवश्यकता को समझते हैं, लेकिन यात्रियों को ट्रेन बदलने के लिए कहने से इस लाइन का मूल उद्देश्य ही नष्ट हो जाएगा और हजारों करोड़ रुपये का निवेश व्यर्थ हो जाएगा.

मुख्यमंत्री ने कटरा स्टेशन पर सुरक्षा जांच के विचार का समर्थन किया, लेकिन कहा कि रेलवे अधिकारियों के पास अभी तक कोई ठोस प्रस्ताव नहीं है. उमर ने कहा, कटरा या जम्मू में ट्रेन/यात्रियों की जांच करें, लेकिन हम ट्रेन में किसी भी तरह के बदलाव का समर्थन नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि अभी तक कोई ठोस प्रस्ताव नहीं है और जब कोई प्रस्ताव आएगा, तो हम अपने सुझाव/सूचनाएं देंगे. बता दें कि ईटीवी भारत ने सबसे पहले यह रिपोर्ट दी थी कि उत्तर रेलवे ने योजना बनाई है कि श्रीनगर-जम्मू ट्रेनें कटरा रेलवे स्टेशन पर रुकेंगी और यात्री प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर ट्रेन बदलकर जम्मू या श्रीनगर जाने वाली ट्रेनों में सवार होंगे. रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कहा कि सभी यात्रियों को अपने सामान आदि को दोबारा स्कैन कराना होगा और जम्मू या श्रीनगर की ओर जाने वाली ट्रेन में चढ़ने के लिए प्लेटफार्म नंबर 1 पर जाना होगा.

ट्रांसशिपमेंट योजना को लेकर व्यापारियों और विपक्षी राजनीतिक दलों ने इसकी निंदा की है और मांग की है कि कश्मीर और जम्मू के बीच ट्रेन संपर्क सीधा होना चाहिए और इसमें कोई ट्रांसशिपमेंट नहीं होना चाहिए. मुख्यमंत्री उमर इस मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा सवाल उठाए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे. वहीं पीपुल्स कांफ्रेंस (पीसी) के अध्यक्ष और विधायक सज्जाद लोन ने कहा कि कटरा में ट्रेन का परिवर्तन करने से ट्रेन की मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता खत्म हो जाती है.

लोन ने कटरा रेलवे स्टेशन पर ट्रांसशिपमेंट के बदलाव का बचाव करने के लिए उमर पर हमला बोला. लोन ने एक्स पर लिखा कृपया हम सभी को आराम करने दें. भाजपा द्वारा किए जाने वाले हर काम को सही ठहराना बंद करें. सुरक्षा के बहाने को सही ठहराकर आप वस्तुतः हर चीज को सही ठहरा सकते हैं. यही तो मौजूदा और पिछली सरकारों ने किया है.

उन्होंने कहा, काश हमारे लोगों ने एनडीए के केंद्रीय मंत्री के रूप में आपके कथनों को याद रखा होता. मैं, सुरक्षा मुद्दों पर आपके दक्षिणपंथी विचारों से हैरान नहीं हूं. तब और अब-आप कश्मीर में दिल्ली के आदमी की तरह लगते हैं. और उन्होंने अभी तक आपको एनडीए में शामिल नहीं किया है. मैंने यह कई बार कहा है और इसे दोहराऊंगा. जिस दिन आप उनके साथ शामिल होंगे, लोग पिछले पांच साल भूल जाएंगे. आप यातना में नए रिकॉर्ड बनाएंगे. लोन ने कहा कि कटरा में ट्रेन बदलने से ट्रेन की मनोवैज्ञानिक प्रासंगिकता खत्म हो जाती है. उन्होंने कहा, और मुझे यह जानना अच्छा लगेगा कि कटरा में सुरक्षा से संबंधित वे क्या करेंगे जो वे श्रीनगर में नहीं कर सकते.

### खूंखार नक्सली प्रभाकर की पत्नी राजे कांगे गिरफ्तार, बीजीएल सेल, ग्रेनेड, वायर समेत विस्फोटक बरामद

**कांकेर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से बड़ी खबर सामने आई है। खूंखार और दुर्दांत नक्सली प्रभाकर की पत्नी राजे कांगे गिरफ्तार हो गई है। राजे कांगे डीवीसीएम रैंक की नक्सली है। राजे कांगे पर 8 लाख रुपये का इनाम घोषित है। राजे कांगे रावघाट एरिया कमेटी की प्रभारी थी। पुलिस ने उन्हें कौड़ोसाल्हेभाट गांव से गिरफ्तार किया है। राजे एक ग्रामीण के घर छुपी थी। पुलिस ने नक्सल समर्थक श्यामनाथ उसेंडी को भी गिरफ्तार किया गया है। मामला कोयलीबेडा थानाक्षेत्र का है। कांकेर पुलिस के मुताबिक कुछ दिनों से प्रतिबंधित और गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के उत्तर बस्तर डिवीजन के तहत सक्रिय रावघाट एरिया कमेटी प्रभारी मालती उर्फ राजे उर्फ निर्मला कांगे की गतिविधि की जानकारी मिल रही थी। 11 जनवरी को जिला कांकेर के थाना कोयलीबेड़ा क्षेत्र से मालती और नक्सल सहयोगी और शरण देने वाला श्यामनाथ उसेंडी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सली मालती उर्फ राजे से पूछताछ की जा रही है। बता दें कि कांकेर पुलिस के 23 दिसंबर को प्रभाकर को गिरफ्तार किया था। उस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था। प्रभाकर को 4 जनवरी को कांकेर जिला न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे रिमांड पर जेल भेज दिया है। प्रभाकर 40 सालों से नक्सली के रूप में सक्रिय था। कांकेर जिले में ही उस पर 76 मामले दर्ज हैं।

# फडणवीस को पता होना चाहिए कि उद्धव को कहां रखना है, ठाकरे से मुलाकात पर बिफरा शिंदे गुट

**मुंबई, एजेंसी।** मुंबई महानगरपालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए शिवसेना शिंदे गुट ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जीत हासिल करने के लिए मालाड ईस्ट स्थित कुरार विलेज में शिवसैनिकों का एक बड़ा मेला और नवनिर्वाचित विधायकों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन दिंडोशी विभाग प्रमुख वैभव भराडकर ने किया था। कार्यक्रम में सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और शिवसेना शिंदे गुट के नेता रामदास कदम प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के बाद रामदास कदम ने उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे पर जमकर हमला बोला।

रामदास कदम ने कहा, पिछले 35 सालों से मुंबई महानगरपालिका उद्धव ठाकरे के हाथों में है। इन 35 वर्षों में मुंबई में लगभग 60 प्रतिशत मराठी लोग बाहर फेंके गए। क्या इसके लिए उद्धव ठाकरे जिम्मेदार नहीं हैं? उन्होंने आगे कहा, उद्धव ठाकरे ने मराठी मानसों को नष्ट कर दिया, यह एक सच्चाई है। भविष्य में उद्धव ठाकरे को मराठी मानसों का नाम लेने का कोई अधिकार नहीं है।

रामदास कदम ने बाला साहेब ठाकरे के स्मारक पर उद्धव ठाकरे के हालिया बयान पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे ने शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के विचारों को नकारा और कांग्रेस के साथ जाकर गद्दारी की। ऐसे व्यक्ति को शिवसेना प्रमुख के स्मारक में जाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य सरकार से यह भी अपील की कि किसी भी हालत में उद्धव ठाकरे को हिंदू हृदय सम्राट बाला साहेब ठाकरे के स्मारक के अध्यक्ष पद से हटा दिया जाए। उस स्मारक का उद्धव ठाकरे से कोई संबंध नहीं रहना चाहिए। रामदास कदम ने आदित्य ठाकरे और उद्धव ठाकरे की देवेंद्र फडणवीस से मुलाकातों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, आदित्य ठाकरे हर बार देवाभाऊ, देवाभाऊ कहते हुए फडणवीस से मिलने जाते हैं। उद्धव ठाकरे इतने बड़े फूलों के गुलदस्ते के साथ फडणवीस से मिलते हैं। कल तक जो कह रहे थे तू रहेगा या मैं वह आज अचानक कैसे बदल गए? उन्होंने यह भी कहा कि देवेंद्र फडणवीस को यह सोचना चाहिए कि उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे को कहां तक रखा जाए।

# 1.5 लाख करोड़ की डिफेंस डील करने जा रहा भारत, बेड़े में शामिल होंगे धांसू हथियार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** डिफेंस सेक्टर में खुद को और मजबूत करने के इरादे से भारत आने वाले महीनों में कई बड़े समझौते करने जा रहा है। इस साल 31 मार्च को खत्म होने वाले फाइनेंशियल ईयर से पहले भारत ने 4 बड़े रक्षा समझौते को फाइनल करने का प्लैन बनाया है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय बेड़े में फाइटर जेट्स, पनडुब्बियों, हेलीकॉप्टरों और तोपों को शामिल करने के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के समझौते किए जाएंगे। ये डील्स सशस्त्र बलों की फायर पावर और कॉम्बैट कैपेबिलिटीज को बढ़ाने के लिए एक दूरदर्शी योजना का हिस्सा है।

टाइम्स ऑफ इंडिया ने रक्षा सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी दी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि भारत जल्द ही फ्रांस के साथ 26 राफेल-मरीन लड़ाकू जेट के सीधे अधिग्रहण के लिए लगभग 63,000 करोड़ रुपये का समझौता करने जा रहा है। इनकी तैनाती स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के डेक पर की जाएगी। वहीं इस समझौते में नेवी के लिए 22 सिंगल-सीट मैरीटाइम जेट और चार ट्विन-सीट ट्रेनर के साथ-साथ हथियार, सिमुलेटर, ट्रेनिंग और पांच साल के लिए लॉजिस्टिक्स सपोर्ट के साथ-साथ आईएएफ के बेड़े में शामिल किए गए 36 राफेल के लिए पुर्जों की खरीददारी भी शामिल है। इस मसौदे पर पीएम के नेतृत्व वाली सुरक्षा पर कैबिनेट समिति से अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

गौरतलब है कि पीएम मोदी 11 और 12 फरवरी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिखर सम्मेलन के लिए फ्रांस का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान फ्रांस के साथ 38,000 करोड़ रुपये का एक अन्य समझौता भी किया जाएगा। इसमें तीन अतिरिक्त स्कॉर्पीन डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां शामिल होंगी, जिनमें लंबे समय तक पानी के नीचे टिकने के लिए एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) होगा। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक्स में किया जाएगा। इसकी पहली तैनाती 2031 की जाएगी।

इसके अलावा भारत 156 स्वदेशी प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों के लिए लगभग 53,000 करोड़ रुपये और 307 स्वदेशी उन्नत टो आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) के लिए 8,500 करोड़ का समझौता करने जा रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित नए प्रचंड हेलीकॉप्टर सियाचिन ग्लेशियर और पूर्वी लद्दाख जैसे क्षेत्रों में आक्रामकता से चुनौती पेश करेंगे। वहीं डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित एटीएजीएस की मारक क्षमता 48 किमी तक बताई जाती है। इसका उत्पादन भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम द्वारा किया जाएगा।

### चाड के राष्ट्रपति डेबी की पार्टी ने संसदीय चुनाव में दर्ज किया बहुमत, विपक्ष ने चुनाव पर उठाए थे सवाल

**एनजामेना, एजेंसी।** चाड से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां राष्ट्रपति महामत इदरीस डेबी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ पैट्रियोटिक साल्वेशन मूवमेंट (पीएसएम) ने दिसंबर में हुए संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के प्रमुख अहमद बार्टचिरेट द्वारा शनिवार को घोषित अस्थायी परिणामों के अनुसार, पीएसएम ने नेशनल असेंबली की 188 में से 124 सीटें जीती हैं।

**विपक्षों ने चुनाव की वैधता पर उठाए थे सवाल:** बता दें कि इन चुनावों का बहिष्कार मुख्य विपक्षी दलों ने किया था और इनमें 51.56 प्रतिशत मतदान हुआ। विपक्षी दलों ने इस चुनाव की वैधता पर सवाल उठाए और इसे ढोंग करार दिया। यह चुनाव चाड में एक दशक से अधिक समय में पहला संसदीय चुनाव था, जिसमें नगरपालिका और क्षेत्रीय वोट भी शामिल थे।

**चुनाव के दौरान सुरक्षा की समस्या:** गौरतलब है कि चाड में हुए इस सांसदीय चुनाव के दौरान कई सारी सुरक्षा समस्याओं का सामना कर रहा था। इसमें जिनमें बोको हराम आतंकवादी समूह का खतरा और फ्रांस के साथ सैन्य सहयोग पर तनाव शामिल था। साथ ही हाल ही में चाड ने फ्रांस के साथ सैन्य संबंध तोड़े और रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया। इस हफ्ते, चाड की सुरक्षा बलों ने राष्ट्रपति पर हमले को भी नाकाम किया, जिसे सरकार ने अस्थिरता का प्रयास बताया।

# पाकिस्तानी सैनिक कर रहे देश से गद्दारी, आतंकवादियों को बेचे खतरनाक हथियार !

**पेशावर , एजेंसी।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक गंभीर सुरक्षा घोटाला सामने आया है, जहां संघीय लेवी बल के 140 अत्याधुनिक हथियार और 1.4 लाख गोलियां अनधिकृत व्यक्तियों के कब्जे में पाई गई हैं। यह घटनाक्रम बलूचिस्तान में सुरक्षा चूक और हथियारों के दुरुपयोग की गंभीर चिंता को उजागर करता है। अधिकारियों के अनुसार, इन हथियारों और गोलियों का वितरण अवैध व्यक्तियों को किया गया था, जिससे आतंकवादियों और अलगाववादियों तक इनकी पहुंच हो सकती है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि 'संघीय लेवी बल पाकिस्तान का प्रांतीय अर्धसैनिक बल (जेंडरमेरी) है, जिसकी मुख्य भूमिका कानून का पालन सुनिश्चित करना, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में नागरिक पुलिस की मदद करना और प्रांतीय स्तर पर आंतरिक सुरक्षा अभियानों का संचालन करना है। पुलिस उपायुक्त की ओर से झोब के नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, ये हथियार और गोलियां संघीय लेवी बल के लिए थे, लेकिन इन्हें अनधिकृत व्यक्तियों को वितरित कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि मामले में संलिप्तता के आरोप में 69 लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनमें सेवारत और सेवानिवृत्त लेवी बल के कर्मियों के साथ-साथ प्रभावशाली कबायली हस्तियां भी शामिल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अब्दुल सबूर के अनुसार, अधिकारियों ने अभी तक क्लाश्निकोव राइफल और पिस्तौल सहित 44 हथियार व भारी संख्या में गोलियां बरामद की हैं।

उन्होंने कहा, अनधिकृत व्यक्तियों के पास मौजूद और हथियार व गोलियां बरामद करने के लिए जांच जारी है। सबूर के मुताबिक, ऐसी चिंताएं हैं कि इनमें से कुछ हथियार और गोलियां क्षेत्र में सक्रिय अलगाववादी समूहों के हाथ लग गए होंगे। उन्होंने बताया कि यह घोटाला इस सप्ताह की शुरुआत में तीन जिलों में बलूचिस्तान पुलिस के साथ लेवी बल की विलय प्रक्रिया के दौरान सामने आया।

# मलाला ने महिलाओं के खिलाफ 'लैंगिक रंगभेद' की व्यवस्था के लिए अफगान तालिबान की आलोचना की

**इस्लामाबाद , एजेंसी।** नोबेल शांति रस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने फगान तालिबान शासन की आलोचना रते हुए कहा कि उसने महिलाओं के पराधों को संस्कृति और धर्म की आड़ छिपाकर उनके खिलाफ लैंगिक रंगभेद ी व्यवस्था स्थापित की है। इस्लामाबाद एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे और ंतिम दिन मुस्लिम देशों में लड़कियों की ाक्षा के विषय पर उन्होंने कहा, ''सरल ब्दों में कहें तो तालिबान महिलाओं को सान नहीं मानता। वे अपने अपराधों को ांस्कृतिक और धार्मिक औचित्य की ाड़ में छिपाते हैं। ये नीतियां ानवाधिकारों का उल्लंघन हैं और स्लामी शिक्षाओं में इनका कोई आधार हीं है। तालिबान ने 2021 में अशरफ नी की सरकार को गिराकर फिर से सत्ता ासिल कर ली और तब से महिलाओं को ाक्षा के अधिकार से वंचित करने सहित ई महिला विरोधी नीतियों को वैध नाकर, अफगानिस्तान पर बेखौफ शासन

कर रहा है। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला (27) ने अफगान सरकार के देश में इस्लामी व्यवस्था लागू करने के दावे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ये मानवाधिकारों का उल्लंघन है और कोई भी सांस्कृतिक या धार्मिक बहाना उन्हें उचित नहीं ठहरा सकता। उन्होंने मुस्लिम नेताओं से आग्रह किया कि वे अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता देने से बचें तथा महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा को सीमित करने वाली उनकी नीतियों के खिलाफ खड़े होकर वास्तविक नेतृत्व का प्रदर्शन करें। उन्होंने मुस्लिम नेताओं से कहा, उन्हें वैध मत बनाइए, क्योंकि उन्होंने तालिबान शासन को लैंगिक रंगभेद के अपराधी करार दिया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में लड़कियों की एक पूरी पीढ़ी से उनका भविष्य छीना जा रहा है।

उन्होंने कहा, तालिबान ने हर अफगान लड़की से सीखने का अधिकार छीन लिया है और वे महिलाओं और लड़कियों को सार्वजनिक जीवन के हर पहलू से खत्म करना चाहते हैं और उन्हें समाज से मिटा देना चाहते हैं। मलाला ने यह भी कहा कि 1.2 करोड़ पाकिस्तानी लड़कियां स्कूल से बाहर हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक संख्या में से एक है, लेकिन उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि यह सम्मेलन पाकिस्तान में हो रहा है। उन्होंने गाजा में इजराइल की कार्रवाई की भी आलोचना की और उस पर क्षेत्र की शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने तथा मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, गाजा में, इजराइल ने पूरी शिक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया है। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों पर बमबारी की है, 90 प्रतिशत से अधिक स्कूलों को नष्ट कर दिया है और स्कूल भवनों में शरण लिये हुए नागरिकों पर अंधाधुंध हमला किया है...। उन्होंने संघर्ष क्षेत्रों में शिक्षा का समर्थन करने तथा महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आग्रह किया। मलाला को 15 वर्ष की आयु में पाकिस्तानी तालिबान द्वारा उनके विरोध के कारण गोली मार दी गई थी, लेकिन वह बच गईं और लड़कियों की शिक्षा की वकालत की वैश्विक प्रतीक बनकर उभरीं।

### ब्रिटिश मंत्री ने की चैटजीपीटी की वकालत, कहा- बच्चों को होमवर्क में मदद के लिए उपयोग की अनुमति मिले

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन तेजी से एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) और चैटजीपीटी को अपना रहा है। ब्रिटेन के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री पीटर काइल ने कहा कि बच्चों को होमवर्क में मदद करने के लिए चैटजीपीटी के उपयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए। ब्रिटेन एआई के भविष्य को लेकर रूपरेखा तय कर रहा है। एक इंटरव्यू में यूके के मंत्री काइल ने कहा कि अगर सही तरीके और सही निगरानी में चैटजीपीटी का उपयोग किया जाता है तो इसे बच्चों के होमवर्क में मदद करने की अनुमति देने से कोई हर्ज नहीं है। चैटजीपीटी और एआई जिस तकनीकी भाषा का उपयोग कर रही है, वह पहले से ही अर्थव्यवस्था में इस्तेमाल हो रही है। उन्होंने कहा कि मुझे कैलकुलेटर के बारे में बातचीत याद है। हमें यह तय करना होगा कि बच्चे और युवा इस तकनीक का उपयोग सीखें और इसे सीखने के विकास में शामिल करें। उन्होंने कहा कि चैटजीपीटी का उपयोग बच्चों के दिमाग की गति को तेज कर सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ बच्चे असाधारण प्रतिभा वाले होते हैं। चैटजीपीटी और एआई का प्रयोग करके उनमें ऊर्जा का संचार किया जा सकता है। उन्हें जो अन्य जगहों पर नहीं मिल रहा है, वह यहां मिल सकता है। चैटजीपीटी एक ऑनलाइन एआई-संचालित भाषा मॉडल (एलएलएम) है। यह चैटबॉट के साथ मानव जैसी बातचीत करने और बहुत कुछ करने में सक्षम है। पिछले कुछ वर्षों में एआई चैटबॉट ने स्कूलों और कॉलेजों में सीखने की संरचना के बारे में सवाल उठाए हैं जहां अधिक से अधिक छात्र केवल होमवर्क पूरा करने और परीक्षा पास करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों पर निर्भर हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129